मूल्य-20

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

अंगिराऽसि जंगिडः

वर्षः 118, अंकः 08, अगस्त-2025 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

उत्कट जिजीविषा और आत्मविश्वास से लबरेज, असीम प्रतिभा की धनी अपने दृढ़ संकल्प से सपनों को मूर्त रूप देने वाली, गंगा नगर, राजस्थान की रहने वाली कमल कान्त सुथार की सुपुत्री, मनिका विश्वकर्मा सुथार ने मिस यूनिवर्स इण्डिया 2025 का खिताब हासिल करके एक नया इतिहास रच दिया है और उसने जांगिड-सुथार समाज का नाम गौरवान्वित करते हुए, युवाओं को यह संदेश दिया है कि सपने देखना सभी का अधिकार है, लेकिन इसमें सफलता का पैमाना, केवल आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प ही है, जिसके बल पर अपने सपनों को उड़ान दी जा सकती है। महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, महासभा रुपी परिवार के तरफ़ से मनिका विश्वकर्मा सुथार को, हृदय के अन्तःकरण से हार्दिक बधाई देते हुए कहा है कि मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि वह नवम्बर 2025 में होने वाली मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में खिताब हासिल करके अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए, देश और समाज का नाम गौरवान्वित करेगी।

प्रधान- श्री रामपाल शर्मा

प्रधान- श्री रामपाल जांगिड

सम्पादक- रामभगत शर्मा

बैंगलुरू में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी 16 अगस्त को धूम धाम से मनाया गया।

जांगिड समाज के कोहिनूर महामंडलेश्वर स्वामी भागवतान्द गिरि महाराज के संन्यास ग्रहण समारोह की विहंगम दृश्यावली।

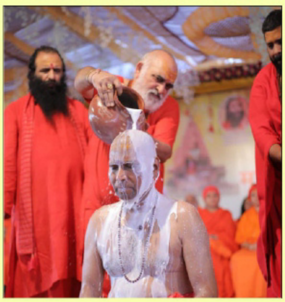

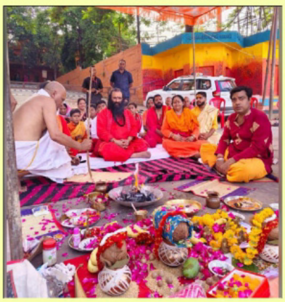

INTERIO CRAFT

MERGER OF **ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS**

With its existence over three and half decades, we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

Our Management Team

Rampal Sharma

Deepak Sharma

Jagmohan Sharma

Amith Sharma

OUR STRENGTHS
- QUALITY OF WORK
- SERVICE COMMITMENT
- ON TIME COMPLETION
- PRICING

Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

OUR SERVICES

ON SITE
- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

OFF SITE
- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

Reach us:

Corporate Office: No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

Some of our Valuable Clients

Flying Machine, U.S. Polo Assn., Aeropostale, Arrow, LP Louis Philippe, Peter England, Nautica, GAP, trueblue, Gant, Allen Solly, Van Heusen, lifestyle, max, homecentre, ZOYA, Tanishq, Taneira, Titan, Aelios, fastrack, Titan eyeplus, Mia, Melorra, Centro, Birkenstock, Third Wave Coffee, Swayamvar, Shoppers Stop, Bluestone, S3eauty, Swish, Tasva, Manyavar

''जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका'' के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वागीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा ''जांगिड''	-	09844026161
महामंत्री-पं.सांवरमल ''जांगिड''	-	09414003411
सम्पादक-प.रामभगत शर्मा ''जांगिड''	-	09814681741

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	-	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0006814)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, मुण्डका, नई दिल्ली-41) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

अरूण कुमार (अनिल जांगिड)

कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810988553

।। ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

अनुक्रमणिका

02. बैंगलुरू में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव..
03. जांगिड समाज के कोहिनूर...की चित्रावली..
07. सम्पादकीय...
09. प्रधान की कलम से...
11. डॉ. समित शर्मा, 79वें स्वतन्त्रता दिवस...
12. जलज शर्मा, जिला नाशिक को एक जिला...
13. प्रधान रामपाल शर्मा ने बैंगलुरू में .....
14. मिस यूनिवर्स इण्डिया 2025...मनिका वि0
16. युग प्रवर्तक संत तुलसीदास....
17. जांगिड समाज के कोहिनूर महामण्डेश्वर.....
20. मुंडका भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया...
21. ब्रह्मऋषि अंगिरा जयंती, और भूल सुधार...
22. सांसद रामचन्द्र जांगडा द्वारा राज्यसभा.....
23. जन्माष्टमी के पावन दिवस शिरोमणि....
24. सूरत में बनाई गई सन्तोष-राधेश्याम जांगिड..
26. जांगिड पत्रिका में लेख और सह-सम्पादक..
27. भारती जांगिड खंड विकास एवं पंचायत...
28. पूजा जांगिड 13 जून को भारतीय वायुसेना...
29. मोहित शर्मा, महाकाल की नगरी उज्जैन....
30. जीवन में योग को आत्मसात करने से...
31. हिसार के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. नरेश जांगिड.
32. सत्यनिष्ठ समाजसेवा का मूलमंत्र-निदक नियरे..
33. आधुनिक युग में भ्रातृत्व दिवस....
34. श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया रक्षाबंधन.
35. प्रदेश सभा भवन जयपुर में **2** अगस्त....
37. नवलगढ शाखा सभा की कार्यकारिणी का.....
39. डॉ. रामजीलाल जांगिड को वर्ष **2025** का
41. जिला भीलवाड़ा की युवा कार्यकारिणी का.
42. जन्माष्टमी के पावन दिवस पर समाज...
43. टोंक जिला सभा का शपथ ग्रहण समारोह..
44. विश्वाकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट...करौली..
45. राजस्थान प्रदेश की युवा कार्यकारिणी कों
46. भोलाराम शर्मा-छत्तीसगढ़ प्रदेशअध्यक्ष निर्वाचित.
47. नरेन्द्र शर्मा-उत्तराखंड प्रदेशअध्यक्ष निर्वाचित.
48. देश के वीर सपूतों को देश सेवा के जज्बे..
49. कैलाश चंद जांगिड आर के. तीसरी बार...
50. महासभा के अंतर्गत कार्यरत समस्त इकाइयों..
51. महासभा पदाधिकारियो के लक्ष्य, उत्तरादायित्व.
52. महासभा के अंतर्गत कार्यरत इकाइयों के....
53. महासभा के अंतर्गत कार्यरत इकाइयों के नाम.
54. महासभा प्रधान का उडीसा एवं हिमाचल...
55. इंदौर में आयोजित त्रैमासिक मीटिंग का सार..
59. महासभा की आगामी त्रैमासिक मीटिंग की...
60. वैवाहिक विज्ञापन..
61. मुंडका भवन में स्वतंत्रता दिवस की चित्रावली

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

कृष्णा इंटीरियर

भारत व्हील

शर्मा एण्ड कम्पनी

भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्वानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे है। जिससे हमेशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय.....

जीवन में आशातीत सफलता हासिल करने के लिए आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प तथा संस्कार ही मूलाधार हैं।

सम्पादक, रामभगत शर्मा।

सबसे पहले मैं भारतीय संस्कृति, आस्था और परंपरा की महान द्योतक सावन की शिवरात्रि, भाई बहन के असीम प्यार रक्षा बंधन, हरियाली तीज, कृष्ण जन्माष्टमी और गणेशोत्सव की बधाई देने के साथ ही देश के 79वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भी अन्तःकरण से उन देश भक्तों और महान शहीदों को, जिन्होंने देश की आन बान और शान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की रक्षा करने और देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग किया और इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं, भारत मां के उन सभी जाने अनजाने वीर सपूतों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं, जिन्होंने देश को आजादी का उपहार दिलाने में अपना अमूल्य योगदान दिया।

इस जीवन में यह बात बिल्कुल अकाट्य सत्य है कि मनुष्य **जीवन में सफलता हासिल करने के लिए कई महत्वपूर्ण आयाम अपनी भूमिका निभाते हैं और इन सभी आयामों के उपयोग करने से ही वास्तविक सफलता हासिल हो सकती है और कई बार ऐसा भी परिलक्षित होता है कि एक व्यक्ति सफलता से उतना नहीं सीखता जितना से सीखता है।** जिस समय एक व्यक्ति अपने निर्धारित लक्ष्य में असफल हो जाता है तो, वह विचलित हो उठता है और भविष्य में वह सफलता हासिल करने के लिए अपनी कमियां और उपाय ढूंढने के साथ ही और **अधिक दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति के साथ कार्य करेगा तो यह निश्चित है कि भविष्य में वह असफलता सदैव एक अनुभवी और दृढ़ संकल्पित इंसान को जन्म देती है। क्योंकि असफलता के मार्ग पर चलते हुए उसने दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास और धैर्य का परिचय देते हुए, जिस धैर्य और संयम का परिचय देते हुए आत्मविश्वास,** धैर्य एवं पुरुषार्थ का दामन पकड़ कर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए आगे बढ़ता है तो उससे निश्चित रूप से ही सफलता के ही द्वार खुलते हैं। मेरा ऐसा मानना है कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए आत्मविश्वास ही वह पहली सीढ़ी है और इस जीवन का मूलाधार भी है। **आत्मविश्वास के अभाव में जीवन धूप में कुम्हलाई उस लता के समान है। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि अगर सब कुछ चले जाने के बाद भी, जिसके आधार पर वह सब कुछ हासिल किया जा सकता है।**

जीवन में आपका आत्मविश्वास, संकल्प और दृढ़ इच्छा से जितना परिपूर्ण होगा और स्वयं पर विश्वास के साथ-साथ अपने कर्मों पर भरोसा और परमात्मा के प्रति आस्था, विश्वास और धैर्य होगा तो उसी दृढ़ संकल्प के आधार पर ही असफलता के बाद भी सब कुछ फिर से प्राप्त किया जा सकता है और सफलता हासिल करने के लिए आत्मविश्वास ही वह पहली सीढ़ी है, जिस पर चढ़ कर सफलता हासिल की जा सकती है। इसीलिए कहा गया है कि दृढ इच्छाशक्ति वाला व्यक्ति अपने विचारों और संकल्पों पर इतना दृढ़ रहता है कि विरोध, बाधा और समस्त प्रतिकूलताएं भी उसके सामने कभी

भी नहीं टिक पाती है और यही कारण है कि वह कभी भी विचलित नहीं होता है ।

इसलिए यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि आत्मविश्वास न होने के कारण ही जीवन, नीरस और मूल विहीन सूखे हुए वृक्ष के समान हो जाता है है। **अगर जीवन में आत्मविश्वास रुपी गहने को आत्मसात कर लिया है तो यह निश्चित है कि उसे जीवन में लक्षित सफलता हासिल करने से कोई भी नहीं रोक सकता है।** अपने पर तथा प्रभु में विश्वास हो तो जीवन सुखी और आनंदमय बन जाता है, क्योंकि विश्वास में अद्भुत सामर्थ्य है। विश्वास के बल पर मनुष्य ही नहीं, अपितु परमात्मा को भी वश में किया जा सकता है। इसके साथ ही उदात्त संस्कार भी जीवन में सफलता हासिल करने के लिए बड़ी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जिस प्रकार से प्रकार से अन्तःकरण से निकले हुए मृदु शब्द अच्छे मनुष्य की पहचान होते हैं और वह शब्द उस मनुष्य के भीतर परिव्याप्त संस्कारों की पहचान है, जो सफलता हासिल करने के लिए अंहम भूमिका अदा करते हैं। **संस्कार ही किसी के मूल्यांकन का सबसे प्रभावी और सटीक आधार होते हैं। जो व्यक्ति उदात्त गुणों से परिपूर्ण होता है तो, उसके स्वभाव में विनम्रता, शब्दों में मिठास और कर्म में कर्तव्यनिष्ठा उसके श्रेष्ठ संस्कारों का ही परिचायक हैं और यह गुण ही सफलता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं और इसका सीधा सा अर्थ यही है कि आपको परवरिश के समय श्रेष्ठ संस्कार दिए गए हैं।**

इसीलिए कहा गया है कि शब्द वह तलवार हैं, जिनका जीवन निकल जाने पर भी घाव नहीं भर पाता है। इसलिए जीवन में इन बातों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए कि जब भी बोला जाए, मर्यादा में रहकर ही बोला जाए ताकि किसी दूसरे के द्वारा आपके संस्कारों के ऊपर कोई प्रश्न चिह्न खड़ा न किया जा सके। **जीवन में सफलता हासिल करने के लिए संस्कार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि संस्कार वह अमूल्य गहना हैं जिनको धारण करने से ही सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। श्रीरामचरितमानस के अरण्य काण्ड में लिखा है कि --**

जाति पाँति कुल धर्म बड़ाई, घन बल परिजन गुन चतुराई ।
भगति हीन नर सोहइ कैसा, बिनु जल बारिद देखिअ जैसा ।।

इसमें शबरी के उदात्त संस्कारों का उल्लेख किया गया है । जिस समय भगवान श्रीराम सीता की खोज करते हुए शबरी के आश्रम पर पहुंचते हैं और शबरी भगवान श्री राम से ही पूछती है कि हे **भगवान मैं आपकी किस प्रकार स्तुति करुँ । भगवान श्री राम ने बड़ा ही सुन्दर जबाब दिया कि परिवार, धन, बल, गुण आदि होने पर भी यदि किसी व्यक्ति में उत्तम संस्कार और भक्ति नहीं है, तो वह व्यक्ति उस जल हीन बादल की भाँति शोभाहीन होता है, जिसका कोई भी लाभ नहीं होता है।** इसीलिए जीवन में सफलता हासिल करने में दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और उदात्त संस्कार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और **जिस उदारमना व्यक्ति के इन उदात्त गुणों की अधिकता होती है, उसके रास्ते में आने वाली सभी विघ्न और बाधाएं सहज रूप में ही विलुप्त होती चली जाती हैं** और जीवन में निश्चित रूप से सफलता हासिल करने का रास्ता प्रशस्त होगा। ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है। विपुल धन्यवाद।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

☆☆☆

प्रधान की कलम से ---

जीवन में निस्वार्थ भाव से दिया गया दान , सर्वश्रेष्ठ कहलाता है।

प्रधान, रामपाल शर्मा

सबसे पहले मैं महासभा रुपी परिवार को, आस्था और विश्वास का प्रतीक **भगवान शिव के परहित परोपकार और परमार्थ को आत्मसात करने के उद्देश्य से मनाई गई, सावन की शिवरात्रि,** प्रकृति की मनोहारी छटा से परिपूर्ण भगवान शिव और पार्वती के पुनर्मिलन का द्योतक **हरियाली तीज,** भक्ति परम्परा के देदीप्यमान सितारे, भगवान श्री राम के अनन्य भक्त, युग प्रवर्तक संत **गोस्वामी तुलसीदास जयंती,** भाई बहन के असीम प्यार और स्नेह का प्रतीक **रक्षा बंधन** और धर्म की अधर्म पर विजय और द्वापरयुग में मानवता को श्रीमद्भागवत गीता के माध्यम से कर्मयोग का अमर संदेश देने वाले भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाई गई **जन्माष्टमी,** देश की आन बान और शान के रूप में मनाए गए **देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस** के अवसर पर महासभा रुपी परिवार को बधाई देने के साथ ही उन महान देशभक्तों को श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं जिन्होंने देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग किया। इसके साथ ही 27 अगस्त से शुरू हो रहा **गणेश महोत्सव** और 28 अगस्त को मनाई जाने वाली **महर्षि अंगिरा जयंती** की भी महासभा रुपी परिवार को अपने अन्त:करण से बधाई देते हुए सभी के सुखमय और मंगल जीवन की मंगल कामना करता हूं।

इस जीवन का एक प्रमुख सिद्धांत है कि भगवान ने, मानव को जो सर्वोत्तम जीवन दिया है, उसका सदुपयोग किस प्रकार से किया जाता है, यह एक मनुष्य के सद्विचार और स्वविवेक पर निर्भर करता है। हमारे वेदों और पुराणों तथा शास्त्रों में उल्लेख किया गया है कि **सूर दुर्लभ सब ग्रंथन गावा, मनुष्य जीवन बड़े भाग्य से पावा।** यह भी जीवन का एक अकाट्य सत्य है कि जो भी आप जीवन में बांटते हैं, वहीं आपके पास लौट कर आता है, चाहे वह **धन हो, या दान हो या सम्मान हो या किसी के प्रति घृणा या असीम मोहब्बत।** इसलिए सोच समझकर निर्णय लेना चाहिए, क्योंकि वही लौटकर आपके पास आएगा और धारणा को आत्मसात करते हुए ही, आध्यात्मिक ज्ञान से परिपूर्ण व्यक्ति, सोच समझकर निर्णय लेता है ताकि भविष्य में उसको किसी भी प्रकार की व्याधि और कष्टों का सामना न करना पड़े।

उदाहरण के तौर पर आप किसी को भी कोई भी वस्तु या रुपया-पैसा, दान करते हैं तो उसमें भावना देखी जाती है और इसीलिए कहा गया है कि **'जाकि रही भावना जैसी प्रभु मूरत देखी तिन तैसी'** भगवान श्रीकृष्ण ने, श्रीमद्भागवत गीता में, **सात्विक, राजस और तामस तीन प्रकार का दान** बताया है । दान देने से मनुष्य को सुख मिलता है, क्योंकि दान देने से जहां पर एक व्यक्ति का दु:ख दूर होता है, वहीं दूसरी ओर दान देने वाले को मानसिक शांति और सन्तोष भी मिलता है। इसीलिए कहा गया है कि अगर आप जीवन में यदि सर्वोत्तम बनना चाहते हो तो जीवन में अपने कार्य को प्रेम और निष्ठा के साथ तथा निस्वार्थ भाव से भी करें तो वह कार्य अवश्य ही अपनी अमिट छाप छोड़ने में सफल रहता है। **जिस समय एक व्यक्ति अपनी आत्मा और अन्त:करण की आवाज सुनकर कार्य करता है तो उसका आत्मा से जुड़ाव हो जाता है।**

जब आप यह समझेंगे कि हम एक आत्मा हैं। इसी तरह भगवान श्री कृष्ण ने गीता के 17वें अध्याय के 20वें श्लोक में सर्वश्रेष्ठ दान कौन सा है, इस दान प्रकार तीन प्रकार बताए गए हैं, अर्थात **जो दान देश काल और पात्र व्यक्तियों को देखकर दिया जाता है, वह दान ही सात्विक और सर्वश्रेष्ठ तथा सर्वोत्तम दान माना गया है।** यह दान देने की भावना पर भी बहुत कुछ निर्भर करता है, **जो दान दिखावे के लिए स्वार्थ की भावना से ओत-प्रोत होकर दिया जाता है वह दान राजसी दान कहलाता है।**

इसी प्रकार जो दान अंहकार के वशीभूत होकर और केवल दिखावा करने और मान बड़ाई हासिल करने के लिए जो दान दिया जाता है वह दान तामसी दान कहलाता है। मेरा यह मानना है कि ऐसे लोग तो दोहरा जीवन जीते हैं जो तुलसी पर दिया तो जलाते तो हैं और आरती उतारते हैं, लेकिन बुझे हुए दिल से और वह खुद ही थकान से भरे हुए होते हैं।

इसलिए यदि जीवन में **दान देना चाहते हो अपनी आत्मा की आवाज को स्पर्श करना सीखे और उसके पीछे जो भी भावना छुपी हुई है वहीं उसके जीवन का वास्तविक रहस्य है। दान सिर्फ पैसे का ही नहीं होता है। दान की प्रकार के होते हैं कलियुग में हारे के सहारे बाबा खादू श्याम ने अपने शीश का दान दिया और वह शीश के दानी कहलाए और महर्षि दधीचि ने देवताओं के शस्त्र निर्माण के लिए भगवान शिव के आदेश पर अपनी हड्डियों का दान किया।** मैं भी समझता हूं कि भगवान ने हमारे परिवार को भी समाज हित में दान के रूप में यह छोटी सी सेवा करने का सुअवसर प्रदान किया है और इस संकल्प के तहत **महासभा को जीवन पर्यन्त एक छोटी सी निर्धारित राशि देने के पीछे, जो संकल्प और उद्देश्य है, वह यही है कि मैंने अपने जीवन में आर्थिक तंगी और विषम परिस्थितियों के कारण पढ़ाई न करने की, जो भी वेदना और पीड़ा बचपन में सही है और झेली है, उसका मुझे अहसास है और मैं नहीं चाहता कि समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों को भी इसी प्रकार की विभीषिका और वेदना को सहन करना पड़े।**

मेरे परिवार द्वारा इस छोटे से प्रयास का लक्ष्य भी यही है कि **ऐसे होनहार और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की वेदना को कुछ हद तक कम किया जा सके। सदगुरु महाराज के आशीर्वाद से 2 लाख 51 हजार रुपए की यह तुच्छ भेंट, प्रति वर्ष महासभा को आजीवन देने का फैसला किया है। मैं केवल यही समझता हूं कि करन करावन आपनहार करतार** करने वाला तो वहीं परमात्मा है और उसी की प्रेरणा से ही हो रहा है, तो फिर हम झूठी वाहवाही लूटने का मिथ्या प्रयास क्यों करें। **मेरी आन्तरिक इच्छा यही है कि समाज के दूसरे लोग भी इस महापुण्य के कार्य में आगे आए ताकि समाज के होनहार बच्चों को प्रोत्साहन दिया जा सके। वैसे तो समाज में कई संस्थाएं इस प्रकार के, नेक कार्य में लगी हुई हैं। श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट, सूरत के प्रमोद जांगिड परिवार द्वारा बनाई गई सन्तोष देवी चैरिटेबल ट्रस्ट और भी अनेक महानुभाव अपने-अपने सामर्थ्य के अनुसार इस परोपकार के कार्य में लगे हुए हैं।** उन सभी को बधाई।

लेकिन हम **महासभा में एक शिक्षा कोष स्थापित करना चाहते हैं, जिसका राष्ट्रीय स्तर पर एक अध्यक्ष हो और वह सभी प्रदेश अध्यक्षों से मिलकर अपने अपने राज्य में इस योजना का लाभ दिलवाने का प्रयास करें और इस बारे में महासभा में उच्च स्तर पर गहन मंथन और विचार विमर्श किया जा रहा है और इसके परिणाम शीघ्र ही आपके सामने आएंगे।**

मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि **इस राशि का उपयोग केवल मात्र समाज के गरीब और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए ही किया जाएगा और आपका दिया हुआ एक एक पैसा किसी बच्चे का भाग्य और उसका जीवन बदल सकता है और उसको भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी या डॉ. इंजीनियर और वकील तथा अन्य प्रतिष्ठित पद पर पहुंचाने में सहायक हो सकता है।** अब महासभा के मुण्डका भवन में भी, इस भवन के संचालन के लिए कमेटी का गठन होने के पश्चात, देश की राष्ट्रीय राजधानी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए भी समुचित व्यवस्था करने पर गम्भीरता से विचार किया जा रहा है।

आईए, हम सभी मिलकर **शिक्षा दान महादान** की इस उदात्त परम्परा का पालन करते हुए, अपने सुझाव दें, ताकि समाज के बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो सके और सभी मिलजुल कर इस महायज्ञ में अपनी आहुति डालने का कार्य करें।

विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

देश के 79वें स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर भारत माता के वीर सपूतों को सलाम।

डॉ. समित शर्मा, शासन सचिव, पशुपालन विभाग, राजस्थान सरकार।

शासन सचिव, राजस्थान सरकार, डॉ. समित शर्मा ने जयपुर में, 15 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सलामी ली।

माँ भारती की रक्षा एवं देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने वाले सभी देशभक्तों, वीर जवानों और स्वतंत्रता सेनानियों को कोटि-कोटि नमन है। जिन्होंने देश को अंग्रेजी दासता से मुक्त करवाने के लिए असंख्य कष्ट सहे और भारत मां को विदेशी दास्तां से मुक्त करवाया और 15 अगस्त 1947 को देश के लोगों ने आजादी का नया सवेरा देखा। यह उद्‌गार जांगिड समाज के कोहिनूर, सरल, सौम्य और प्रेरक वक्ता, जैनेरिक दवाओं के प्रणेता और प्रशासनिक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित, भारतीय प्रशासनिक सेवा के राजस्थान कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. समित शर्मा ने 15 अगस्त को 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झण्डारोहण के बाद उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

सदाशयता की प्रतिमूर्ति डॉ. समित शर्मा ने इस राष्ट्रीय त्यौहार की लोगों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि ने भारत के निर्माण का एक संकल्प है। उन्होंने कहा कि वह इस अवसर पर देश के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले स्वतंत्रता से क्रांतिकारी और शहीदों को नमन करते हैं, जिन्होंने वतन को आजाद कराने के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों का उत्सर्ग किया और फांसी के फंदे को चूमा और भारत मां के लिए शहीद हो गए। डॉ. समित शर्मा ने लोगों का आह्वान किया कि आओ हम सभी मिलकर देश की एकता अखंडता और संप्रभुता के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें और जो आजादी वास्तव में उन ज्ञात-अज्ञात देशभक्तों और स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वोच्च बलिदान से प्राप्त हुई है । उन्होंने कहा कि इस सामाजिक जागरुकता और राष्ट्रीय कर्तव्य तथा जिम्मेदारी की भावना के साथ समझते हुए ही हम सभी मिलकर देश को सन् 1947 तक आत्मनिर्भर, विकसित और सशक्त राष्ट्र के रूप में विकसित करने में अपना बहुमूल्य योगदान दे। उन्होंने कहा कि देश के स्वतंत्रता के लिए त्याग और बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का सदैव ही ऋणी रहेगा और यह देश उनके बलिदान को कभी भी नहीं भूल सकता है । उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 1947 को वह ऐतिहासिक दिन था, जिस दिन भारत ने, अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति पाई और देश में एक नए युग का सूत्रपात हुआ था।

डॉ. समित शर्मा ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास सत्य, शांति और अहिंसा पर आधारित स्वतंत्रता आंदोलन था और इसने पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने याद दिलाया कि स्वतन्त्रता की पहली चिंगारी सन 1857 में फूटी थी और इस 90 वर्षों के इतिहास में 1947 तक अनेक क्रांतिकारी आंदोलन, विद्रोह और सत्याग्रह हुए, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, सरोजिनी नायडू, डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर, बाल गंगाधर तिलक जैसे अनेक नेताओ ने देश आजादी के लिए संघर्ष किया और जेलें काटी और अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए अपनी सारी जवानी जेल में ही व्यतीत की। डॉ. समित शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए स्वतंत्रता के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के बारे में भी जानना जरूरी है। यह केवल मात्र एक कपड़ा नहीं है, अपितु हमारी भावनाओं से जुड़ा हुआ है। हमारे तिरंगे झंडे के तीन रंग महानता के प्रतीक हैं, जिनमें केसरिया रंग देश की शक्ति और साहस तथा बलिदान का प्रतीक है, तो सफेद रंग शान्ति और सत्य तथा पवित्रता का प्रतीक है और हरा रंग भूमि की उर्वरता, वृद्धि और शुभता का प्रतीक है और इसके साथ ही गहरा नीला अशोक चक्र जीवन में गतिशीलता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के संविधान में हमें अधिकार देने के साथ-साथ कर्त्तव्यों का भी उल्लेख किया गया है और स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है जब हम अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी समान रूप से पालन करेंगे। इसलिए मेरा आप सभी लोगों से अनुरोध है कि राष्ट्र के उत्थान के लिए सभी मिलजुल कर प्रयास करें ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में देश और प्रदेश में विकास और प्रगति की नई गाथा लिखी जा सके।

डॉ. समित शर्मा ने याद दिलाया कि राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम को भी इस वर्ष 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1870 के दशक में अंग्रेजों ने आदेश दिया था कि भारत में, विदेशी रानी का गीत गाड सेव दा क्लीन गाया जाए। लेकिन यह बात बंकिम चंद्र चटर्जी को बहुत चुब गई और उन्होंने वंदे मातरम गीत रच दिया जो सन् 1875 में पहली बार बंगदर्शन पत्रिका में छपा था और आगे चलकर यह आजादी का एक सशक्त नारा बन गया, इसकी रचना को इस साल सन् 2025 में 150 वर्ष पूरे हुए हैं। वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर आप सभी को बधाई और शुभकामनाएं। आज भी राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद राष्ट्रीय गान, जन गण मन अधिनायक जय हे जय हे, गाया जाता है वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत भी गाया जाता हैं। उन्होंने कहा कि इस पुनीत अवसर पर पर मैं, आप सबको पुन: बधाई और और धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूं कि आप सभी देश प्रेम की भावना से ओत-प्रोत होकर देश के विकास रुपी महायज्ञ में अपनी आहुति डालने का काम करने के साथ ही राष्ट्र की रक्षा का संकल्प लें ताकि यह देश आने वाले समय में एक समृद्ध राष्ट्र बन सके। धन्यवाद -जय हिंद।

जिला नाशिक को एक जिला, एक उत्पाद में वर्ष 2024 में ए श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया।

देश के अन्नदाता किसानों ने अपनी मेहनत, पुरुषार्थ और परिश्रम के बल पर कृषि और फल उत्पादन के क्षेत्र में अनेक नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कर्तव्य परायणता और सत्यनिष्ठा के द्योतक और संघर्ष के प्रतीक, देश के किसानों ने, अपने अथक प्रयासों से आज भारत देश को कृषि क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर बनाने का स्तुत्य कार्य है, अपितु चावल, अंगूर और संतरों सहित अनेक प्रकार के फलों का निर्यात करके अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान बनाई है। महाराष्ट्र प्रदेश के किसानों ने भी वर्ष 2024 के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है, जिसके लिए महाराष्ट्र राज्य को 'ए' श्रेणी में स्वर्ण पदक हासिल हुआ है। इसके साथ ही कृषि और गैर-कृषि क्षेत्र में जिला रत्नागिरी, नागपुर, अमरावती, नाशिक और अकोला जिलों ने भी उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की है।

नाशिक जिला अधिकारी जलज शर्मा को, नाशिक जिले में अंगूर और किशमिश उत्पादन में स्वर्ण पदक हासिल करने पर 15 जुलाई को दिल्ली में सम्मानित किया गया।

नाशिक जिला कलेक्टर जलज शर्मा को नाशिक जिले में अंगूर उत्पादन के क्षेत्र में एक जिला -एक उत्पाद 2024 के लिए 15 जुलाई को दिल्ली में,भारत मंडपम में 'एक जिला, एक उत्पाद' 2024 पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया और इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद की प्रमुख उपस्थिति में नाशिक के जिलाधीश जलज शर्मा को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और इस समारोह की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि महाराष्ट्र प्रदेश ने अपने उत्पादों की नवोन्मेषी सोच, उच्च गुणवत्ता और विशिष्ट गुणों के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर अपना वर्चस्व स्थापित किया है और इसके लिए यहां के कर्मठ किसान बधाई के पात्र हैं।

जिलाधीश ने कहा कि भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत महाराष्ट्र राज्य ने **एक जिला, एक उत्पाद' पहल में स्वर्णिम सफलता हासिल की है'।** भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही **इस योजना का प्रमुख उद्देश्य, देश के प्रत्येक जिले के विशेष उत्पादों को प्रोत्साहन देकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है और इसके साथ ही वैश्विक बाजार में उनकी विशेष पहचान बनाना है।** इस पहल के तहत वर्ष 2024 के पुरस्कार वितरण समारोह में महाराष्ट्र प्रदेश ने अपनी उत्ष्टता साबित करते हुए यह प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किया है।

कृषि क्षेत्र में महाराष्ट्र की उपलब्धयों का उल्लेख करते हुए, नाशिक जिला कलेक्टर जलज शर्मा ने कहा कि **जिला नाशिक के अंगूर और किशमिश को, कृषि क्षेत्र की 'ए' श्रेणी में विशेष उल्लेखनीय पुरस्कार हासिल किया है।** उन्होंने कहा कि नाशिक के अंगूरों ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अपनी एक विशेष पहचान बनाई है और इसके लिए अंगूर उत्पादक किसान बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि जिला नाशिक में लगभग 58,418 हेक्टेयर क्षेत्र में अंगूर की खेती की जा रही है और इन अंगूर उत्पादक क्षेत्रों में नाशिक जिले के मुख्य रूप से निफाड़, दिंडोरी, नाशिक और चांदवड़ तालुका शामिल हैं, जहां पर अंगूर की खेती की जाती है और अंगूर का अधिक उत्पादन भी होता है। इसके साथ ही थॉमसन सीडलैस, सोनाका, माणिक चमन, सुपर सोनाका, तास-ए-गणेश जैसी निर्यात योग्य किस्मों की भी मुख्य रूप से भी खेती की जाती है। वहीं, शरद सीडलैस, क्रिमसन, फ्लेम सीडलैस, रेड ग्लोब, मेडिका जैसी रंगीन किस्मों की खेती भी यहां पर किसान करते हैं।

जलज शर्मा ने कहा कि जिला नाशिक द्वारा, वर्ष 2024-2025 में यूरोपीय देशों को 1,10,163 टन तथा यूरोपीय देशों को छोड़कर अन्य देशों को 46,587 टन अंगूर का निर्यात किया गया और इस निर्यात से किसानों को लगभग 1,097 करोड़ रुपये का विदेशी राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि नाशिक जिले से मुख्य रूप से, नीदरलैंड, जर्मनी, बेल्जियम, डेनमार्क, इंग्लैंड, रूस, संयुक्त अरब अमीरात, कनाडा, तुर्की और चीन आदि देशों को अंगूर का निर्यात किया जाता है।

जिलाधिकारी शर्मा ने कहा कि आध्यात्मिक नगरी, नाशिक, भगवान त्र्यंमकेश्वर ज्योतिर्लिंग की पावन धरा के साथ-साथ भगवान श्री राम और सीता माता की पावन तपस्या स्थली भी रहा है और यही पर रामभक्त हनुमान जी का जन्म स्थान आंजनेय पर्वत भी है और त्र्यंमकेश्वर ज्योतिर्लिंग देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में शामिल है और यहां पर हर 12 साल बाद कुंभ का मेला लगता है और अब सिंहस्थ कुंभ मेला वर्ष 2026-27 में लगेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से नाशिक के किसानों ने अथक परिश्रम और पुरुषार्थ से अंगूर और किशमिश के उत्पादन में महाराष्ट्र में ही नहीं अपितु देश में भी श्रेष्ठता हासिल करते हुए पुरस्कार हासिल किया है, उसके लिए सभी मेहनती किसानों को हृदय के अन्त:करण से अनन्त बधाई और शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि भविष्य में भी, महाराष्ट्र का अन्नदाता किसान, इसी प्रकार से अपने उत्कृष्ट पराक्रम और अथक परिश्रम के बल पर, अंगूर, की खेती और किशमिश उत्पादन में पुरस्कार हासिल करते हुए और अपना स्तुत्य प्रयास जारी रखते हुए, महाराष्ट्र प्रदेश का नाम देश में गौरवान्वित करेंगे। विपुल धन्यवाद।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

प्रधान रामपाल शर्मा ने बैंगलुरू में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और तिरंगे की सलामी ली।

देश की आन-बान और शान का प्रतीक, राष्ट्रीय अस्मिता और भारत की महान परम्परा का द्योतक और देश के स्वाभिमान और असंख्य देश भक्तों की कुर्बानी और बलिदान का प्रतीक, राष्ट्रीय ध्वज हमारी महान विरासत और अमूल्य धरोहर है। इस कड़ी में हरियाणा के हिसार जिले के रोहनात गांव के रूपाराम जांगिड ने आजादी की इस लड़ाई के दौरान अंग्रेजों की तोप का मुकाबला करते हुए अपनी छाती में गोलियां खाई थी। ऐसे अमर शहीदों को मैं, महासभा रुपी परिवार की तरफ से हृदय से उनके प्रति अगाध श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।

यह उद्‌गार अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर बैंगलुरू में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए और इस अवसर उन्होंने पर देश के अमर शहीदों को अपने भावभीने श्रद्धासुमन भी अर्पित किए।

रामपाल शर्मा ने, कहा कि आज हमारे देश के इतिहास में वह गौरवपूर्ण क्षण है, जिसको हासिल करने के लिए देश के लाखों युवाओं ने अपने देश को अंग्रेजी दासता के पंजे से मुक्त करवाने के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों की बाजी लगा दी और फांसी के फंदों पर झूल गए। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक राष्ट्रीय दिवस, समूचे देश की अस्मिता और गौरव का प्रतीक है और आज हम देश की आजादी का 79वां उत्सव, स्वतंत्रता दिवस के रूप में मना रहे हैं, क्योंकि इसी दिन 15 अगस्त 1947 को भारत मां ने सैकड़ों वर्षो की विदेशी हुकूमत की गुलामी के बाद एक नया सवेरा देखा था और आज हम आजादी के इस नए सवेरे में खुली हवा में सांस ले रहे हैं।

प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि, देश ने दासता के शिकंजे से मुक्त होने के उपरांत प्रत्येक क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और आज हम डिजिटल युग में पहुंच गए हैं और देश एकजुट होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में, विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और भारत ने, विश्व में अपनी प्रतिष्ठा और विशेष पहचान बनाई है और देश समग्र विकास के रास्ते पर तेजी से अग्रसर हो रहा है और इस देश का भविष्य बड़ा ही उज्ज्वल है । आज हमारा सभी का यह सर्वोच्च दायित्व है कि, हम सभी मिलजुल कर और एकजुट होकर, भारत को एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र बनाने में अपनी आहुति डालने का काम करें ।

मैं महासभा रुपी परिवार को 15 अगस्त इस राष्ट्रीय त्यौहार के अवसर पर इस पुनीत वेला में, अन्त:करण से लख-लख बधाई देता हूं और मनस्कामना करता हूं और आप सभी देश की इस विकास यात्रा में सहभागी बन कर देश की अस्मिता और गौरव को नया आयाम प्रदान करते हुए देश को समृद्ध और खुशहाल बनाने में अपना अमूल्य योगदान देकर उपकृत करेंगे। प्रधान जी ने आप सभी मिलकर देश के स्वाभिमान और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को जीवंत और सजीव बनाए रखते हुए, देश के तिरंगे की आन-बान और शान को हमेशा ही बनाए रखेंगे और तिंरगे पर कभी भी आंच नहीं आने देंगे। ऐसी मेरी मनस्कामना है।

सम्पादक राम भगत शर्मा।

☆☆☆

मनिका विश्वकर्मा सुथार ने 18 अगस्त को आयोजित प्रतियोगिता में मिस यूनिवर्स इण्डिया 2025 का ताज हासिल किया।

मिस यूनिवर्स इण्डिया 2025

इस जीवन में सफलता हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्प, उत्कट जिजीविषा और अगाध विश्वास तथा समर्पण की भावना सहित धैर्य और आदर्श ऐसे दो मूल मंत्र है, जिनका पालन करने से जीवन में आशातीत सफलता हासिल की जा सकती है, यह मानना है 18 अगस्त 2025 को जयपुर में आयोजित मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में मिस यूनिवर्स इण्डिया 2025 का खिताब जीतने वाली मनिका विश्वकर्मा, सुथार का, जिन्होंने यह खिताब हासिल करके न केवल जांगिड–सुथार समाज का नाम गौरवान्वित किया है, अपितु राजस्थान और देश को भी नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने इससे पहले 21 जुलाई 2024 में हुई **मिस यूनिवर्स राजस्थान** का खिताब भी जीता था।

मनिका का जन्म 3 जुलाई 2003 को गंगानगर में, पिता कमलकान्त सुथार और माता श्रीमती शकुंतला सुथार के घर हुआ था । उसको माता–पिता ने बेहतर संस्कार दिए, यही कारण है कि वह अपने उपर विश्वास रखते हुए निरंतर सफलता की ओर अग्रसर हो रही है। उन्होंने पहली बार 21 जुलाई 2024 में मिस यूनिवर्स राजस्थान प्रतियोगिता में भाग लिया था और **पहली बार ही उसने मिस यूनिवर्स राजस्थान का खिताब जीतकर समाज और राजस्थान प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया था।**

विनम्रता और शालीनता और सौम्यता के प्रतीक, उनके पिता कमल कान्त सुथार, जो कि राजस्थान सरकार से एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए है और उनकी माता श्रीमती शकुन्तला देवी पंजाब सरकार में राजकीय सेवा में अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि, जिस समय एक बच्चा कोई विशेष उपलब्धि हासिल करता है, तो उसके माता–पिता को असीम आनन्द की अनूभूति होती है, जिसका शब्दों में उल्लेख नहीं किया जा सकता है और इसके साथ वह देश और समाज का नाम भी गौरवान्वित करते हैं। **उन्होंने कहा कि बेटी की भावनाओं को समझना और उसके चरित्र निर्माण करने में मां से बेहतर कोई शिक्षक नहीं हो सकता है और उसके सपनों को पूरा करने और उसकी सफलता में, उसकी मां की अथक साधना और विपुल सहयोग रहा है।** उसकी मां ने सारथी बन कर अहर्निश तन्मयता से उसका साथ दिया, जिससे मनिका ने सफलता का दामन थामा। उन्होंने कहा मनिका सुथार पूरे देश एवं समाज की बेटी है, जिसने अपने अथक परिश्रम और अनन्त साधना के बल पर सुथार–जांगिड समाज का ही नहीं अपितु देश का भी नाम गौरवान्वित किया है।

उनकी माता श्रीमती शकुंतला देवी सुथार ने, भावुक होते हुए कहा कि मनिका को बेहतरीन संस्कार देने के साथ ही उनको अपनी प्रतिभा और दक्षता के आधार पर स्वयं ही निर्णय लेने की अनुमति दी गई है और **मिस यूनिवर्स इण्डिया 2025 प्रतियोगिता में विजयश्री मिलने से उसमें एक नया, उत्साह और आत्मविश्वास पैदा हुआ है और मुझे उम्मीद है कि वह आगामी नवंबर 2025 में थाईलैंड में होने वाली मिस यूनिवर्स विश्वस्तरीय प्रतियोगिता** में भी वह अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए, इस प्रतियोगिता में भी खिताब हासिल करके देश का नाम रोशन करेगी।

उनकी मां ने जांगिड–सुथार समाज के प्रतिष्ठित महानुभावों और देश वासियों से विनम्र अपील की है कि मनिका विश्वकर्मा (सुथार) को **मिस यूनिवर्स बनने का आशीर्वाद देकर कृतार्थ करें, क्योंकि आपके आशीर्वाद में वह असीम ताकत है जिसका कोई भी सानी नहीं है ।** उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में कुल 48 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक की अन्तिम वर्ष की छात्रा, मनिका विश्वकर्मा सुथार ने एक साक्षात्कार में बताया कि मुझे अपने माता–पिता पर गर्व है, जिन्होंने अपनी बेटी की कदम–कदम पर सहायता की और मुझे जीवन में आगे बढ़ने के लिए अभिप्रेरित किया। उन्होंने कहा **कर्तव्य एक ऐसा आदर्श मित्र है जो कभी धोखा नहीं दे सकता है और धैर्य एक ऐसा कड़वा पौधा है, जिस पर फल, हमेशा मीठे ही लगते हैं।** इसलिए जहां तक

संभव हो सके अपने कर्तव्य का पालन सत्य निष्ठा पूर्वक तरीके से करें और जीवन में धैर्य बनाए रखें क्योंकि धैर्य का प्रसाद सबसे मीठा होता है। ठीक है, उसमें कुछ समय लग सकता है। लेकिन उसका प्रसाद आनन्द दायक ही होगा। उन्होंने कहा कि जिस समय 18 अगस्त को मुझे **मिस यूनिवर्स इण्डिया** का ताज पहनाया गया तो, मैं अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पाई और अनायास ही मेरे मन में भगवान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का विचार कौंध गया, क्योंकि मुझे याद है कि जिस समय **2024 में मिस यूनिवर्स इण्डिया में मुझे 20वां स्थान हासिल हुआ था,** तो मैं निराश हो गई थी, लेकिन मैंने धैर्य बनाए रखते हुए अपनी गलतियों सर्वाधिक ध्यान दिया और यही कारण है कि मुझे आशातीत सफलता हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि **अब 74वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता 21 नवम्बर 2025 को थाईलैंड में होगी, जिसमें वह भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।**

मनिका ने मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का खिताब जीतकर एक इतिहास रच दिया है और अपनी सुंदरता, आत्मविश्वास और बुद्धिमत्ता के दम पर, उन्होंने असाधारण उपलब्धि हासिल करके यह गौरवपूर्ण मुकाम हासिल किया है। **उसने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प से यह सिद्ध कर दिया कि अगर आत्मविश्वास और जीवन में आगे बढ़ने की जिजीविषा हों तो रास्ते में आने वाली सभी कठिनाइयां अपने आप ही तिरोहित हो जाती हैं।** हालांकि वह एक छोटे शहर में पैदा हुई लेकिन उसकी लम्बी उड़ान ने यह सिद्ध कर दिया कि सपने किसी बड़े शहर या विशेष पृष्ठभूमि के मोहताज नहीं होते हैं। उन्होंने अपनी यात्रा श्रीगंगानगर जैसे एक छोटे शहर से शुरू की और अपनी कड़ी मेहनत, अथक परिश्रम और लगन से दिल्ली में रहकर इस प्रतियोगिता के लिए स्वयं को तैयार किया। उनकी यह सफलता उन सभी युवाओं के लिए एक प्रेरणा है जो छोटे शहरों में रहकर बड़े सप देखते हैं।

ताज जीतने के बाद, मनिका ने अपनी जीत का श्रेय उन सभी लोगों को दिया जिन्होंने उनकी इस यात्रा में मदद की है। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता सिर्फ एक ब्यूटी पेजेंट नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी दुनिया है जो व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करती है। मनिका की यह सकारात्मक सोच इस बात को परिलक्षित करती है कि उन्होंने इस प्रतियोगिता को सिर्फ एक खिताब के रूप में नहीं, बल्कि खुद को बेहतर बनाने के एक अवसर के रूप में देखा है। **अब पूरा देश मनिका विश्वकर्मा को मिस यूनिवर्स 2025 में भारत का परचम लहराते हुए देखने के लिए उत्सुक है।** उन्हें एक बहुप्रतिभाशाली कलाकार के रूप में जाना जाता है वह शास्त्रीय नृत्य में प्रशिक्षित हैं और चित्रकला में भी पारंगत है।

उन्होंने कहा कि **मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 के अंतिम दौर में मेरे से एक प्रश्न पूछा गया था कि ''क्या आप केवल महिला शिक्षा का समर्थन करेंगी या आर्थिक सहायता गरीब परिवारों को प्राथमिकता देंगी?'' और इसका बड़ा ही सटीक जवाब देते हुए उन्होंने, एक महिला शिक्षा को प्राथमिकता दी, क्योंकि महिला शिक्षा 'एक व्यक्ति के जीवन को नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों को बदल सकती है।' उनका यह दृष्टिकोण निर्णायकों और दर्शकों के बीच बेहद प्रभावशाली रहा।**

इस मिस यूनिवर्स इण्डिया प्रतियोगिता के ऑनर निखिल आनंद ने कहा कि यह दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है। यह प्रतियोगिता विश्व स्तर पर अपनी भव्यता और उत्कृष्टता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है । इस ज्यूरी में निखिल आनंद, बॉलीवुड की अभिनेत्री उर्वशी रौतेला, प्रसिद्ध बॉलीवुड स्टाइलिश असले रोबेले के और बालीवुड के प्रसिद्ध लेखक और निर्देशक फरहाद सामजी, शामिल थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारत 24 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जगदीश थे।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने मनिका को बधाई देते हुए कहा कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है, जो पुरुषार्थ और आत्मविश्वास के सहारे आगे बढ़ने का प्रयास करते है, सफलता उनको निश्चित रूप से ही मिलती है और उसने **मिस यूनिवर्स इण्डिया का खिताब जीत कर यह सिद्ध कर दिया है। मैं आशा करता हूं कि वह नवम्बर में आयोजित होने वाली मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता** में भी वह ताज अपने नाम करके देश और समाज का नाम गौरवान्वित करेगी। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पवार ने भी समाज की होनहार और उदीयमान बेटी और ब्यूटी क्वीन, मनिका विश्वकर्मा, सुथार को उसके **मिस यूनिवर्स इण्डिया** बनने पर बधाई देते हुए कहा कि असफलता ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने याद दिलाया कि सन् 2024 में मिस यूनिवर्स इण्डिया में उसने 20वां स्थान हासिल किया था और तभी से उसने विश्वास और संकल्प के साथ आगे बढ़ने का निश्चय किया और सफलता हासिल की है। मनिका को अनन्त बधाई और शुभकामनाएं।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

युग प्रवर्तक संत तुलसीदास।

प्रधान रामपाल शर्मा।

इस विश्व में समय-समय पर अनेक महान विभूतियां हुई हैं, जिन्होंने मानवता के कल्याण के लिए रास्ता प्रशस्त करने के साथ साथ अनेक महत्वपूर्ण कार्य और रचनाएं की जो समाज का आज भी मार्ग दर्शन करके जीवन जीने की कला सीखा रहे हैं। ऐसे ही एक महान सन्त तुलसीदास हुए हैं । उनकी जयंती 4 अगस्त को मनाई गई जिन्होंने मानवता के कल्याण के लिए रचित रामचरितमानस और गीतांजलि जैसी अमर कृतियों की रचना करके इस संसार को धन्य कर दिया।

भगवान श्री राम के परम भक्त और दीनता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति सन्त तुलसीदास ने अपने जीवनकाल में ऐसी रामभक्ति की अनूठी मिसाल कायम की है जिसे संसार आज भी याद करता है। उन्होंने रामचरित मानस की रचना करके भगवान श्री राम के जीवन को जीवन्त और सजीव बना दिया। उन्होंने रामचरित मानस लिख कर मानवता को ऐसा अमर अनुपम उपहार दिया जिसे सदियों तक याद रखा जाएगा और इसमें निहित दिव्य और उदात्त संदेश को आत्मसात करके और भगवान श्री राम के आदर्शो और उदात्त संस्कारों और मूल्यों को ग्रहण करके न केवल मानवता का कल्याण किया है अपितु मानवता के कल्याण का रास्ता भी प्रशस्त किया है।

श्री रामचरित मानस में भगवान श्री राम और उनकी दिव्यता का जो सटीक चित्रण किया है उसका कोई भी सानी नहीं है। रामचरित मानस में भगवान श्री राम के जीवन के बारे में वह सब कुछ लिखा है जिसकी मानव परिकल्पना भी नहीं कर सकता है और यह सब परमात्मा की प्रेरणा और अनुकम्पा से ही संभव हो पाया है। सन्त तुलसीदास के जीवन का संपूर्ण परिचय गोस्वामी तुलसीदास का नाम लेते ही भगवान श्री राम का स्वरूप सामने आ जाता है क्योंकि स्वामी तुलसीदास ने ही आधुनिक युग की उत्कृष्ट रचना रामचरित मानस की रचना की थी।

तुलसीदास जी का जन्म संवत 1589 में हुआ माना जाता है तथा तुलसीदास जी का जन्म उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले के राजापुर नाम के एक छोटे से गांव में हुआ था। तुलसीदास की माता का नाम श्रीमती हुलसी देवी तथा पिता का नाम आत्माराम दूबे था। स्वामी तुलसीदास ने बचपन में अनेक कष्टों और दुखो का सामना करना पड़ा था। स्वामी तुलसीदास का विवाह रत्नावली के साथ हुआ था तथा वह अपनी पत्नी से बहुत अधिक प्रेम करते थे और अपने इसी प्रेम के कारण एक बार तुलसीदास को अपनी पत्नी से अपमानित भी होना पड़ा था। जिसके बारे में कहा जाता है कि **''लाज न आई आपको दौडे़ आएहु नाथ" अस्थि चर्म मय देह यह, ता सों ऐसी प्रीति ता। नेकु जो होती राम से, तो काहे भव-भीत बीता।।** अपनी पत्नी के इन वचनों को सुनकर तुलसीदास को जीवन की वास्तविकता का अहसास हुआ कि जीवन की सार्थकता हाड मांस के पुतले को प्रेम करने में नहीं है अपितु राम से प्रेम करने में है और अगर इतना प्रेम आप भगवान से करते तो आपको वह भी मिल जाता । उसकी पत्नी की इस सीख ने उसके जीवन की धारा को ही बदल दिया और उसके बाद उन्होंने प्रभु श्री राम के चरणों में ही अपने जीवन को व्यतीत करने का संकल्प लिया और जिसका परिणाम आज इस संसार के सामने है।

सन्त तुलसीदास ने गुरु बाबा नरहरिदास से भी दीक्षा प्राप्त की थी। इनके जीवन का ज्यादातर समय चित्रकूट, काशी और अयोध्या में व्यतीत हुआ था। तुलसीदास ने जीवन भर अनेक स्थानों का भ्रमण करके भगवान प्रभु श्री राम की असीम और अगाध महिमा के बारे में अवगत करवाने का काम किया। उन्होंने अनेकों ग्रंथ और कृतियों की रचना की थी जिनमें से रामचरित मानस, कवितावली, जानकीमंगल, विनयपत्रिका, गीतावली, हनुमान चालीसा, बरवै रामायण सहित इनकी अनेकों प्रमुख रचनाएं मानी जाती है। तुलसीदास जी ने अपने जीवन में समाज में फैली हुई कुरितियों के खिलाफ भी आवाज उठाई थी और उन्होंने अपनी इन रचनाओं के द्वारा इन कुरितियों को दूर करने का अथक प्रयास किया था। जिसका इस समाज पर सकारात्मक प्रभाव भी पड़ा। आज 600 वर्षो से अधिक समय बीतने के बाद भी जिन कुरितियों के खिलाफ आवाज बुलंद की थी आज उसी परम्परा को आगे बढ़ाने की जरूरत है। हम सभी लोगों को मिलकर इन कुरितियो के खिलाफ आवाज बुलंद करने की जरूरत है। सामाजिक कुरीतियां जैसे बाल विवाह और सामुहिक भोज जैसी बुराइयों पर कुछ हद तक अंकुश लगा है लेकिन इस दिशा में और अधिक सार्थक प्रयास करने की जरूरत है ताकि ऐसी सामाजिक कुरीतियों को मिलकर जड़मूल से समाप्त किया जा सके।

मैं 16वीं सदी के महान् सन्त तुलसीदास को हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मानवता के कल्याण का रास्ता प्रशस्त करके भगवान श्री राम के आदर्शो और उदात्त सिद्धान्तों को जन मानस के हृदय में अंकित करने का स्तुत्य प्रयास किया।

☆☆☆

जांगिड समाज के कोहिनूर,
महामण्डलेश्वर 1008 स्वामी भागवता नंद गिरि महाराज

सन्त भगवान शरण बापू

आध्यात्मिकता, धर्म और सामाजिक समरसता की त्रिवेणी और सन्त परम्परा के संवाहक, सहृदयता, सौहार्द और शालीनता की प्रतिमूर्ति, श्री श्री 1008 स्वामी भागवता नंद गिरि जी महाराज का जीवन, एक जाज्वल्यवान सितारे की तरह देदीप्यमान और शोभायमान हैं। उज्जैन में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की पावन धरा पर, महामंडलेश्वर, स्वामी भागवतान्द गिरि ने, आध्यात्मिकता के मार्ग को आत्मसात करते हुए, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन कथा के माध्यम से, लाखों लोगों को रामरस की घुट्टी पिला कर उनकी जिंदगी को राममय बनाने का स्तुत्य प्रयास कर रहे हैं और ऐसे महान सन्त और भगवान श्री राम के अनन्य भक्त और निरजनी अखाड़े के महामण्डलेश्वर स्वामी भागवतानंद महाराज का जीवन, उन युवाओं और साधु-संतों और महात्माओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है, जो आध्यात्मिकता की प्यास बुझाने के लिए तथा मानसिक और आध्यात्मिक संतोष हासिल करने के लिए सतत प्रयास कर रहे हैं।

एक साक्षात्कार में पूज्य महाराज जी ने, बताया कि उनके पूर्वज चार पीढ़ी पहले जिला चूरू, राजस्थान से आकर मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में बस गए थे। महाराज भागवतानंद गिरि का जन्म, अंगिरा ऋषि की कुल परम्परा में, **अंगिराऽसि जंगिड** की भावना से ओत-प्रोत और संस्कारों की दिव्य मूर्ति माता श्रीमती धापू देवी और पिता प्रभुदयाल शर्मा के घर 3 फरवरी सन् 1963 के दिन शरद पूर्णिमा को सीहोर, मध्य प्रदेश में, प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में हुआ। **पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं** और यह उक्ति महाराज के जीवन पर बिल्कुल सटीक बैठती है। माता-पिता द्वारा दिए गए उदात्त और उच्च संस्कारों के कारण ही, इनकी बचपन से ही धर्म में प्रगाढ़ आस्था रही है और **इस रुझान का सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि जिस समय वह पांचवी कक्षा में पढ़ते थे, उस समय रामायण पठन में वह सीहोर जिले में प्रथम स्थान पर रहे थे** और यह सब भगवान श्री राम की असीम अनुकम्पा का ही परिणाम था। हायर सेकेंडरी तक विद्या अध्ययन करने बाद, भगवान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की पुण्य भूमि उज्जैन उसे यहां खींच लाई और भगवान भोलेनाथ की अनुकम्पा से महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, उज्जैन को ही अपनी कर्म भूमि बनाया। क्योंकि भगवान श्री राम और भगवान महादेव एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों एक दूसरे के हृदय में बसते हैं। **एक बार मां लक्ष्मी जी ने भगवान विष्णु से प्रश्न किया था कि उनके हृदय में कौन बसता है। इस पर भगवान श्री विष्णु ने कहा था कि मेरे आधे हृदय में आप बसती हो और आधे हृदय में भगवान शिव निवास करते हैं** और यही कारण है कि मैंने भी इस पावन धरा को अपनी कर्मभूमि बनाया है, जो भगवान महाकालेश्वर की आभा और आलोक के प्रकाश से आभामंडित है।

बाल्यकाल से ही स्वामी जी की, धर्म में अगाध आस्था, विश्वास, सत्य निष्ठा और समर्पण की भावना तथा उसकी प्रधानता को देखते हुए ही, **साधु बनने के भय से उनके दादा खुशीलाल शर्मा ने, उनको विवाह के बंधन में बाँध दिया।** लेकिन कहते हैं कि होता वही है, जो भगवान चाहते हैं **'होई**

महामंडलेश्वर की उपाधि से विभूषित भागवतानंद गिरि महाराज

सोई जो राम रची राखा' के अनुसार उनके दो पुत्र और एक पुत्री का जन्म हुआ। लेकिन उनके हृदय में तो सदैव ही, राम नाम की ज्योति प्रज्ज्वलित रहती थी और भगवान श्री राम, इस अंकिचन प्राणी को, लोक रामकथा व्यास के माध्यम से, संसारिक जीवों को मोक्ष का रास्ता दिखलाने का दायित्व सौंपना चाहते थे'।

स्वामी महाराज ने भगवान श्री राम की दिव्यता और उनकी लीलाओं के बारे में स्पष्ट रूप से अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, **भगवान श्री राम की अमर कथा वह पावन गंगा है, जिसको सुनकर अजामिल, गणिका और सज्जन कसाई भी तैर गए तथा भगवान को झूठे बेर खिलाने वाली शबरी भी भगवान के दर्शन के बाद भवसागर से पार उतर गई । यह रामकथा सभी पापों का विनाश करने वाली है। भगवान शंकर ने भी आदिशक्ति मां पार्वती को भगवान श्री राम की कथा सुनाई थी। उमा, राम कथा में बरणी, कलियुग में सब पाप विनाश करनी।** उसी आस्था और विश्वास तथा भगवान श्री राम के प्रति अगाध आस्था और विश्वास ने ही, उनको भी, भगवान श्री राम की लीलाओं को जनमानस तक पहुंचाने के लिए, रामकथा करने के लिए अभिप्रेरित किया और सन् 1992 में परमपूज्य गुरुदेव से नाम दीक्षा लेकर, भगवान श्री राम की असीम अनुकम्पा से उनकी हृदय स्पर्शी रामकथा करने का श्रीगणेश किया गया था और विगत 35 बरसों से वह निर्बाध गति से भगवान श्री राम जी की कथा के माध्यम से लोगों को अमृत रस पिला कर मानव कल्याण का रास्ता प्रशस्त कर रहे है और वह अब तक देश-विदेश में, 700 से अधिक रामकथाओं के माध्यम से श्रोताओं को रामरस का पान करवा चुके है।

राम कथा सुनने के लाभ होने का उल्लेख करते हुए रामकथा के मर्मज्ञ स्वामी जी ने कहा कि, रामचरितमानस में यह बात अलग-अलग ढंग से समझाई गई है। पार्वती जी द्वारा भगवान शंकर के साथ संवाद कहते हुए यह प्रसंग आया है। **मैं जिमि कथा सुनी भव मोचनि। सो प्रसंग सुनु सुमुखि सुलोचनि।** भगवान शिव कहते हैं कि मैंने जिस प्रकार वह जन्म मृत्यु से छुड़ाने वाली कथा सुनी है, हे! सुमुखी, सुलोचनी वह प्रसंग सुनो। स्वामी जी ने कहा कि **राम कथा के माध्यम से रामभक्तों को मेरा यही संदेश है कि अगर आप अच्छे कर्म करोगे तो, भगवान श्री राम आपकोभी, काकभूसुंडी की तरह अपना लेंगे, तब माया तुम्हारा कुछ भी नहीं बिगाड़ पाएगी।** क्योंकि भगवान श्री राम की अनुकम्पा पाने के लिए काकभूसुंडी ने तो सत्संग किया और भगवान की कथा सुनी और भगवान की कृपा पाने के लिए क्या कर रहे हैं, इसके बारे में गम्भीरता से विचार करना होगा। अन्त में, मैं यही कहना चाहता हूं कि जो **राम रची राखा सोई होई।**

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महन्त रविन्द्र पुरी महाराज ने, महन्त साधु सन्तों की उपस्थिति में महामंडलेश्वर की उपाधि देकर अलंकृत किया और पटाभिषेक किया।

भगवान श्री राम की असीम अनुकम्पा और महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के शुभाषीश के कारण ही, रामकथा के इसी धर्म प्रचार को दृष्टिगत रखते हुए ही **श्री पंचायती निरंजनी अखाड़े के द्वारा** 16 **जुलाई** 2024 **को कथा व्यास भगवान शरण बाबू को, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महन्त रविन्द्र पुरी महाराज ने, महन्त साधु सन्तों की उपस्थिति में महामंडलेश्वर की उपाधि देकर अलंकृत किया और पटाभिषेक किया। निरंजनी अखाड़े ने, एक प्रकार से महर्षि अंगिरा वंशज पर**

यह परोपकार करके न, केवल परमपिता ब्रह्मा के मानस पुत्र महर्षि अंगिरा और अर्थ वेद के रचयिता तथा स्वमं वासुदेव भगवान श्री कृष्ण के गुरु होने के साथ ही विश्वकर्मा समाज पर भी अखाड़े ने बड़ा ही उपकार किया है।

महामण्डलेश्वर भागवतानंद महाराज ने कहा कि महाकाल की नगरी उज्जैन में, **सभी श्रद्धालु भक्तों के द्वारा मिलकर, चिंतामन गणेश मंदिर मार्ग पर एक छोटे से आश्रम का निर्माण किया है। इस आश्रम में वैदिक गुरुकुल का संचालन एव भक्त सेवा भंडारे का संचालन भी किया जा रहा और इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इस आश्रम के परिसर में कलियुग में भगवान श्री कृष्ण के अवतार माने जाने वाले, हारे के सहारे, तीन बाणधारी, भगवान खाटू श्याम बाबा का मंदिर एवं 32 कमरों का निर्माण किया जा रहा है । इसके साथ ही मैं अपनी जीवन संगिनी श्रीमती रामकली देवी, जो वास्तव में भगवान श्री राम की एक सुंदर कली के समान है और जो सर्वगुण सम्पन्न है, जिसने आदि शक्ति मां सीता की तरह ही त्याग, बलिदान और समर्पण के भाव का अनुसरण करते हुए, इस अंकिचन प्राणी का, जिस प्रकार से सीता माता ने, भगवान श्री राम का, कदम-कदम पर साथ दिया, उसी प्रकार इस भगवान के दास का साथ दिया है और मैं उसके त्याग और समर्पण की उदात्त भावना को सलाम करता हूं,** जिनके धैर्य और संयम के कारण ही यह दुर्लभ उपलब्धि जीवन में हासिल हुई है ।

सन्यासी होने के बाद भी, परम पूज्य, महामण्डलेश्वर भागवता नंद महाराज, सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेकर भी, समय-समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते रहते हैं **उन्होंने 7 सितम्बर 2023 में जयपुर में हुए ऐतिहासिक विश्वकर्मा महाकुंभ में भाग लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और 22 जून को 2025 को इन्दौर में हुई, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की त्रैमासिक बैठक, प्रदेश सभा और महिला प्रकोष्ठ के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर भी इसकी शोभा को द्विगुणित किया और अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा था कि यद्यपि मैं सन्त और संन्यासी हूं और एक सन्त किसी भी जाति का नहीं होता है** और यह कहा भी गया है कि-

जाति ना पूछे--सन्त की, पूछ लीजो ज्ञान मोल करो तलवार का पड़ी रहने दो म्यान, लेकिन मैं समझता हूं कि **मैं, जिस ब्रह्म ऋषि अंगिरा कुल में पैदा हुआ हूं और जिसने मुझे इतना बड़ा किया और बेहतरीन संस्कार दिए हैं, उसके प्रति मेरा भी कुछ सामाजिक दायित्व बनता है और इसी भावना से ओत-प्रोत होने के कारण ही मैं समाज के समारोह में यथासंभव उपस्थति दर्ज करवाने का हर सम्भव प्रयास करता हूं।**

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक मधु शर्मा, महामंत्री सांवरमल जांगिड, सम्पादक राम भगत शर्मा तथा मध्य प्रदेश सभा के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला, पटेल नगर जांगिड समाज विश्वकर्मा मंदिर के अध्यक्ष रतन लाल लाडवा और विश्वकर्मा मंदिर तोपखाना के अध्यक्ष अशोक रोडवाल ने भी 16 **जुलाई को, महाराज द्वारा, महामण्डलेश्वर की उपाधि से विभूषित हुए एक वर्ष पूरा होने पर प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर बधाई देते हुए कहा है कि महाराज की भगवान श्री राम के प्रति अटूट निष्ठा, समर्पण और सत्य निष्ठा तथा अगाध विश्वास के कारण ही, वह समाज के सभी वर्गों के लोगों को, रामकथा रुपी अमृत का वर्षों से रसपान करवा रहे हैं** और महामंडलेश्वर की उपाधि हासिल होने से उन्होंने समाज का गौरव बढ़ाया है। भगवान श्री राम और भगवान महाकालेश्वर और भगवान शिव की अनुकम्पा उन पर सदैव ही इसी प्रकार से बनी रहे। उनकी दीर्घायु की मंगल कामना।

उल्लेखनीय है कि **सन्त भगवान शरण बापू और अब महामंडलेश्वर की उपाधि से विभूषित भागवतानंद गिरि महाराज अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा से पिछले लगभग** 18 **साल से जुड़े हुए हैं और उनकी सदस्यता संख्या 5401 है, जो उनकी समाज के प्रति निष्ठा की द्योतक है।** विपुल धन्यवाद। **सम्पादक, राम भगत शर्मा।**

☆☆☆

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुण्डका भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

दिल्ली प्रदेश सभा के महामंत्री ब्रह्मानंद शर्मा

आज हमारे राष्ट्र के लिए गौरव का एक ऐतिहासिक दिन है। आज सारे देश में 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है और इस स्वतंत्रता को हासिल करने के लिए देश के अनेक वीरों, देशभक्ति और समाज के सभी वर्गो के लोगों ने मिलकर जो कुर्बानियां दी हैं और उन पर हुए अत्याचारों को सुनकर, आज भी हमारा हृदय सिहर जाता है। मैं ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानियों और कर्तव्य परायणता और देश प्रेम की भावना से ओत-प्रोत सभी देशभक्तों को इस पुनीत अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।।

यह उदगार दिल्ली प्रदेश सभा के अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा ने, महासभा भवन मुंडका दिल्ली में, ध्वजारोहण करने के उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्ति किए। इस अवसर पर राष्ट्रगान गाया गया और सभी ने राष्ट्रीय ध्वज को सलूट किया और वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और भारत माता और वंदे मातरम के नारों से सारा परिसर गूंज उठा।

धर्मपाल शर्मा ने कहा कि हम सब आज जिस खुली हवा में आजादी की सांस ले रहे हैं, वह देश के उन असंख्य वीरों, स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र भक्तों और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, पंडित जवाहरलाल नेहरू सरदार भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे अनेक नेताओं और क्रांतिकारियों के त्याग और संघर्ष के कारण ही, देश ने आजादी का नया सवेरा देखा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि एक नए भारत के निर्माण का एक संकल्प है और हम सभी को मिलकर इस संकल्प को पूरा करने के तथा देश को सन 2047 तक एक विकसित भारत बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ना चाहिए ताकि दोबारा देश दोबारा सोने की चिड़िया बन सके। मैं इस अवसर पर सभी जाने-अनजाने वीर शहीदों और देशभक्तों के बलिदान को नतमस्तक होकर सलाम करता हूं।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने भावुक होते हुए कहा कि मैं कुछ समय से अस्वस्थ था और मेरी अनुपस्थिति में प्रदेश सभा की सभी इकाइयों ने जिस सत्य निष्ठा और ईमानदारी से अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है उसके लिए, मैं आप सभी का हृदय से आभारी हूं और यह आप सब लोगों की दुआओं का ही असर है कि मैं, आज स्वस्थ होकर आप लोगो के सम्मुख खड़ा हूं। मैं पुनः आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देता हूं।

श्री प्राचीन विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज नई दिल्ली के प्रधान और महासभा की कोर कमेटी के सदस्य गंगादीन जांगिड ने, देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देने के साथ ही, देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदों को चूमने वाले उन वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि आज का यह दिन हमें अपने कर्तव्य बोध की याद दिलाता है कि, हमें देश की आन बान और शान को बनाए रखने के लिए कोई भी कुर्बानी देने के लिए सदैव ही तत्पर रहना चाहिए और देश की प्रभुसत्ता, एकता और अखंडता को बनाए रखते हुए मिल कर कार्य करें ताकि देश आने वाले समय में विश्व में तीसरे नंबर की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन सके। मैं आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की पुनः बधाई देता हूं।

दिल्ली प्रदेश सभा के महामंत्री ब्रह्मानंद शर्मा ने, स्वतंत्रता दिवस के बारे में अपने उद्बोधन में कहा कि आजादी का दूसरा अमृत महोत्सव मनाते हुए, हमने हर घर तिरंगा यात्रा निकाल कर देश के लोगों और विशेषकर युवाओं को बताया कि यह राष्ट्रीय तिरंगा केवल एक कपड़े का टूकड़ा नहीं है, अपितु इसके साथ देश के करोड़ों लोगों की भावनाएं भी जुड़ी हुई हैं। आइए, हम सब अपने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए संकल्पित होकर कार्य करें और इसके साथ ही, मैं देश के अदम्य साहस के प्रतीक वीर शहीदों को भी नमन करता हूं।

महासभा के कोर कमेटी के सदस्य ओमप्रकाश शर्मा ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, हमें यह आजादी इतनी आसानी से नहीं मिली है और इसको हासिल करने के लिए ही, हमारे देश के अमर शहीदों और देश भक्तों और स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए अनेक बलिदान दिए, जिसके परिणामस्वरूप ही हमें यह आजादी का नया प्रभात देखने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस कोई उपहार नहीं अपितु यह एक बलिदानों की विरासत है। आओ, हम सभी मिलकर संकल्प लें कि देश को सन् 2047 तक एक शक्तिशाली, विकासशील और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करेंगे ताकि यह देश पुनः सोने की चिडिया बन कर, वहीं प्राचीन गौरव हासिल कर सके ।

इस अवसर पर महासभा के प्रधान, विनम्रता और सदाशयता की प्रतिमूर्ति और समाज सेवा की अद्वितीय मिसाल, जन-जन के लोकप्रिय, हंसमुख स्वभाव के धनी और हर दिल के अजीज, रामपाल शर्मा का जन्मदिवस भी बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। रामपाल शर्मा की सेवाओं और समाज के प्रति समर्पण के कारण ही पुनः निर्विरोध प्रधान चुना गया है। सभी उपस्थित महानुभावों ने प्रधान के यश, कीर्ति, सुख-शांति, और समृद्धि की मंगल कामना करते हुए, आशा व्यक्त की है कि उनके कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में, जांगिड समाज नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा।

इस समारोह की शोभा बढ़ाने वालों में, महासभा के उच्च स्तरीय समिति के सदस्य राजेन्द्र जांगिड, हंसराज जांगिड, सह कोषाध्यक्ष रामकिशन जांगिड, प्रदेशसभा दिल्ली के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खंडेलवाल, प्रदेश सभा दिल्ली के जिला अध्यक्ष रामानंद जांगिड, गुलजारी लाल जांगिड, महावीर जांगिड, हरद्वारी लाल जांगिड, श्यामसुंदर धामु, दिल्ली महासभा के कार्यालय में कार्यरत कर्मचारी, जिनमें, चन्दन प्रकाश, दीपक जांगिड सुशीन जांगिड और प्रदेश सभा दिल्ली के शाखा सभा अध्यक्ष, प्रदेश सभा दिल्ली के कोने-कोने से आए लोग शामिल हैं। ☆☆☆

जय भगवान श्री विश्वकर्मा जी

जय महर्षि अंगिरा जी

ब्रह्मऋषि अंगिरा की जयंती 28 अगस्त को हर्षोल्लास पूर्वक तरीके से मनाने की अपील ।

सभी प्रदेश, जिला, तहसील एवं शाखा अध्यक्ष ।

परमपिता परमात्मा ब्रह्माजी से उत्पन्न मानस पुत्र, सप्त ऋषियों में शामिल, अथर्ववेद के रचयिता तथा सूर्य देव से भी अधिक तेजमान, देव गुरु बृहस्पति के पिता और अनेक प्रकार की श्रेष्ठ विधाओं में पारंगत और परिपूर्ण, ऐसे श्रेष्ठतम पिता का महिमा मंडन करना, मानवमात्र के सामर्थ्य से बाहर है। ऐसे सर्व श्रेष्ठ, कुल गुरु महर्षि अंगिरा का जन्मोत्सव 28 अगस्त को ऋषि अंगिरा पंचमी के रूप में सारे देश में मनाया जाएगा।

महासभा द्वारा भी, विगत वर्षो की तरह ही, इस वर्ष भी महर्षि अंगिरा का जन्मोत्सव, बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास पूर्वक तरीके से बनाने का निर्णय लिया गया है और महासभा रुपी परिवार के सभी सदस्यों का भी यह दायित्व बनता है कि हम इस हवन में अपनी आहुति डाल कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और श्रद्धा पूर्वक तरीके से शाखा सभा से लेकर महासभा स्तर तक इस दिन अंगिरा ऋषि पंचमी मनाएं और उनके प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करें।

अतः मेरा महासभा रूपी परिवार के सभी सदस्यों के साथ-साथ सभी प्रदेश अध्यक्षों, जिला सभाओं, तहसील और शाखा सभाओं के अध्यक्षों से विनम्र अनुरोध है कि आप अपने-अपने क्षेत्र में, हमारे कुलगुरु ब्रह्म ऋषि अंगिरा जी का अंगिरा जन्मोत्सव 28 अगस्त को ऋषि पंचमी के अवसर पर बड़े ही धूमधाम और उत्साह पूर्वक तरीके से मनाएं और इस कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट, महासभा को भेजने की अनुकंपा करें। आपका विपुल धन्यवाद ।

आपका शुभेच्छु प्रधान,
रामपाल शर्मा,
अ.भा.जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली

“भूल सुधार”

बन्धुओं,

महासभा की जांगिड ब्राह्मण पत्रिका माह जुलाई 2025 के पृष्ठ संख्या 34 एवं 35 पर जयपुर जिला सभा द्वारा दिनांक 29 जून 2025 को जिला सभा के लिए भूमि खरीदने में सहयोग देने वाले भामाशाहों का सम्मान समारोह का जो समाचार प्रकाशित किया गया था वह टाईटल के अनुसार प्रिन्ट नही होने के कारण उसमें मुख्य भामाशाहों के नाम भी प्रिन्ट होने से छूट गये थे । जिसके लिए महासभा प्रिंटिंग में हुई गलती एवं आपको हुई असुविधा के लिए खेद प्रकट करती है। तथा जयपुर जिला सभा के लिए भूमि खरीद में सहयोग देने वाले मुख्य भामाशाहों के नाम निम्न प्रकार से है ।

1. श्री रामसहाय जी, श्री लालचन्द जी, रामस्वरूप जी, बगवाड़ा वाले 351000/-
2. श्री कैलाश जी लोईवाल बगरू 251000/-
3. श्री पुरुषोत्तम जी, श्री रमेश चन्द जी, श्री बाबूलाल जी, श्री मोहनलाल जी लावंडीवाल कपूरावाला 251000/-
4. श्रीमती प्रभाती देवी कपूरावाला 251000/-
5. श्री रामेश्वर लाल जी, श्री मूलचंद जी, श्री दिनेश जी, श्री गणेश जी लावंडीवाल कपूरावाला, 251000/-
6. श्री गौरीशंकर जी, श्री सत्य नारायण जी, श्री सुभाष जी, श्री राजू जी काला सिरसलीवाले 251000/-
7. श्री गिरधारीलाल जी बारू 2,00,000/-
8. श्री प्रभूदयाल जी राजोतिया लबाना वाले 1,11,000/-
9. श्री सुरेंद्र कुमार जी, श्री गोविन्दनारायण जी 1,01,000/-

सादर धन्यवाद ।

सांसद रामचन्द्र जांगड़ा द्वारा राज्य सभा में युग पुरुष महान संत स्वामी कल्याण देव को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग।

राज्य सभा सांसद, राम चन्द्र जांगड़ा।

संत महात्मा समाज की एक ऐसी विभूति होते हैं जो अपने उदात्त संस्कारों से परिपूर्ण होने के कारण पूजनीय हैं। सन्त एक ऐसा व्यक्ति होता है, जो धार्मिकता पवित्रता और आध्यात्मिक ज्ञान में उच्च स्तर पर पहुंचा हो तथा वह सांसारिक मोह माया से परे, सत्य और प्रेम के मार्ग पर चलता है। संत को अक्सर सत्य निश्चित त्यागी, ज्ञानी और भक्त के रूप में वर्णित किया जाता है जांगिड समाज ने इस देश को अनेक महान संत दिए हैं, जिनके कल्याणकारी कार्यो से समस्त मानव जाति के उत्थान और देश की उन्नति में बहुत अधिक योगदान रहा है। जांगिड समाज में जन्मे, परम सन्त, स्वामी कल्याण देव जी महाराज को तीन शदी का सन्त भी कहा जाता है, जिन्होंने अपने दीर्घकालीन जीवन के दौरान, इस देश के लिए सैकड़ो की संख्या में स्कूल, कॉलेज और अस्पताल बनवाने के साथ ही शिक्षा के उत्थान के लिए भी सार्थक अभिनव कार्य किए हैं।

सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने, स्वामी युग पुरुष और परम सन्त स्वामी कल्याण देव महाराज की उपलब्धियों को राज्य सभा में संसद के पटल पर रखते हुए और उनके अविस्मरणीय योगदान को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार से मांग की है कि स्वामी महाराज की देश के प्रति शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में की गई अभूतपूर्व और उल्लेखनीय सेवाओं को देखते हुए ही उनको देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न प्रदान किया जाए। सांसद ने कहा कि मैं आज राज्य सभा के उपसभापति के माध्यम से बहुत ही महत्वपूर्ण और समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों को सर्वोपरि समझते हुए, यह विषय सदन के सामने रख रहा हूं। मान्यवर आज पूरा भारत ब्रह्मलीन स्वामी कल्याण देव जी के त्याग और तपस्या तथा देश के प्रति उनके समर्पण भाव से परिचित है ।

सांसद ने कहा कि वह एक ऐसी महान विभूति थे, जिन्होंने शिक्षा व भारतीय संस्कृति के समग्र विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य किया और अपने जीवन के 128 वर्षों के समाज में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में अद्‌भुत, अकल्पनीय और अविश्वसनीय कार्य किया। मान्यवर इस तीन शताब्दी के महान संत का जन्म उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव में 26 जून 1876 को एक जांगिड परिवार में हुआ और उनके पूर्वज स्थल बोहर हरियाणा से उतर प्रदेश की इस छोटे से गांव में आकर बसे थे। स्वामी कल्याण देव ने 128 साल की आयु में 14 जुलाई 2004 को भागवत की जन्मस्थली शुक्रताल में अपना पंच तत्वों से बने भौतिक शरीर का त्याग किया था।

स्वामी कल्याण देव ने 14 साल की अल्पायु में ही घर त्याग दिया और 17 साल की उम्र में 1893 में उनकी मुलाकात खेतड़ी, राजस्थान के रहने वाले महाराज स्वामी विवेकानंद से हुई थी । **स्वामी विवेकानंद ने उनको कहा था कि युवक, भगवान किसी मठ मंदिर में, नहीं अपितु गरीब की झोपड़ी में बसता है और स्वामी जी ने कहा था कि गरीबों की सेवा को अपना लक्ष्य बना था, तुम्हें भगवान की प्राप्ति हो जाएगी और स्वामी कल्याण देव ने उसी दिन से गरीबों की सेवा करने का संकल्प लें लिया था और उसने अपने संकल्प को पूरा भी किया। क्योंकि उन्होंने स्वामी विवेकानंद के शब्दों को गुरु मंत्र मानकर पालन किया और उन्होंने स्वामी संपूर्णानंद जी से ही संन्यास की दीक्षा ली।**

स्वामी कल्याण देव को गरीबों को शिक्षित करने के लिए अपने जीवन के 100 वर्ष उनको समर्पित कर दिए। उन्होंने अपने सार्थक प्रयासों के माध्यम से पश्चिम उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में, कन्या महाविद्यालय आयुर्वैदिक कॉलेज, पॉलटेक्निक कॉलेज, गुरुकुल डिग्री कॉलेज और इंटर कॉलेज के रूप में लगभग 300 शिक्षण संस्थानों का निर्माण करवाया तथा इसके अतिरिक्त दर्जनों तीर्थ स्थलों का जीर्णोद्धार भी करवाया। भागवत पुराण की जन्म स्थली शुक्रताल का मुख्य रूप से उल्लेख किया जा सकता है। इस महान सन्त के अविस्मरणीय योगदान को ध्यान में रखते हुए ही भारत सरकार ने वर्ष 1982 में पद्मश्री तथा सन् 2000 में पद्म विभूषण देकर अलंकृत किया । मान्यवर, **चौधरी चरण सिंह, जिस समय उत्तर प्रदेश के पहली बार मुख्यमंत्री बने तो, उन्होंने कहा था कि जनहित के जितने कार्य वीतराग स्वामी कल्याण देव जी ने किए है, उतने कार्य उनकी सरकार भी नहीं कर सकती ।**

सांसद ने कहा कि मैं सदन को, उनके कार्य को जानकारी दे रहा हूं कि **स्वामी कल्याण देव ने कभी किसी संस्था में कोई पद नहीं लिया, किसी संस्था का पानी तक नहीं पीते थे और पांच घरों से भिक्षा मांगकर वहां की रोटी खाते थे** सांसद रामचन्द्र जांगड़ा ने भारत सरकार से इस वीतराग विभूति को **भारत रत्न** देने की मांग करते हुए कहा कि भारत सरकार से मेरी मांग है कि आपके माध्यम से वीतराग ब्रह्मलीन स्वामी कल्याण देव जी को भारत का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न देकर अलंकृत किया जाए, इस महान पुरस्कार के माध्यम से देश के करोड़ों लोगों को, जन सेवा की प्रेरणा मिलेगी और यह महान उस महान संत के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने मानवता के कल्याण के लिए अपना सारा जीवन समर्पित कर दिया। विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

जन्माष्टमी के पावन दिवस पर समाज शिरोमणि गुरुदेव जयकृष्ण मणीठिया का जन्म हुआ।

जांगिड समाज ने अनेक समाज सुधारकों और साधु सन्तों और महात्माओं को जन्म दिया है, जिन्होंने अपने परोपकार और समाज सुधार के कार्यों में अपनी अमिट छाप छोड़ी और समाज को एक नया आयाम प्रदान किया। ऐसी ही एक महान विभूति और समाज के देदीप्यमान सितारे, गुरुदेव जयकृष्ण मणीठिया हुए हैं, जिन्होंने अपने कार्यों की अमिट छाप छोड़ी और समाज को एक नई दिशा प्रदान की। उनका जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी को बांकनेर दिल्ली में हुआ और इस अंगिरा कुलभूषण का जन्म, जन्माष्टमी के दिन होने के कारण ही वह जय कृष्ण कहलाए। गुरुदेव की शिक्षा- दीक्षा भी दिल्ली में ही हुई। प्रतिभा संपन्न व्यक्तित्व के धनी और विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति गुरुदेव मणीठिया, जांगिड ब्राह्मण समाज के रत्न और प्रख्यात महामना थे। उनमें समाज सेवा की उत्कट भावना कूट-कूट कर भरी हुई थी और जिस समय रेलवे विभाग में स्टोर कीपर और फिर डाक विभाग में सरकारी नौकरी, उनकी समाज सेवा में बाधक बनने लगी तो उन्होंने त्यागपत्र देकर, अपने जीवन यापन के लिए प्राइवेट फोटोग्राफी का प्रतिष्ठान सुस्थापित किया। लेकिन गुरुदेव ने, अपनी अंतर्आत्मा की आवाज पर, समाजहित में स्थापित फोटोग्राफी प्रतिष्ठान को भी बंद कर दिया और पूर्णतया साहित्य रचना धर्मी हो गए। यही से उनके संघर्षो की यात्रा शुरू हुई और फिर भगवान विश्वकर्मा से सम्बंधित, साहित्य सृजन में अपना सर्वस्व समर्पण कर दिया। उनकी प्रसिद्ध साहित्यिक रचनाओं में, विश्वकर्मा कथा, ढोल की पोल, भीमसेन शर्मा से दो बातें आदि पुस्तकों के अलावा जांगिड ब्राह्मण समाज पर प्रश्न चिह्न लगाने वाले लोगों से शास्त्रार्थ करने के साथ ही न्यायालय में, न्यायिक लड़ाई लड़ते हुए विजयश्री हासिल की और इस बारे में भी साहित्य प्रकाशित करके समाज के लोगों को जागृत किया। उनकी विलक्षण तार्किक प्रतिभा के आगे समाज विरोधी भी उनके समक्ष नतमस्तक हो जाते थे।

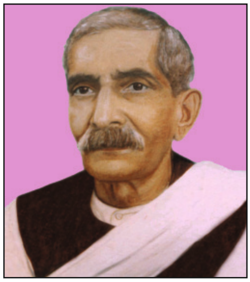

शिरोमणि गुरुदेव जयकृष्ण मणीठिया

महासभा को गुरु जयकृष्ण मणीठिया के समय में, कई न्यायिक लड़ाई लड़नी पड़ रही थी, अत: न्यायालय में तर्क वितर्क और जिरह करते-करते आपको कानूनी भाषा का भी ज्ञान हो गया था। ज्योतिष विद्या में भी आप पारंगत थे। ज्योतिष पाठशाला के भी 2 भाग आपने लिखें हैं। समाजपयोगी साहित्य जांगिड समाज के 18 गोत्राकर ऋषि जांगिड गोत्रावली, शिल्प ज्ञान आदि अनेक तकनीकी ज्ञान की पुस्तक भी आपने लिखकर प्रकाशित करवाई। जांगिड जाति के उत्थान के लिए, गुरुदेव ने लगभग 39 वर्षो तक अथक परिश्रम किया। उनका यह सफर 1909 में पटिकरा महेन्द्रगढ हरियाणा से शुरू हुआ और इस महासम्मेलन में वह महासभा के पहली बार मंत्री बने और उसके पश्चात सन् 1947 तक, निर्बाध रूप से संपूर्ण जिम्मेदारी और सत्यनिष्ठा पूर्वक कार्य किया। इस दौरान महासभा की शाखाओं का विस्तार संगठन का प्रसार, जातीय श्रेष्ठता की लड़ाई, अधिवेशनों का आयोजन, समाज के प्रतिष्ठानों का निर्माण आदि कार्य प्रमुखता से किया। गुरुदेव के प्रयास से ही 4 अप्रैल 1919 को, महासभा का रजिस्ट्रेशन हुआ और सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि आपके कार्यकाल के दौरान, महासभा के कुल 29 अधिवेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुए और वास्तव में यह अवधि ही जांगिड समाज के संघर्ष उत्थान व सफलता की वास्तविक कहानी है।

गुरुदेव जयकृष्ण मणीठिया ने जीवन पर्यन्त समाज सेवा की भावना से ओत-प्रोत हो कर निस्वार्थ भाव से कार्य किया। सन् 1921 में गुरुदेव जयकृष्ण मणीठिया के, नेतृत्व में एक 11 सदस्य प्रतिनिधि मंडल ने, लाहौर में जनगणना कमिश्नर से मिलकर, जनगणना में जांगिड ब्राह्मण शब्द लिखे जाने का आदेश पारित करवाया और सन् 1931 व सन् 1941 में भी यही क्रम पुन: दोहराया गया । इसके अतिरिक्त जांगिड ब्राह्मण समाज में फैली कुरितियों के खिलाफ भी उन्होंने लोगों को जागृत किया। सन् 1926 में जिस समय मारवाड़ी ब्राह्मणों ने, जांगिड समाज के लोगों को शूद्र कहा तथा कुओं से पानी लेना तक बंद करवा दिया था और इतना ही नहीं, गांव में भी शूद्र कहकर इस समाज के लोगों पर कई अमानविक अत्याचार भी किए गए और जांगड़ा शब्द का भी हर तरह से बहिष्कार किया गया । इस समस्या के समाधान के लिए गुरुदेव जयकृष्ण मणीठिया ने कानूनी लड़ाई प्रारंभ की और उस समय वह अपने कुछ साथियों के साथ काशी गए और तथाकथित सनातन धर्म परिषद, जिसने हमें ब्राह्मण नहीं शूद्र कहा था, को शास्त्रार्थ का खुला चैलेंज दिया और उस समय अजमेर जांगिड सभा ने, चैलेंज के बड़े-बड़े पोस्टर और 11000 के पुरस्कार सहित काशी की गलियों में लगवाए और अफसोस तो इस बात का है विरोध करने वाले लोग सामने तक नहीं आए और अंत में, कानूनी कार्यवाही के चलते उस धर्म परिषद ने, अदालत में माफीनामा प्रस्तुत करके क्षमा याचना की और जांगिड समाज के गौरव की रक्षा की गई। आज इस समाज के लोगों में, जो गौरव सम्मान और महानता का अनुभव अधिकृत रूप से हो रहा है, उसका सारा श्रेय, उस समय के उन महापुरुषों के परिश्रम का ही प्रसाद है। इसी प्रकार से सैनिक के रूप में भर्ती होने के लिए भी जांगिड समाज की ज्ञाति को भी उसकी योग्यता सूची में गुरूदेव ने अपने अथक प्रयासों से शामिल करवाया। इसी प्रकार शेखावाटी क्षेत्र में जांगिड समाज की महिलाओं को नथ पहनने का अधिकार नहीं था, क्योंकि यह अधिकार सिर्फ ब्राह्मण स्त्रियों का ही प्राप्त था, उस समय गुरदेव जयेंष्ण मणीठिया ने सन् 1942 में फतेहपुर शेखावाटी में चौधरी से बातचीत कर यह अधिकार दिलवाया और फतेहपुर में महासभा का 26 वां अधिवेशन भी संपन्न करवाया। इस प्रकार से गुरुदेव जयकृष्ण मणीठिया का संपूर्ण जीवन समाज के लिए समर्पित था और उन्होंने समाज को अपना सर्वस्व समर्पण करते हुए सन् 1947 में महासभा के 29वें अधिवेशन में उनके मन की पीड़ा और टीस को इन शब्दों में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैंने अपने जीवन में, बहुत आरोह-अवरोह देखे हैं, अपने सिर पर सामान की गठरी रखकर पैदल यात्रा की और समाज और दूसरे लोगों से बहुत खरी खोटी सुनी, महासभा ने 40 वर्षों में सारी शक्ति राजपुताना में लगाई, अब कमर कसकर सुधार कार्य में जुट जाओ। गुरुदेव जयकृष्ण मणीठिया के यह शब्द आज भी हमें प्रेरित कर रहे हैं और ऐसे महापुरुष युगों के बाद पैदा होते हैं ।

महासभा की महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक, मधु शर्मा, इन्दौर

सूरत में बनाई गई सन्तोष-राधेश्याम जांगिड चैरिटेबल ट्रस्ट गरीब छात्रों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है।

भगवान जीवन में जिसके हृदय में दान करने की भावना को प्रज्ज्वलित करता है, उसके मन को सन्तोष तभी मिलता है, जिस समय वह किसी की वेदना को कम करने का श्रोत बन जाता है और यह कहा भी गया है कि दुनिया में दान जैसी कोई संपत्ति नहीं है और लालच जैसा कोई रोग नहीं है और अच्छे स्वभाव जैसा कोई आभूषण नहीं है और संतोष जैसा कोई परम सुख नहीं है और इसी मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए ही सूरत के रहने वाले प्रमोद जांगिड और उसके परिवार के सदस्यों प्रमोद शर्मा, राकेश शर्मा और दिनेश शर्मा और बहन रेखा शर्मा ने मिलकर मार्च 2024 में **राधेश्याम चैरिटेबल ट्रस्ट का गठन अपनी मां श्रीमती सन्तोष जांगिड के नाम पर किया है और इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य समाज के गरीब और प्रभावशाली छात्र छात्राओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए सहायता करना, गरीब डॉक्टर और इंजीनियर छात्र छात्राओं की सहायता करना शामिल है।**

प्रमोद जांगिड ने बताया कि यह ट्रस्ट हम तीनों भाईयों और बहन ने मिलकर बनाया है और इसका एक ही मूल उद्देश्य है कि वास्तव में समाज अब तक यह संस्था ट्रस्ट के द्वारा पिछले 6 महीनों में 4 लाख 365 रुपए का भुगतान समाज के जरूरतमंदों की सहायता के लिए किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस ट्रस्ट के बनने के बाद सबसे पहली एमबीबीएस फीस के रूप में महेन्द्र जांगिड को 27,000 रुपए का भुगतान किया गया था और पिछले महीने जुलाई 2025 में भी इस ट्रस्ट के द्वारा तीन जरूरत मंदों को फीस की कुल राशि के रूप में एक लाख 8 हजार रुपए का भुगतान किया गया था। इस प्रकार से पिछले 6 महीनों में औसतन 65 हजार रुपए की सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने बड़े ही विनम्रता पूर्वक कहा कि जिन भी जरुरतमंद महानुभावों की सहायता की गई है, उनका उद्देश्य समाज से वाहवाही लूटना नहीं है, अपितु मैं परमपिता परमात्मा की असीम अनुकम्पा के लिए आभार व्यक्त करता हूं कि उसने इस परिवार को मानवता की सेवा और परोपकार करने का सौभाग्य प्रदान किया है।

प्रमोद जांगिड ने स्पष्ट रूप से कहा कि दान देने से हमको सुख, सन्तोष और शांति मिलती है और इसी समाज सेवा के उद्देश्य से एक ट्रस्ट का गठन करके, समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों की सहायता करके उनके जीवन को सफल बनाने का स्तुत्य प्रयास किया जा रहा है, ताकि वह इस ट्रस्ट की आर्थिक मदद पाकर, जीवन में आशातीत सफलता हासिल कर सकें। वह सन् 1974 के उस समय को याद करके भावुक हो उठे और कहा कि काम की तलाश में उनके पिता वर्ष 1974 में सीकर जिला राजस्थान से, सूरत शहर में खाली हाथ आए थे, लेकिन परमात्मा पर भरोसा किया और नेक नियत और ईमानदारी से काम करते हुए, जीवन में संघर्ष किया और उसका फल भी भगवान द्वारा दिया गया और मुझे अपने पिता के अथक परिश्रम और पुरुषार्थ पर भरोसा है कि आज परमात्मा की अनुकम्पा और माता-पिता के आशीर्वाद से समाज सेवा करने का यह छोटा सा सौभाग्य इस परिवार को ट्रस्ट के माध्यम से मिल रहा है।

प्रमोद कुमार शर्मा ने कहा कि समाज सेवा के संस्कार उनको बचपन से ही अपने माता-पिता से ही मिलें हैं। उन्होंने भावुक होते हुए भी कि सबसे पहले राजस्थान से एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले दो अभिभावकों की सहायता के लिए, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कैलाश शर्मा और महामंत्री मानाराम सुथार की तरफ से अनुरोध पत्र हासिल हुआ था और दोनों डाक्टरों को ट्रस्ट की तरफ से यथासंभव आर्थिक मदद देने की मांग की थी, ताकि वह अपनी डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी कर सकें। नाम न छापने की शर्त पर प्रमोद शर्मा ने बताया कि उनमें से एक डॉक्टर एमबीबीएस कक्षा के, राजकीय मैडीकल कालेज अजमेर में, पहले वर्ष का छात्र है और दूसरा एमबीबीएस का छात्र, देवीदयाल उपाध्याय सरकारी मैडीकल कालेज चुरू में तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा है।

इन दोनों परिवारों की आर्थिक स्थिति बड़ी ही दयनीय है और ऐसे विकट समय में उनके लिए **सन्तोष राधेश्याम जांगिड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा उन दोनों को कुल 1 लाख 12 हजार 285 रुपए की सहायता उपलब्ध करवाई गई है।** इसमें दीनदयाल उपाध्याय सरकारी मैडीकल कॉलेज चूरू के तृतीय वर्ष के छात्र की एक वर्ष की पूरी फीस 85265 रुपए और सरकारी मैडीकल कालेज अजमेर में पढ़ने वाले, एम बी बी एस के प्रथम वर्ष के छात्र को इस ट्रस्ट की तरफ से 27 हजार रुपए की सहायता प्रदान की गई है। प्रमोद शर्मा ने कहा कि **मेरा तो सिर्फ यही मानना है कि देने वाला परमात्मा, परमेश्वर भगवान है और इसका श्रेय इस ट्रस्ट को मिल रहा है। 'जो कुछ है सो तोर, और तेरा तुझको सोपत क्या लागत है मोर।** हमारा परिवार दानवीर कर्ण जैसा तो दानी नहीं है, लेकिन जो कुछ भी भगवान ने दिया है उसी में से अपनी सामर्थ्य के अनुसार इस ट्रस्ट

के माध्यम से समाज की गरीब और होनहार प्रतिभाओं की मदद करने का एक तुच्छ प्रयास किया जा रहा है और मेरा तो यही मानना है कि देने वाला वह दाता है और श्रेय इस परिवार को मिल रहा है।

प्रमोद शर्मा ने समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों के सपनों को पंख लगाने के लिए समाज के लोगों से पुनः आग्रह किया है कि इस ट्रस्ट के माध्यम से समाज के प्रतिभावान और गरीब छात्र-छात्राओं और उदीयमान खिलाड़ियों, विधवाओं तथा समाज की गरीब लड़कियों की शिक्षा और शादी के लिए ट्रस्ट का लाभ उठाया जा सकता है। **उन्होंने स्पष्ट किया कि यह राशि केवल उनको ही दी जाएगी जो इसके लिए पात्र और योग्य पाए जाएंगे होंगे और इस उद्देश्य के लिए उसके परिवार के द्वारा प्रतिवर्ष 10-15 लाख रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है ताकि ऐसे गरीब और जरूरतमंद लड़कियों की मदद की जा सके।** उन्होंने कहा कि यह वित्तीय सहायता हासिल करने के लिए इस **मोबाइल नंबर 9898541000** पर कभी भी संपर्क किया जा सकता है और **मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आप को कभी भी निराशा हाथ नहीं लगेगी। मैं चाहता हूं कि परमपिता परमात्मा मेरे परिवार की इस दान देने की प्रवृत्ति को सदैव ही इसी प्रकार से बनाए रखें ताकि परमात्मा इस ट्रस्ट के माध्यम से समाज के गरीब बच्चों और लड़कियों की सेवा करने के साथ-साथ और उनके उत्थान और उज्जवल भविष्य की गाथा लिखी जा सके।** इसके साथ ही मै, आप सभी से पुनः अनुरोध करता हूं कि इस ट्रस्ट का लाभ उठाने के लिए आगे आए, ताकि जरूरतमंदों की सहायता करके गरीबों और प्रतिभावान युवाओं का जीवन समुन्नत और प्रगतिशील बन सके।

प्रमोद शर्मा ने बताया कि संतोष राधेश्यामजी जांगिड द्वारा चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत द्वारा अब तक निम्नलिखित प्रतिभाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। 1. महेन्द्र जागिड को एमबीबीएस की फीस 27,000 रुपए, 2. युवराज जंगिड एमबीबीएस की एक वर्ष की फीस 85,265 रुपए, 3 दीपिका जागिड को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में उच्च शिक्षा के लिए एक लाख रुपए, 4. वर्षा जंगिड को बी एस सी नर्सिंग के लिए 20,000 रुपए, 5. रितिका जागिड नागपुर को 12वीं कक्षा के उपरांत कर उच्च शिक्षा के लिए 40,000 रुपए, 6. अंशु जागिड को 2500 रुपए, 7. अक्षरा जागिड 3100 रुपए, 8 मंगिर आरुहि गांधीनगर को 18 जुलाई 2025 को 3000 रुपए, 9. श्रद्धादेवी सतुदेवी सुथार धानेरा बनासकांठा को फीस के लिए 25 जुलाई को 30 हजार रुपए और 10. वर्षा देवी को 3 जुलाई को 20 हजार रुपए की सहयोग राशि प्रदान की गई। 11. इसके अतिरिक्त, जिस 'लोक भारती स्कूल सूरत' में प्रमोद शर्मा ने प्राथमिक शिक्षा ग्रहण की थी, उसका कर्ज उतारने के लिए अपने परिवार के साथ जाकर, उस स्कूल में विकास कार्य करवाने के लिए 8 जुलाई 2025 को 51,000 रुपये की सहयोग राशि प्रदान करके गुरुजनों का आशीर्वाद लिया। 12. सुष्मिता को 22 जुलाई को 3000 रुपए, 13. अंशु जागिड को 29 जुलाई 2025 को 12,500 रुपए 14. अक्षरा जंगिड को 29 जुलाई को 15,500 रुपए की सहायता प्रदान की गई है।

सदाशयता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने भी, प्रमोद शर्मा को इस महापुण्य का कार्य करने के लिए बधाई देते हुए कहा है कि मेरे परिवार ने भी समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों की उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 2 लाख 51 हजार रुपए प्रतिवर्ष आजीवन, महासभा को देने का संकल्प लिया है और मैं समझता हूं कि इस संकल्प के पीछे मेरे गुरुदेव और भगवान की प्रेरणा ही है, जिसने मुझे यह छोटा सा संकल्प देने के लिए मेरे अंतःकरण को अभिप्रेरित किया है। परमात्मा-भगवान, प्रमोद कुमार शर्मा के परिवार की दान देने की इस उदात्त भावना को सदैव ही इसी प्रकार से बलवती बनाए रखें और यह ट्रस्ट, समाज के युवाओं को छात्र-छात्राओं के जीवन में एक सकारात्मक बदलाव की दिशा में भी मूल्यवान सिद्ध होगा। मैं आपके परिवार की समाज सेवा के प्रति समर्पण और सेवा भावना की प्रशंसा करता हूं इससे समाज के आर्थिक रूप से कमजोर युवा और लड़कियों के जीवन में एक नई आशा और आकांक्षा का संचार होगा और आपके द्वारा की गई सब प्रयासों से ने केवल उनके जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आएगा अपितु आपके परिवार के योगदान के लिए अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा भी आपका हृदय से आभार व्यक्त करती है।

गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने भी, प्रदेश सभा की तरफ से एक पत्र भेज कर इस ट्रस्ट द्वारा की जा रही उल्लेखनीय सेवा के लिए प्रमोद शर्मा के परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि इस ट्रस्ट द्वारा दी जा रही मदद संरक्षण और अवसर, विशेष रूप से अनाथ और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आपके समर्पण और संवेदनशीलता के कारण ही यह लड़के-लड़कियां समाज में अपनी जगह बना पाने में सफल होंगे और यह स्तुत्य प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि आपके परिवार का सेवाभाव ट्रस्ट का सेवा भाव, योगदान और समर्पण विशेष रूप से, आर्थिक रूप से कमजोर लड़कियों के जीवन में नई आशा और संजीवनी का काम करेगी और ट्रस्ट के द्वारा किए जाने वाले प्रयास न केवल युवाओं के भविष्य को उज्जवल में सहायक होंगे, अपितु मानवता, संवेदनशीलता और सहनशीलता का संदेश भी देते रहेंगे। आपके परिवार के निःस्वार्थ सेवाभाव की जितनी भी भूरि-भूरि प्रशंसा की जाए वह बहुत कम है। मैं इस ट्रस्ट को प्रदेश सभा की तरफ से बधाई और मुबारकबाद देता हूं और आशा करता हूं कि आपका यह प्रयास भविष्य में भी इसी प्रकार से जारी रहेगा, ताकि समाज के गरीब और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, खेल प्रतिभाओं और विधवाओं का कल सुरक्षित हो सके।

☆☆☆ **गुजरात प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष, प्रमोद शर्मा।**

जांगिड पत्रिका में सामाजिक और ज्ञान वर्धक लेख भेजने के संबंध में

जांगिड ब्राह्मण महासभा की ऐतिहासिक एवं प्रतिष्ठत पत्रिका 117 वर्षो से अधिक समय के समय का इतिहास समाहित किए हुए है। इस पत्रिका के जन्मदाता पंडित डालचंद शर्मा और गुरुदेव जयकृष्ण मणिठिया के सपनों को मूर्त रुप देने का कार्य आज भी यह पत्रिका उसी भावना से ओत-प्रोत होकर कार्य कर रही है। इसकी शुरुआत 15 जनवरी 1908 में पं डालचंद शर्मा ने, अजमेर से जांगिड समाचार के रूप में की और 1932 में इसका नाम बदलकर जांगिड ब्राह्मण पत्रिका कर दिया गया और आज इस पत्रिका की लोकप्रियता निरन्तर अभिवृद्धि हो रही है क्योंकि लोगों को इस पत्रिका से बहुत अधिक अपेक्षाएं है और इन अपेक्षाओं को हम सभी मिलकर ही पूरा कर सकते है।

इस प्रतिष्ठित पत्रिका में, समाज के बुद्धिजीवियों, विद्वानों एवं समाज की मुख्य धारा से जुड़े हुए महानुभावों के लेख और सम्पादकीय तथा प्रधान की कलम के माध्यम से जो भी विचार अभिव्यक्त होते हैं, वह समाज के लिए एक दर्पण का कार्य करते हैं और यही कारण है कि इसकी समाज के लोगों द्वारा पुरजोर मांग की जा रही है और यही कारण है कि समाज के लोगों की भावनाओं को जनसाधारण तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम जांगिड पत्रिका की मांग उत्तरोत्तर निरन्तर बढ़ रही है ।

मुझे उम्मीद है कि भविष्य में भी आपका और हमारा यह अटूट प्यार, प्रतिबद्धता, सहयोग और विश्वास, इसी तरह से सदैव ही बना रहेगा और इसके साथ ही समाज की प्रतिष्ठित जांगिड पत्रिका जो अपने प्रकाशन के 118वें वर्ष में प्रवेश कर गई है और इस लम्बी यात्रा को सुगम बनाने में अनेक समाज के प्रबुद्ध लेखकों, कवियों तथा समाज के बुद्धिजीवियों ने इसको रुचिकर और ग्राह्य बनाने में अपना भरपूर सहयोग दिया है और यही कारण है कि इसकी लोकप्रियता में निरंतर अभिवृद्धि हो रही है और इस अनन्य सहयोग के लिए मैं आप सभी का हृदय के अन्त:करण की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं।

अत: मेरा आप सभी से विनम्र आग्रह और सादर अनुरोध है इस महायज्ञ में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए आप समाज उपयोगी और शिक्षा एवं प्रेरणापरक आलेख और शिक्षाप्रद कहानियां तथा कविताएं तथा समाज की महान विभूतियों के जीवन के बारे में अपने साथ गर्भित लेख भेजकर हमें अनुग्रहित करें ।

इसके साथ ही इस पत्रिका में, वैवाहिक विज्ञापन तथा अपने प्रतिष्ठान के बारे में भी विज्ञापन देकर अनुग्रहित करने की अनुकम्पा करें। आपका भरसक सहयोग ही पत्रिका का उज्ज्वल भविष्य है।

आपका विपुल धन्यवाद।

सम्पादक रामभगत शर्मा।

जांगिड पत्रिका के लिए सहायक सम्पादक की आवश्यकता।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, द्वारा संचालित समाज की प्रतिष्ठित जांगिड पत्रिका, विगत 100 वर्षों से अधिक समय से प्रेरणादायक लेखों और समाज की महान विभूतियों, भामाशाहों और दानदाताओं के बारे में, पाठकों तक सकारात्मक और तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध करवाने का स्तुत्य प्रयास कर रही है और इस प्रयास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ही, जांगिड ब्राह्मण पत्रिका के लिए एक सहायक सम्पादक की तत्काल जरूरत है ताकि इसके आयाम को और अधिक विस्तृत करके इसके सामाजिक महत्त्व को रेखांकित किया जा सके।

महासभा के सम्मानित जांगिड और सुथार समाज के महानुभावों के अथक सहयोग से यह पत्रिका निरन्तर अबाध गति से प्रकाशित हो रही है और इसकी मांग निरन्तर बढ़ रही है। इस प्रतिष्ठित पत्रिका के लिए, सम्पादक के सहयोग के लिए सहायक सम्पादकों की आवश्यकता है। अत: जो भी व्यक्ति समाज सेवा की भावना से अभिप्रेरित होकर पत्रिका में सहायक सम्पादक के रूप में अपनी सेवाएं समर्पित करना चाहता है, उसका प्रधान रामपाल शर्मा की तरफ से हार्दिक स्वागत है। सहायक सम्पादक के लिए गुड़गांव, नोयडा, गाजियाबाद और दिल्ली के आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले, इच्छुक प्रार्थियों को अधिमान दिया जाएगा।

आवश्यक योग्यता, सहायक सम्पादक के लिए आवश्यक योग्यता में स्नातकोत्तर हिंदी की डिग्री होने के साथ-साथ पत्रिकता के क्षेत्र में भी अनुभव होने से सोने पर सुहागा होगा, ताकि पत्रिका के कार्य को सुचारू ढंग से संचालित करने में भरपूर सहयोग और सहायता मिल सके।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने इच्छुक प्रार्थियों से अनुरोध किया है कि, जो भी महानुभाव दिल से, समाज सेवा करने का इच्छुक है, उसको महासभा द्वारा पारिश्रमिक के रूप में घर से आने जाने के लिए किराए के रूप में 6000 रुपए प्रतिमाह ओनरेरियम के रूप में दिए जायेंगे।

अत: इच्छुक प्रार्थी अपना बायोडाटा पूर्ण विवरण सहित महासभा की ईमेल आईडी-jangid.mahasabha@gmail.com या महासभा कार्यालय के मोबइल नम्बर 9990070023 पर व्हाट्सएप के माध्यम से या महासभा कार्यालय मुंडका भवन में दिनांक 15 सितम्बर 2025 से पहले भेजने की अनुकम्पा करें।

महासभा प्रधान रामपाल शर्मा।

भारती जांगिड खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बनीं।

डॉ. राजेन्द्र जांगिड, चांग, जिला भिवानी

भारती जांगिड ने हरियाणा सिविल सर्विस की परीक्षा पास की है और उनका चयन हरियाणा के पंचायत विभाग में खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी के रुप में हुआ है और अब 15 जुलाई को भारती जांगिड अपनी पहली ड्यूटी, झज्जर में जिला खण्ड एवं विकास अधिकारी के पद पर ज्वाइन कर ली है। उनको नियुक्ति पत्र हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण पंवार द्वारा 15 जून को भी चण्डीगढ़ में प्रदान किया गया था और दो महीने की ट्रेनिंग के बाद अब पहली नौकरी ज्वाइन कर ली है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंचायत और विकास मंत्री कृष्ण पंवार, भारती जांगिड़ को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए।

आज के इस प्रतिस्पर्धा के आधुनिक युग में एक बात निश्चित रूप से सत्य है कि जो युवा जीवन में समर्पण और समर्पित भाव से परिश्रम और पुरुषार्थ करता है, उसकी सहायता भगवान अवश्य ही करते हैं और सफलता भी ऐसे सौभाग्यशाली युवाओं का वरण अवश्य ही करती है। इस मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही, भिवानी जिले की रहने वाली भारती जांगिड ने हाल ही में घोषित, हरियाणा सिविल सर्विस परीक्षा के परिणाम के तहत खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी के पद पर, पंचायत विभाग हरियाणा में नियुक्ति पाकर न केवल माता पिता को अपितु समाज को गौरवान्वित किया है।

भारती जांगिड का जन्म, गांव चांग जिला भिवानी में पिता रामअवतार जांगिड और माता श्रीमती कृष्णा जांगिड के घर 11 जून 1992 हुआ और उनकी प्राथमिक शिक्षा गांव में ही हुई और उसके बाद चौथी कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई, सोनीपत के मोतीलाल नेहरू खेलकूद विद्यालय से पूरी की और उसके उपरांत उन्होंने बी आर सी एम कालेज भिवानी, से मेकैनिकल में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की और अपनी प्रतिभा और दक्षता के बल पर उन्होंने 82 प्रतिशत अंक हासिल करके, प्रदेश भर में, मैकैनिकल इंजीनियरिंग में 8वां स्थान हासिल करके अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

एक साक्षात्कार में, भारती जांगिड ने कहा कि मेरे पति नितिन कुमार जांगिड ने, मुझे हमेशा ही आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया और इस यज्ञ में मेरी सास सुनिता जांगिड, ससुर सुरेश कुमार जांगिड सहित सभी ने भरपूर सहयोग दिया। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि मेरे बेटे की देखभाल मेरे सास-ससुर दोनों ने बड़े ही बेहतरीन ढंग से की और मैं निश्चित होकर अपनी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करती रही। परमात्मा करें, मेरे जैसा परिवार सभी को नसीब हो, सभी कदम-कदम पर मुझे वह बेहतर करने की प्रेरणा देते रहे और बिना फल की चिंता किए ही, जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते रहे, जिससे नौकरी के साथ-साथ तैयारी करने में मुझे बहुत अधिक आसानी हुई और अंत में मुझे एक प्रेरणादायक वाक्य याद आता है कि सफर अभी लंबा है और मेरी यात्रा जारी है।

भारती जांगिड ने कहा उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा है, मेरे पिता जी का हमेशा से ही एक ही सपना था कि मैं एक दिन बड़ी उच्च अधिकारी बनूं और भगवान ने उनका यह सपना पूरा कर दिया है और अब मैंने हरियाणा सिविल सर्विस एच सी एस की परीक्षा पास करके, खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी के रूप में 15 जुलाई को झज्जर में अपनी पहली ड्यूटी ज्वाइन कर ली है।

महासभा के प्रधान, रामपाल शर्मा ने, भारती जांगिड को उसकी सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि, उन्होंने जिस प्रकार से परिवार में आपसी सामंजस्य और तालमेल स्थापित करते हुए सफलता हासिल की है। वह निश्चित रूप से ही प्रशंसनीय है और दूसरे युवाओं को भी उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए कि शादी के बाद भी, अगर दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का जज्बा हो तो, सफलता हासिल करना दुष्कर कार्य नहीं है। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

पूजा जांगिड 13 जून को भारतीय वायुसेना में फ्लाईंग आफिसर बनी ।

महासभा मीडिया प्रभारी, धीरज शर्मा।

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए, मन में जुनून व आत्मविश्वास के साथ-साथ दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति भी जरूरी है और इन गुणों को आत्मसात करते हुए ही, मोतेला कलां, जिला रेवाड़ी निवासी विलक्षण प्रतिभा की धनी पूजा जांगिड ने, अपने दृढ़ संकल्प और मेहनत के बल पर यह सिद्ध करके दिखलाया है और वह भारतीय वायुसेना में फ्लाईंग आफिसर के पद पर नियुक्त हुई है और उसने न केवल अपने परिवार, क्षेत्र व समाज का अपितु देश का नाम भी रोशन किया है और इसके साथ ही वह उन युवाओं के लिए एक प्रेरणा की एक ज्वलंत मिसाल बन गई है कि अगर हौसले बुलंद हो तो रास्ते में आने वाली सभी विघ्न बाधाएं अपने आप ही दूर हो जाती हैं।

पूजा जांगिड का जन्म 15 जुलाई 1998 को गांव मोतला कलां, जिला रेवाड़ी में पिता अनिल कुमार जांगिड और माता श्रीमती मूर्ति देवी जांगिड के घर हुआ। इनके पिता अनिल कुमार जांगिड ने कहा कि पूजा बचपन से ही प्रतिभा की धनी और पढ़ाई में होशियार रही है और उसने हमेशा ही अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। पूजा की मां श्रीमती मूर्ति देवी ने कहा कि **हमें बेटी होने पर गर्व है और जो लोग बेटा होने की खुशियां मनाते हैं, उनको मेरी सलाह है कि, म्हारी छोरी के छोरा त कम** सै। पूजा जांगिड की प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही हुई और उसके पश्चात 6 से 12वीं कक्षा तक की शिक्षा उसने यदुवंशी स्कूल महेंद्रगढ़ से हासिल की और उसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक और दिल्ली विश्वविद्यालय से ही एलएलबी व एलएलएम की डिग्री हासिल की।

उनके दादा धर्मचंद जांगिड ने बताया कि होनहार बेटी पूजा ने अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ही अपनी पढ़ाई के साथ-साथ सरकारी नौकरी के लिए भी तैयारी शुरू कर दी थी और यही कारण है कि पूजा ने अपनी विलक्षण क्षमता और दक्षता तथा दृढ संकल्प का परिचय देते हुए अपने पहले प्रयास में ही भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग अफसर के पद पर नियुक्ति हासिल की है। उन्होंने कहा कि पूजा में देश सेवा की भावना और जज्बा कूट-कूट कर भरा हुआ है और वह देशसेवा करने के उद्देश्य से ही भारतीय वायुसेना में भर्ती हुई है।

पूजा जांगिड ने बताया कि उसका मुख्य लक्ष्य भारत मां की सेवा करना है और इसीलिए अपनी मेहनत, परिश्रम, एकाग्रता, गहन अध्ययन के साथ-साथ माता-पिता का पूर्ण सहयोग एवं उनके आशीर्वाद तथा भगवान की अनुकम्पा से ही यह संभव हो पाया हैं। दृढ़ संकल्प की धनी पूजा जांगिड ने युवाओं को बड़ा ही सार्थक संदेश दिया है कि **अगर हम जीवन में कुछ पाना चाहते हैं तो हमें कुछ खोने के लिए भी तैयार रहना चाहिए, हमें किसी मुकाम को हासिल करने के लिए अपनों का, अपने परिवार का साथ छोड़कर अपने लक्ष्य के लिए तैयारी करनी पड़ती है और यह पुरुषार्थ ही सफलता की पहली सीढ़ी है।** उन्होंने कहा कि **भारतीय वायुसेना अकादमी हैदराबाद से 13 जून 2025 को पास आऊट होकर आसाम में फ्लाईंग आफिसर के पद पर पहली नियुक्ति प्राप्त की है।**

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने पूजा जांगिड को भारतीय वायुसेना में फ्लाईंग आफिसर बनने पर बधाई देते हुए कहा है कि, जिस प्रकार से पूजा जांगिड ने ग्रामीण क्षेत्र में पैदा होने के बावजूद अपनी कठोर मेहनत, परिश्रम और पुरुषार्थ तथा निरन्तरता के माध्यम से अपना लक्ष्य हासिल किया है, वह अन्य युवाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

हरियाणा प्रदेश सभा अध्यक्ष खुशीराम जांगिड और रेवाड़ी जिला अध्यक्ष कैलाशचंद जांगिड तथा मिडिया प्रभारी धीरज शर्मा ने भी पूजा जांगिड को बधाई देते हुए, उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की है।

☆☆☆

महाकाल की नगरी, उज्जैन के मोहित शर्मा केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी लिमिटेड में क्लास वन अधिकारी बने।

मध्य प्रदेश अध्यक्ष, प्रभू दयाल बरनेला।

जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति के साथ जो युवा जीवन में आगे बढ़ता है, वह अपना लक्ष्य हासिल करने में अवश्य ही सफल होता है और ऐसे ही एक युवा इंजीनियर है, महाकाल की नगरी, उज्जैन के रहने वाले मोहित शर्मा, जो एक कारपेंटर के घर में पैदा हुए, लेकिन अपनी प्रतिभा और बुद्धिमता के बल पर गरीबी को मात देते हुए, एक आई ए एस बनने का संकल्प धारण किए हुए हैं और इस दिशा में निरंतर अग्रसर हैं। अभी हाल ही में उन्होंने गुरुग्राम में भारत सरकार के उपक्रम केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी लिमिटेड में सिविल इंजीनियर ट्रेनी के रूप में अपनी ड्यूटी ज्वाइन की है।

पिता नेमीचंद शर्मा और माता श्रीमती अनीता शर्मा के घर पैदा हुए मोहित शर्मा ने, पढ़ाई में हमेशा ही अव्वल स्थान हासिल किया है। उन्होंने वर्ष 2015-16 में 10वीं कक्षा उज्जैन के एक्सीलेंस स्कूल से 76 प्रतिशत अंक हासिल करके पास की और इसी स्कूल से 12वीं कक्षा 85 प्रतिशत अंक हासिल करके पास की और उसके पश्चात 2019-23 में राजकीय उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज से बी टेक सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की और इसके साथ ही आल इंडिया में 370 वां रैंक हासिल करके गेट की परीक्षा पास की और इसी के आधार पर मुम्बई की प्रतिष्ठित आईआईटी में 2024 में स्टैरक्चरैल इंजीनियरिंग में उन्होंने दाखिला लिया और अपनी प्रतिभा के बल पर भारत सरकार के उपक्रम केन्द्रीय ट्रांसमिशन यूटिलिटी लिमिटेड में प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से उनका चयन 7 अप्रैल 2025 को हुआ था और दो महीने की ट्रेनिंग के बाद उसने इस प्रतिष्ठित संस्थान में जून में, गुरुग्राम में ज्वाइन कर लिया है।

एक साक्षात्कार में मोहित शर्मा ने बताया कि, **मैं अपने माता-पिता का ऋण, कभी भी नहीं उतार सकता हूं, जिन्होंने अपनी सभी जरूरतों को कम करके, मेरी सभी जरूरतों को पूरा किया और मैंने राजकीय उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज से बी.टेक की पढ़ाई इसलिए की, क्योंकि मेरे पिता, प्राईवेट इंजीनियरिंग कॉलेज की लाखों रुपए की फीस देने में असमर्थ थे,** लेकिन मैंने हौसला और हिम्मत नहीं हारी और अपनी प्रतिभा और दक्षता के बल पर गरीबी को मात देते हुए, माता-पिता के दिए गए बेहतरीन संस्कारों, भगवान के आशीर्वाद और अपनी इच्छा शक्ति के बल पर अपने लक्ष्य की और अग्रसर रहा और मेरी नौकरी का यह पहला पड़ाव है। भविष्य में, मैं एक आई ए एस अधिकारी बन कर समाज की सेवा करना चाहता हूं।

महासभा के प्रधान, रामपाल शर्मा ने मोहित शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि, जिस प्रकार से भगवान शिव की नगरी उज्जैन के रहने वाले, मोहित शर्मा ने अपने पुरुषार्थ और परिश्रम के बल पर अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सफलता हासिल की है, वह दूसरे युवाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। मैं, उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए, भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वह भविष्य में भी अपने लक्ष्य में सफलता हासिल करे।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला ने भी मोहित शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि, **महाकाल की नगरी उज्जैन के मोहित शर्मा ने, जिस प्रकार से गरीबी के दंश को झेलते हुए अपनी मेहनत और परिश्रम के बल पर उत्कट जिजीविषा को आत्मसात करते हुए अपना लक्ष्य हासिल किया है यह समाज के दूसरे युवाओं के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण है।** हम मोहित शर्मा के पिता नेमीचंद शर्मा बरड़वा को व्यक्तिगत रूप से बधाई देते हैं।

☆☆☆

जीवन में योग को आत्मसात करने से जीवन सफल होता है।

सत्यपाल वत्स आर्य, अध्यक्ष आध्यात्मिक प्रकोष्ठ महासभा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा की दूर दृष्टि और सकारात्मक सोच ने महासभा के 118 वर्षों के इतिहास में पहली बार आध्यात्मिक प्रकोष्ठ का गठन करके, समाज को और युवाओं को एक सन्देश देने का प्रयास किया है कि आज के इस आधुनिक डिजिटल युग में जहां युवा पाश्चात्य संस्कृति और सभ्यता की चकाचौंध में खो रहा है, ऐसे युवाओं को अपने संस्कारों और संस्कृति से जोड़े रखने के लिए मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं के साथ आध्यात्मिकता के साथ जोड़ने का काम करना भी जरूरी है और आध्यात्मिकता ही हमारी वास्तविक ताकत है और इस प्रकोष्ठ का वास्तविक उद्देश्य भी यही है कि दिग्भ्रमित युवाओं को आध्यात्मिकता के माध्यम से एक ऐसा सन्देश दिया जाए ताकि देश में बनने वाले वृद्ध आश्रमों की जगह, माता-पिता के लिए बच्चों के अन्त:करण में उनकी जगह हो।'

आज मैं यहां पर एक महत्वपूर्ण विषय योग के बारे में उल्लेख करना चाहता हूं। जो हमारे जीवन का मूलाधार है योगश्चित्तवृत्तिनिरोध:।(योगदर्शन)

चित्त की वृत्तियों को सब बुराईयों से हटकर शुभ कर्मों में स्थिर करके, परमेश्वर के समीप में मोक्ष को प्राप्त करने को योग कहते हैं और वियोग उसको कहते हैं कि परमेश्वर और उसकी आज्ञा के विरुद्ध बुराईयों में फंस के ईश्वर से दूर हो जाना।

उन्होंने चित्त के भ्रमित होने की दशा में चित्त की वृत्ति को रोकने के उपाय का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार- 1. जल के प्रवाह को एक ओर से दृढ़ बांध बना कर उसके द्वारा रोका जा सकता है, तब जिस तरफ उसकी ऊंचाई कम होती है उस तरफ चल के वहीं स्थिर हो जाता है। इसके साथ ही, उपासक योगी और संसारी मनुष्य जब व्यवहार में प्रवृत होते हैं, तब योगी की वृत्ति तो सदा हर्ष शोक रहित आनन्द से आलोकित और प्रकाशवान होकर उत्साह में ही डूबी रहती है और इसके विपरित उपासक योगी की वृत्ति तो, ज्ञानरूप प्रकाश में सदा जाज्वल्यवान रहती है और इसके विपरित संसार के माया मोह में फंसे जीवों की वृत्ति सदा अंधकार में डूबीं रहती है और उसको बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं मिल पाता है।

उन्होंने कहा कि योगदर्शन के अनुसार उपासना योग दर्शन के आठ अंग है जिनमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। इत्यादि बताए गए हैं। लेकिन यह उपासना योग, दुष्ट वृत्ति रखने वालों को प्राप्त नहीं होती है और उनको किसी प्रकार की सिद्धि भी प्राप्त नहीं होती है, क्योंकि जब तक मनुष्य दुष्ट प्रवृत्ति का परित्याग करके, अपने मन को शान्त करके आत्मा के साथ जोड़ने का पुरुषार्थ नही करता है तथा अपने अन्त करण के व्यवहार और आचरण को शुद्ध नही करता है, तब तक ऐसा व्यक्ति चाहे कितना भी पढ़े या सुनें उसको भगवत प्राप्ति यानी परमेश्वर की प्राप्ति कभी भी नही हो सकती है।

महर्षि कपिल के अनुसार मन के खाली (निर्विषय) कर देने को ध्यान कहते हैं और मन को खाली करने का अभिप्राय यह है कि मन का इन्द्रियों से काम लेना-जिससे जागृत अवस्था बनती है छूट जाए तथा मन का अपने भीतर काम करना भी - जिससे स्वप्नावस्था बनती है - बन्द हो जाए, अर्थात् मन की जागृत अवस्था में ही सुषुप्ति की हालत हो जाने को, मन का खाली हो जाना कहते हैं।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता के छठे अध्याय में एक योगी की विशेषताओं के बारे में उल्लेख करते हुए कहा है कि योगी, तपस्वी से श्रेष्ठ है, शास्त्रों का ज्ञान रखने वाले से भी योगी श्रेष्ठ है तथा सकाम करने वालों से भी योगी श्रेष्ठ है और सभी योगियों में वह सर्वश्रेष्ठ वह है, जो अंतरात्मा से मुझे निरंतर भजता है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार से चित वृत्तियों को रोकने के लिए एक साधक को अभ्यास और प्रयास करने के साथ ही वैराग्य का होना भी बहुत जरूरी है। इस सांसारिक इच्छाओं को धीरे-धीरे कम करते जाएं तो, एक दिन ऐसा आएगा कि आप अंतर्मुखी हो जाएंगे और इसके माध्यम से ही मोक्ष का रास्ता प्रशस्त होगा और आपको मोक्ष की प्राप्ति होगी।

विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

हिसार के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. नरेश जांगिड को हरियाणा के मुख्य मंत्री ने सम्मानित किया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, डॉ. नरेश जांगिड को सम्मानित करते हुए।

जीवन में ऐसे बहुत कम लोग हैं जो दूसरों की खुशी में अपनी खुशी ढूंढते हैं और ऐसे ही एक उदात्त भावना से परिपूर्ण है, हिसार के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. नरेश जांगिड, जो विगत 21 वर्षों से समाज के सभी वर्गों के गरीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा कर रहे हैं और अब तक वह लगभग 23 हजार से अधिक लोगों की सेवा करके, उनका आशीर्वाद लें चुके हैं और उनकी इन्हीं उत्कृष्ट सेवाओं को ध्यान में रखते हुए ही हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने, चंडीगढ़ में **कबीर कुटिया मुख्यमंत्री निवास पर बुलाकर उनको 25 जुलाई को सम्मानित किया है और इससे पहले मुख्यमंत्री ने उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 10 जून को एक पत्र लिख कर डॉ. नरेश को प्रोत्साहित भी किया है।**

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा है कि मुझे खुशी है कि डॉ. नरेश जांगिड, हिसार में पिछले 21 वर्षों से खुशी फिजियोथेरेपिस्ट केन्द्र चला रहे हैं और इसके माध्यम से लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं और इसके साथ ही निशुल्क कैंपों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों का इलाज भी कर रहे हैं। डॉक्टर नरेश जांगिड द्वारा की जा रही कड़ी मेहनत, समर्पण और निस्वार्थ भाव से की जा रही मानवता की सेवा के कार्यों के लिए मैं हृदय की गहराइयों से उनकी सराहना करता हूं और उनका आभार व्यक्त करता हूं और आशा करता हूं कि वह भविष्य में भी ऐसे ही दृढ़ संकल्प, निष्ठा एवं लगन की भावना से लोगों की निस्वार्थ सेवा करते रहेंगे। मैं उसके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

परमात्मा भाग्यशाली लोगों को ही सेवा करने का मौका देता है, जो व्यक्ति लोभ का संवहरण करके निःस्वार्थ भाव से समाज की ग़रीब लोगों की सेवा करता है, उसका कोई भी सानी नहीं है। सेवा भाव की प्रतिमूर्ति फिजियोथेरेपिस्ट एवं सामाजिक कार्यकर्ता, डॉ. नरेश जांगिड अब किसी परिचय का मोहताज नहीं है। विगत 21 वर्षों से फिजियोथेरेपी और जनसेवा के क्षेत्र को अपना नया मुकाम बना लिया है और अपने व्यावसायिक अनुभव का उपयोग, उसने पैसा कमाने के लिए नहीं किया अपितु लोगों के और विशेषकर समाज के गरीब लोगों की वेदना और उनकी कठिनाइयों को समझते हुए ही समर्पित भाव से उनकी पीड़ा को दूर करने का स्तुत्य प्रयास किया है।

डॉ. नरेश जांगिड ने बताया कि वह विगत 21 वर्षों से वह इस क्षेत्र में कार्यरत हैं और इस दौरान उन्होंने 134 से अधिक निःशुल्क फिजियोथेरेपी एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों का आयोजन, प्रदेश के विभिन्न ग्रामीण, औद्योगिक और सीमावर्ती क्षेत्रों में किया है, जिसका लाभ हजारों मजदूरों, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो को मिला है। डॉ. नरेश जांगिड की इन्हीं सर्वोत्तम और उत्कृष्ट सेवाओं को देखते हुए ही 17 मार्च 2025 को उनका नाम **लन्दन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। और लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड का प्रमाण पत्र, उनको सर्वोदय अस्पताल की चिकित्सक डॉक्टर उमेश कालड़ा व चिकित्सक डॉक्टर सरिता कालड़ा द्वारा देकर सम्मानित किया गया।**

डॉ. नरेश जांगिड का सकारात्मक दृष्टिकोण होने के कारण ही वह अपनी दूसरों की भलाई में ही आनन्द की तलाश करते हैं और इसी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की भावना से अभिप्रेरित होकर समाज के गरीब लोगों की सेवा कर रहे हैं और जिन्होंने अपना सारा जीवन समाज के गरीब लोगों के लिए समर्पित किया हुआ है और उनके इसी जज्बे और कर्तव्यनिष्ठा तथा समाज के प्रति समर्पण की भावना को हृदय से सलाम है। **वह अनाज मंडी हिसार में स्थित भूमि आश्रम में रहकर समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों की निशुल्क इलाज कर रहे हैं।** एक फिजियोथेरेपिस्ट होने के नाते गरीब लोगों की सेवा करने से **मुझे जो, आनन्द की अनुमति होती है, उसका सहज ही अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। क्योंकि मुझे गरीबों की सेवा करके शकुन मिलता है। मानव सेवा और समाज सेवा ही, मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है और समाज सेवा के प्रति समर्पण और करुणा भाव रखने के कारण ही नरेश जांगिड को 'वर्ल्ड ग्रेटेस्ट अवार्ड' से नवाजा गया है।**

यही कारण है कि डॉ. नरेश जांगिड के सेवा भाव एवं उत्कट जिजीविषा से प्रोत्साहित होकर ही, उनको हरियाणा के मुख्यमंत्री, नायब सिंह सैनी, हरियाणा लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, स्वास्थ्य मंत्री कमल गुप्ता, हिसार उप पुलिस महानिरीक्षक बलवान सिंह राणा, हिसार की उपायुक्त, प्रियंका सोनी और उत्तम सिंह सहित अनेक संस्थाओं के गणमान्य महानुभाव भी शामिल हैं ।

इसके साथ ही **डॉ. नरेश, अनाथालयों व वृद्ध आश्रम में भी अपनी निस्वार्थ भाव से निःशुल्क सेवा प्रदान कर रहे हैं तथा रक्तदान - महान दान की परम्परा का निर्वहन करते हुए भी, वह अनाथालयों व वृद्ध आश्रमों में 66 बार से अधिक रक्तदान भी कर चुके हैं और उनकी इन विशिष्ट सेवाओं को ध्यान में रखते हुए ही, डॉ. जांगिड अपना नाम, 'इंडिया बुक ऑफ प्राईड' के रिकार्ड में भी दर्ज करवा चुके हैं।**

☆☆☆

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

आधुनिकता की चकाचौंध के कारण, वैवाहिक सम्बन्ध तेजी से विच्छेद हो रहे है

पति-पत्नी का विवाह और आपसी रिश्ता, भारतीय सभ्यता और संस्कृति की एक अनमोल धरोहर और अनूठी परम्परा है और यह परम्परा प्राचीन समय से ही चल रही है। भगवान शंकर ने भी कहा है कि पुरुष और प्रकृति आपस में एक दूसरे के पूरक हैं और दोनों एक दूसरे के बिना अधूरे हैं, लेकिन आधुनिक युग में आते-आते वैवाहिक परम्पराएं और पुरानी मान्यताएं बदल रही हैं। पाश्चात्य सभ्यता और संस्कृति का इन रिश्तों पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। **विवाह बन्धन वास्तव में दो, अनजान आत्माओं का मधुर मिलन है जहां सात फेरों के माध्यम से वह एक दूसरे पर विश्वास करने लगते हैं और शादी के माध्यम से, जीवन एक मर्यादा और सीमा में बंध जाता है। लेकिन इतना पवित्र रिश्ता होते हुए भी आज विवाह की इस पावन प्रक्रिया में अनेक समस्याएं जुड़ गई हैं।** आधुनिकता की चकाचौंध में विवाह की आज पुरानी मान्यताएं बदल रहीं हैं, क्योंकि अधिकतर पढ़ें लिखे युवक-युवतियां स्वछंदता चाहते हैं और यही कारण है कि इस आधुनिक युग में वर-वधू की इच्छाओं के अनुरूप जीवन साथी ढूंढने में अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण उनकी विवाह की आयु सीमा पार हो रही है । इसका प्रमुख कारण यह है कि दोनों में से, कोई भी समझौता नहीं करना चाहता है। **आज के इस आधुनिक युग में जांगिड समाज भी इन समस्याओं से अछूता नहीं है और अनेक प्रमुख समस्याएं हैं जो समय के साथ ही विकट रूप धारण कर रही हैं।**

पहला कारण **देरी से विवाह और वैवाहिक जीवन में आपसी कटुता का पैदा होना** आज के बच्चों की उच्च शिक्षा ग्रहण करने के कारण उनकी महत्वकांक्षाएं आसमान छू रही है और वह **शादी विवाह करने के लिए इतने अधिक उत्सुक नहीं रहते हैं और आज कल एक आम समस्या यह भी है कि विवाह योग्य लड़कियां और लड़कों ने आज अपना कैरियर केवल मात्र पैकेज या सरकारी नौकरी के साथ जोड़ दिया है।** इसलिए विवाह में देरी से विवाह सफल नहीं होते है।

संस्कारों की कमी माता-पिता अपने बच्चों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार बेहतर उच्च शिक्षा दिलाने का प्रयास करते हैं, लेकिन जीवन का मूलाधार संस्कार प्रदान नहीं करते हैं। **जो बच्चा संस्कारों से परिपूर्ण होगा उसके लिए यह पैकेज और धन दौलत की चकाचौंध कोई मायने नहीं रखती है।** माता-पिता द्वारा बच्चों को संस्कार प्रदान करने से वह गरीबी में भी गुजारा कर लेगा और उसको दुनिया की कोई भी चकाचौंध प्रभावित नहीं कर सकेगी।

उच्च महात्वाकांक्षा को तिलांजलि देनी होगी आज का युवा अति महत्वाकांक्षी हो गया है, वह अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है और इसके साथ ही **वह, अपनी ईगो के कारण गरीब और प्रतिभावान तथा संस्कारवान लड़की से शादी नहीं करना चाहता है।** माता-पिता के दबाव में आकर यदि शादी हो भी गई तो वह शादी सफल नहीं होगी। इसलिए युवा वर्ग को अपनी महत्वाकांक्षाओं को तिलांजलि अपने परिवार और पत्नी के बीच आपसी तादात्म्य और संतुलन बनाना होगा ।

अपनी मनोकामना और इच्छा के अनुरूप वर या वधू का न मिलना- आज, यह पता नहीं चलता कि लड़की और लड़का आपस में क्या चाहते हैं?। उनको अपने माता-पिता पर भरोसा नहीं रहा है और **आज वास्तव में उपयुक्त की परिभाषा ही बदल गई है।** लड़कियों की विवाह योग्य आयु निकलती जा रही है और आज लड़कियों और लड़कों के मूल्यांकन का **एक मात्र उपयुक्त पैमाना केवल आर्थिक पैकेज ही रह गया है।**

आपसी तालमेल का अभाव आज आपसी सौहार्द और प्रेम तो केवल डिक्शनरी के शब्द बनकर रह गए हैं । समाज के धनाढ्य वर्ग के लोग, गरीब लोगों से घृणा करते हैं और यही कारण है कि परिवार और रिश्तेदारों में आपसी दूरियां बढ़ रही हैं। पहले लोग रिश्ते बताने में मदद करते थे, लेकिन आज परिस्थितियां बदल गई हैं। क्योंकि यक्ष प्रश्न यह है कि दूसरों के बच्चों के चरित्र के बारे में गारंटी कौन देगा?।

आज बायोडाटा के नाम पर झूठ परोसा जा रहा है। आज प्रिंट मीडिया और डिजिटल युग में लोग विज्ञापन को पढ़कर कुछ हद तक अपनी राय बनाते है, लेकिन धीरे-धीरे विज्ञापन पर भी, लोगों का भरोसा कम होता जा रहा है, क्योंकि बायोडाटा में बढ़ा चढ़ाकर अनावश्यक बातें लिखी जाती है और वास्तविकता सामने आने पर एक दूसरे के प्रति विश्वास खत्म हो जाता है।

गरीबी और रोजगारी भी विवाह में देरी का कारण आधुनिक सोच का परिणाम यह है कि हम सरकारी नौकरी को ही सब कुछ मान बैठे हैं । ठीक है सरकारी नौकरी की इच्छा रखना कोई गलत नहीं है, लेकिन गरीब व्यक्ति भी यही मनोकामना करता है कि उसकी लड़की का विवाह एक सरकारी नौकरी करने वाले से ही हो, लेकिन सबकी इच्छा पूरी नहीं हो सकती है और यही कारण है कि विवाह में देरी हो रही है।

सुखी वैवाहिक जीवन के मूल सिद्धांत। जीवन में विवाह को 7 जन्मों का बंधन माना जाता है और सुखी वैवाहिक जीवन के कुछ मूलमंत्र है, जिनको आत्मसात करने से जीवन आन्दातिरेक से भर जाएगा और आपस में एक दूसरे के प्रति कटुता नहीं अपितु मृदु व्यवहार के साथ ही समस्या के मूल में जाने का प्रयास करें। आज पश्चिमी देशों के कुप्रभावों के कारण पति-पत्नी का आपस में तथा परिवार के साथ तालमेल बिगड़ रहा है और यही कारण है कि आज तलाक के मामले निरन्तर बढ़ रहे हैं ।

अपनी पत्नी को दु:ख-सुख का बराबर का भागीदार बनाएं। ऐसा माना जाता है कि वैवाहिक सम्बन्ध भगवान द्वारा ही निर्धारित किया जाता है। **ठीक है अच्छी बात है, लेकिन शादी के बाद पति-पत्नी का आपस में फर्ज बनता है कि वह भगवान द्वारा दिए गए इस प्रसाद का उपयोग आपसी समझ और तादात्म्य के साथ करें।** अपने दु:ख और सुख एक दूसरे से सांझा करें और अपने बराबरी के अधिकारों का कभी भी दुरुपयोग ना करें।

ससुराल वालों को अपना समझें और अपने अंहम का परित्याग करें और मोबाइल संस्कृति से दूर रहें ससुराल में आने के पश्चात एक पत्नी का वही घर है, यह बात समझना जरूरी है और इसके साथ ही अपने अंहम की भावना का परित्याग करके, माता पिता के दखल से दूर रहना होगा और मानसिक शांति के लिए एक दूसरे का सम्मान करना सीखना होगा तथा धर्य और सहनशीलता धारण करनी होगी तभी वैवाहिक जीवन सफल हो सकता है इसके साथ ही संस्कार और नैतिक मूल्यों की शिक्षा देने की जरूरत है।

सेवा निवृत्त प्राचार्य जगदीश शर्मा, दिल्ली।

आधुनिक युग में भ्रातृत्व दिवस की सार्थकता और नैतिक मूल्यों का संरक्षण।

जिस प्रकार से भारतीय संस्कृति का महान ग्रन्थ रामायण में भाई-भाई के असीम प्रेम अनन्य स्नेह, समर्पण और आपसी सहयोग, प्यार तथा आपसी सौहार्द और विश्वास का जो उल्लेख किया गया है आज भी वह भी इसी प्रकार से अनुकरणीय है। **समूचे विश्व में राष्ट्रीय भाई दिवस मनाया गया।** इसी के उपलक्ष्य में हम रामायण के उदात्त भावनाओं से परिपूर्ण भ्रातृत्व की भावना को, एक संकल्प और इच्छा शक्ति के रूप में आधुनिक युग यानी **कलियुग में भी देखते हैं तो सार्थक और समीचीन दिखाई देती है। हमारे वेदों और उपनिषदों का एक ही मूल मंत्र है और वह है 'वसुधैव कुटुंबकम' जो हमें यह शिक्षा देता है कि सारा विश्व एक कुटुंब के समान है।**

लेकिन फिर भी, आज की इस भागदौड़ भरी दुनिया में एक भाई दूसरे भाई से अलग रहकर अपने अस्तित्व की तलाश कर रहा है और आज इस कलियुग में भ्रातृत्व भावना विलुप्त हो रही है। **आज एकल परिवार यानी न्यूक्लियर फैमिली की प्रथा चल पड़ी है और एक परिवार का अर्थ केवल पति-पत्नी और बच्चों तक ही सीमित हो कर रह गया है। आज 40-50 वर्ष पुरानी विलुप्त होती जा रही है। 'पहले एक पिता 10 बच्चों की परवरिश अकेला अपनी पत्नी के साथ मिलकर कर लेता था और आज एक बेटा अपने माता-पिता को ही, एक प्रकार का बोझ समझने लगा है और भाई बहन का नम्बर तो उसके बाद ही आता है और भारत की इस महान सांस्कृतिक विरासत और परम्पराओं को आज पाश्चात्य सभ्यता और संस्कृति की नजर सी लग गई है।**

आज भाई-बहन के रिश्तों में और भाई-भाई के रिश्तों में एक दीवार सी खड़ी हो गई है और आज आपसी संबंधों का गणित, सम्पत्ति के आधार पर निर्धारित होता है और इस सम्पत्ति विवाद को लेकर कई बार, भाईयों में आपसी टकराव और ईर्ष्या इस कदर हावी हो जाती है कि वह एक दूसरे की जान लेने से भी परहेज़ नहीं करते हैं। आज भाई-बहन और भाई-भाई के रिश्ते केवल कागजों तक ही सिमट कर रह गए हैं। **भाई-भाई और भाई-बहन के रिश्तों को बनाए रखना है, तो अपने जीवन में एक ही मूल मंत्र आत्मसात करना होगा और वह मंत्र है बड़ा दिल रखना और 'क्षमा मांगना' क्षमा मांगने का अर्थ यह नहीं है कि हम छोटे हो गए हैं, बल्कि क्षमा का अर्थ यह है कि, हमनें अपने भीतर के अंहकार से अधिक महत्व अपने पारिवारिक रिश्तों को दिया है।**

आज के इस डिजिटलाईजेशन के युग में विज्ञान और टेक्नालॉजी के कारण अंतरिक्ष के रहस्यों को जानने का तो, स्तुत्य प्रयास किया जा रहा है, लेकिन दुर्भाग्यवश हम अपने पड़ोस में रहने वाले अपने भाई के घर का दरवाजा खटखटाना भूल गए हैं और इसमें कोई संदेह नहीं कि यह आपसी दूरियां इस कलियुग में निरन्तर ही बढ़ती ही जा रही हैं। **आधुनिक टैक्नोलॉजी के उपयोग के कारण हम एक दूसरे के नजदीक आ गए हैं, लेकिन इसके विपरित आपस में भाई के प्रति भाई और भाई-बहन के रिश्तों में भावनात्मक लगाव और दिल से बात कहने की स्वाभाविक अभिव्यक्ति विलुप्त हो गई है। इस राष्ट्रीय भाई दिवस के अवसर पर रामायण में निहित उन शाश्वत मूल्यों को आत्मसात करना है जरूरी है जो आज भी मानवता का पथ आलोकित कर रहे हैं।**

भगवान श्रीराम जिस समय 14 वर्ष के लिए वनवास में चले गए और भरत को इस बारे में ज्ञात हुआ तो वह भगवान श्रीराम को वन से वापस लाने के लिए गुरु वशिष्ठ, राजा जनक और तीनों माताओं कौशल्या, सुमित्रा और केकैई के साथ चित्रकूट पर्वत पहुंचे । **भरत ने भगवान श्रीराम से कहा कि 'भैया श्रीराम अयोध्या का राज सिंहासन आपका है और अगर आप अयोध्या वापस नहीं चलेंगे तो, मैं अपने प्राणों का यही पर त्याग कर दूंगा। यह भाई का भाई के प्रति स्नेह और त्याग का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है।** भगवान श्रीराम ने भरत को समझाया और कहा कि अयोध्या वापस आने में, 14 वर्ष से एक दिन की भी देरी नहीं होगी।

भरत ने 14 वर्ष तक भगवान श्रीराम की खड़ाऊं सिंहासन पर रखकर राज्य किया। **भगवान श्रीराम ने भरत से कहा था कि, भरत आप जैसा भाई न तो इस संसार में हुआ है और न ही कोई दूसरा होगा।** भरत का यह महान त्याग आधुनिक युग के नकारात्मक सोच रखने वाले भाईयों के लिए एक संदेश है कि, भाई का भाई के प्रति निःस्वार्थ प्रेम की कोई भी परिभाषा नहीं होती है और जो व्यक्ति आपसी सम्बंधों की अपेक्षा सम्पत्ति को महत्व देता है, वह एक दूसरे से दूर चला जाता है ।

इसलिए **मेरा मानना है कि अगर आपस में भाई के प्रति स्नेह और प्यार तथा आपसी सम्बन्ध मजबूत रखने है तो, अपने अहंकार का परित्याग करके धन-सम्पत्ति का मोह छोड़कर, झुकना सीखना चाहिए और उदात्त मानवीय मूल्यों का पालन करते हुए भाई के प्रति स्नेह और सम्मान तथा ममता बनाए रखें। राष्ट्रीय भाई दिवस पर हम सभी मिलकर एक संकल्प लें कि हम अपने सगे भाइयों या परिवार और समाज के अन्य सदस्यों की भावनाओं को कभी भी ठेस पहुंचाने का कुत्सित प्रयास नहीं करेंगे और इसके साथ ही इन आपसी प्रगाढ़ सम्बन्धों को न, केवल शब्दों में, बल्कि कर्मो में भी भाईचारे के इस पावन आपसी बंधन को मजबूत करेंगे।** आपस में भाई-भाई में आपसी स्नेह और प्यार बना रहे, इसके लिए एक दूसरे के प्रति समर्पण, त्याग और निश्छल की भावना होनी चाहिए। जिससे दोनों का भाग्योदय होगा जो, चांद की रोशनी से भी अधिक उज्ज्वल होगा और भाई के दिल तक पहुंचना ही, हमारी आत्मा की विजय है। **आओ, हम सभी मिलकर इस राष्ट्रीय भाई दिवस पर, आपसी सम्बन्धों को सुदृढ़ करने का संकल्प लें, ताकि भाई-भाई में आपसी सामंजस्य और आपसी मधुर संबंध, प्रेम तथा सौहार्द की दीवार को अधिक मजबूत किया जा सके।**

महासभा के मुख्य सलाहकार, श्री गोपाल चोयल, अजमेर।

☆☆☆

श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया गया रक्षा बंधन का त्यौहार।

प्रधान, रामपाल शर्मा।

भारत की महान सांस्कृतिक विरासत और धरोहर में रक्षा बंधन का त्यौहार भाई बहन के अटूट विश्वास और आपसी प्रेम तथा रक्षा कवच के रूप में प्रत्येक वर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है और इस वर्ष यह पावन रक्षा कवच, रक्षा बंधन का त्यौहार का 9 अगस्त को मनाया गया । मैं भाई-बहन के प्यार के अटूट बंधन और पवित्र प्यार के अवसर पर, महासभा रुपी परिवार को अपनी तरफ से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। इस पुनीत अवसर पर जहां बहनों ने अपने भाईयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा, वहीं भाईयों ने प्रत्येक परिस्थिति में बहन की रक्षा का संकल्प लेकर, अपनी बहन को, यह अहसास करवा दिया कि यह धागा केवल, एक धागा नहीं है अपितु इसमें स्नेह समर्पण और सुरक्षा की भावना के साथ ही, इसमें भाई बहन के आपसी विश्वास और भरोसा का प्रतीक एक रक्षा कवच भी छिपा हुआ है और मैं अपनी बहन की रक्षा करने का संकल्प लेकर जीवन पर्यन्त इसे पूरा करुंगा।

रक्षा बंधन भाई बहन के आपसी प्रेम, विश्वास और रक्षा का उत्सव है और यह स्नेह की पवित्र गांठ, विश्वास की मोन प्रतिज्ञा है और यह दिन हमें याद दिलाता है कि रिश्ते केवल खून के ही नहीं होते हैं, अपितु दिल के भी होते हैं और इस प्रकार का संकल्प परिवार के साथ या समाज में बहन का रिश्ता निभाने के लिए दिया गया वचन भी, उतना ही महत्व रखता है और रक्षा बंधन की विशेषता यही है कि वह न केवल भाई बहन अपितु समाज में भी आपसी एकता, विश्वास और प्रेम तथा भाईचारे और सौहार्द का संदेश देता है और भाई परमात्मा से यह आशीर्वाद मांगता है कि उसकी बहन का दामन हमेशा ही खुशियों से भरा रहे और प्रेम की यह डोर कभी भी न टूटे और इस रक्षा सूत्र की नन्ही सी डोर, सिर्फ कलाई को ही नहीं बांधती है अपितु आत्मा को भी एक दूसरे के साथ जोड़ती है।

मैं महासभा परिवार की तरफ से हार्दिक बधाई देते हुए भाई-बहन के जीवन में सुख समृद्धि और खुशहाली तथा दीर्घायु की मंगल कामना करता हूं। ☆☆☆

प्रदेश सभा भवन जयपुर में 2 अगस्त को महिला शक्ति द्वारा लहरिया कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आधुनिक युग में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और दक्षता के आधार पर प्रत्येक क्षेत्र में नए नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और जिसका परिणाम यह है कि महिलाओं में एक विशेष जागृति आई है और

राजस्थान महिला प्रकोष्ठ द्वारा 2 अगस्त को प्रदेश सभा भवन में आयोजित लहरिया उत्सव।

इसी श्रृंखला में हरियाली तीज के उपलक्ष्य में 2 अगस्त को राजस्थान प्रदेश सभा भवन में महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. रेणु जांगिड की अध्यक्षता में लहरिया कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया और यह कार्यक्रम अपने आप में एक ऐतिहासिक और यादगार रहा, जहां पर मातृशक्ति ने मिलकर न केवल अपने कला कौशल और प्रतिभा का परिचय दिया अपितु अपनी कला संस्कृति को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तान्तरित करने और सामाजिक मुद्दों को समझने का भी स्वर्णिम अवसर प्राप्त हुआ।

इस मनोहारी कार्यक्रम का श्री गणेश भगवान श्री विश्वकर्मा जी की आरती और पूजन के साथ किया गया और महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी को मानोनयन पत्र सौंपें गए और विभिन्न क्षेत्रों में विशेष स्थान प्राप्त करने वाली जांगिड समाज की उभरती हुई प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया गया। इस कार्यक्रम में मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां की गई, जिनमें, रैंप वॉक, एकल एवं समूह नृत्य, रोचक खेल जैसी मनोरंजन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें उम्र के प्रत्येक वर्ग की बालिकाओं एवं महिलाओं ने बहुत ही जोश एवं उमंग के साथ भाग लिया और प्रत्येक प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

डॉ. रेणु जांगिड ने मातृशक्ति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से यह सिद्ध हो गया है कि समाज की महिलाएं और मातृ शक्ति आज भी समाज के हर कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं और इसका ज्वलंत उदाहरण सावन के इस महीने में तीज के उपलक्ष्य में महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किया गया यह बेहतरीन लहरिया उत्सव है, जो इस बात का साक्षी है कि अब समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है और इसी को ध्यान में रखते हुए ही, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, महासभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर 33 प्रतिशत करने की आवश्यकता पर बल दिया है और शायद आने वाले समय में महिलाओं का यह सपना भी साकार होगा।

महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की लोकल टू वोकल योजनाओं के तहत महिलाओं को स्वरोजगार एवं स्वावलंबन के लिए प्रेरित करने का प्रयास करते हुए ही यहां पर महिलाओं द्वारा संचालित स्टॉल्स लगाए गए हैं और उनको एक सामाजिक मंच प्रदान किया गया है ताकि वे अपनी प्रतिभा का का लोहा मनवा सके और सभी मेहमानों ने इस उत्सव में अवसर का लाभ उठाते हुए खरीदारी

का आनंद लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से यह सिद्ध हो गया है कि हमारे समाज कि महिलाएं और मातृशक्ति आज भी समाज के हर कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती है। इसका ज्वलंत उदाहरण, महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किया गया बेहतरीन प्रोग्राम है, जो इस बात का साक्षी है कि अब समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है।

डॉ. रेणु जांगिड ने बताया कि इस लहरिया उत्सव में समाज की लगभग 500 महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति ने इस कार्यक्रम की शोभा को और अधिक द्विगुणित कर दिया। मैं इस उत्सव में शामिल होने वाली सभी बहनों और मातृशक्ति का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। इन महिलाओं का जुनून, उत्साह, सहभागिता और ऊर्जा सच में ही देखने लायक थी और यह एक कार्यक्रम न होकर इसने आत्मिक स्वरुप धारण कर लिया और इस सामुहिक कार्यकर्म के माध्यम से सभी ने एक साथ मिलकर अपने उदात्त संस्कारों, अपनी आपसी एकता और अपनी महान सांस्कृतिक विरासत को फिर से महसूस किया।

महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारी अध्यक्ष कंचन शर्मा ने, महिलाओं को कैंसर जैसी महामारी से बचने के टिप्स दिए और इसके साथ ही 9 से 25 साल की उम्र की बालिकाओं एवं युवतियों के लिए टीकाकरण अभियान की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस भव्य कार्यक्रम की अनूठी विशेषता यह रही कि सभी महिलाओं और मातृशक्ति ने इस उत्सव की शोभा को चार चांद लगाने में अपनी महत्ती भूमिका निभाई और जिसका परिणाम यह हुआ कि सभी ने इस उत्सव के साथ अपना तादात्म्य स्थापित करते हुए इसका भरपूर रसास्वादन किया और सभी के चेहरों पर अपनेपन और आपसी सहयोग की न मुस्कान झलक रही थी और किसी भी कार्यक्रम की सफलता का इससे बड़ा कोई भी पैमाना नहीं हो सकता है और यही इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी सफलता का रहस्य है।

उन्होंने कहा कि सबसे गर्व की बात यह रही कि पूरा आयोजन इको-फ्रेंडली रहा और हर व्यवस्था में पर्यावरण के प्रति हमारी जागरूकता और जिम्मेदारी साफ दृष्टिगोचर हो रही थी। जिस समय समाज की महिलाएं जागृत होंगी तो, निश्चित रूप से समाज आगे बढ़ता है। अन्त में, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष ने आयोजकों को, सभी सहयोगियों का अन्तः करण से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम दोनों हर एक बहन के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए दिल की गहराइयों से आप सभी को धन्यवाद देना चाहती हैं। आपकी सक्रियता, उत्कृट जिजीविषा और अथक मेहनत और आपसी सहभागिता की भावना ने इस कार्यक्रम की गरिमा को बहुत ही सुंदर और व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने में अपना अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने आह्वान किया कि आइए, हम सब मिलकर भविष्य में भी, इसी ऊर्जा को इसी प्रकार से बनाए रखते हुए, इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से समाज और संस्कृति को सजीव और जीवन्त तथा सशक्त बनाते रहें ताकि यह समाज आशातीत प्रगति कर सके।

इस कार्यक्रम में चीफ़ कॉमर्शियल इंस्पेक्टर श्रीमती सुनीता जांगिड, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ श्रीमती नीलू शर्मा, श्रीमती मोहरी देवी जांगिड, श्रीमती सायर जांगिड, श्रीमती ललिता शर्मा एवं श्रीमती मधु जांगिड ने अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करते हुए इस कार्यक्रम की शोभा को द्विगुणित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यकारणी की सदस्य हेमलता कोषाध्यक्ष, महामंत्री शारदा जांगिड खुशबू, बिंदू, ललिता, पिंकी, सन्तरा, चित्रा, अनुराधा, अलका, सीमा, हेमलता, पूनम, विनीता, एवं उदघोषिका विजयलक्ष्मी का विशेष योगदान रहा ।

इस उत्सव के आयोजन में प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में, नीलू शर्मा, नीलम शर्मा, रीना जांगिड की अंहम भूमिका रही। इस कार्यक्रम की विशेष कवरेज के लिए विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सम्पादक और विश्वकर्मा टूडे न्यूज चैनल की टीम का भी डॉ. रेणु जांगिड और उसकी टीम द्वारा हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

राजस्थान महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. रेणु जांगिड।

नवलगढ शाखा सभा की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 10 अगस्त को संपन्न हुआ

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देश में जातिगत जनगणना करवाने का महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है और इस मामले में, समाज की मजबूती और संगठन को मजबूत बनाने के लिए हमें एकरूपता बनाए रखने की महत्ती आवश्यकता है और अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा ने इन्दौर में 22 जून को आयोजित महासभा की त्रैमासिक बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि जाति के लिए नाम के आगे सभी को जांगिड ही लगाना चाहिए ।

नवलगढ़ शाखा सभा का शपथ ग्रहण समारोह 10 अगस्त को आयोजित किया गया

आधुनिक युग में युवाओं को उच्चतम शिक्षा प्रदान करने की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, क्योंकि किसी भी समाज की प्रगति का मार्ग शिक्षा के माध्यम से ही होकर जाता है। उन्होंने कहा कि महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा की भी इस बारे में सोच सकारात्मक है और उन्होंने गरीब बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 2 लाख 51 हजार रुपए प्रति वर्ष, आजीवन महासभा को देने का फैसला किया है। उन्होंने भामाशाहों से आग्रह किया कि वह इस पुण्य के कार्य में आगे आए ताकि समाज के गरीब और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो सके।

यह उद्गार महामंत्री सांवरमल जांगिड ने 10 अगस्त को नवलगढ़ शाखा सभा के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर महर्षि अंगिरा सेवा समिति भवन में आयोजित इस समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय जांगिड ब्राहमण महासभा दिल्ली के उपाध्यक्ष भामाशाह शंकर लाल लदोया ने की। सभी अतिथियों का स्वागत दुपट्टा प्रदान करके किया गया तथा स्वागत भाषण इंजीनियर भंवरलाल जांगिड द्वारा दिया गया।

महामंत्री सांवरमल जांगिड द्वारा नवलगढ शाखा की कार्यकारिणी को विधिपूर्वक शपथ दिलवाई गई उनमें, कार्यकारिणी अध्यक्ष ओमप्रकाश जांगिड अड़ीचवाल देवगांव, उपाध्यक्ष सुभाषचंद जांगिड डूण्डलोद, सचिव महावीर प्रसाद जांगिड विड़ोदी छोटी, कोषाध्यक्ष बजरंग लाल जांगिड चारा का बास, सह सचिव विकास जांगिड सोटवारा, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष विश्वकर्मा जांगिड बसावा, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष रेखा जांगिड प्राचार्य बसावा, संगठन मंत्री प्रथम श्रवण कुमार जांगिड, संगठन मंत्री द्वितीय कालूराम जांगिड बसावा, प्रचार मंत्री जगदीश प्रसाद जांगिड शामिल है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए भामाशाह और विनम्रता और सौम्यता का ज्वलंत उदाहरण, शंकरलाल लदोया ने कहा कि समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए सभी को आपसी मतभेद

भुलाकर आपसी तादात्म्य और सामंजस्य बनाए रखते हुए एक संकल्प लेना होगा और जातिगत जनगणना के समय एकरुपता दिखलाते हुए समाज की एकता को मजबूत करना है।

विनम्रता और सदाशयता तथा समाज सेवा की प्रतिमूर्ति, डॉ दयाशंकर जागिड ने कहा कि जांगिड समाज के बच्चे जन्म जात इंजीनियर पैदा होते हैं, लेकिन कई प्रतिभाशाली बच्चे गरीबी का शिकार हो कर अपना रास्ता बदल लेते हैं इसलिए ऐसे छात्र–छात्राओं की सहायता करने के लिए भामाशाहों को आगे आना चाहिए और महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने गरीब बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का जो उचित निर्णय लिया है उसकी मैं भूरि–भूरि प्रशंसा करता हूं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक मात्र विकास का रास्ता है और नवलगढ़ तहसील पूरे देश मे शिक्षा व चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणीय है।

शाखा सभा अध्यक्ष नवलगढ़, ओमप्रकाश अड़ीचवाल ने भाव विभोर होकर कहा कि जिस प्रकार से सभी लोगो ने इस समारोह को सफल बनाने में अपने सहयोग का हाथ बढ़ाया है, उसके लिए सभी का आभार और नवलगढ शाखा सभा को उंचाइयों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी अब हम सभी की है। उन्होने तन–मन धन से सहयोग करने का वादा किया।

कार्यक्रम में शेखावाटी के समाज बन्धुओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें श्री विश्वकर्मा संस्थान बेरी के अध्यक्ष बसेसर दयाल रोहलीवाल, महावीर प्रसाद जांगिड, माणकचंद जांगिड, इंजीनियर योगेश जांगिड, संपत कुमार जांगिड, मातादीन जांगिड, कैलाश जांगिड, कैलाश जांगिड, प्रहलाद राय जांगिड, बद्रीप्रसाद जांगिड, महावीर प्रसाद जांगिड, विश्वनाथ जांगिड, रामदेव जांगिड, भागीरथमल, शिवकुमार, जयराम जांगिड, हरिप्रसाद जांगिड, एडवोकेट ओमप्रकाश जांगिड, बाबूलाल जांगिड, मामचंद पिलानी, कन्हैयालाल जांगिड, चिरंजीलाल जांगिड, चौथमल जांगिड, सुभाष चंद जांगिड, मेघराज जांगिड, देवगांव गीगराज जांगिड, चंडीप्रसाद, रवि जांगिड, रमेश जांगिड, परसराम जांगिड, पांचूराम ओमप्रकाश चौथमल के अतिरिक्त महिला शक्ति भी शामिल है ।

इस कार्यक्रम की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, विशिष्ट अतिथियों में, जिला परिवहन अधिकारी मक्खनलाल जांगिड, जिला परिषद सदस्य बजरंग लाल जांगिड, सीकर जिला अध्यक्ष हरिनारायण जांगिड, चूरू जिला अध्यक्ष नीरज जांगिड, जिला महिला प्रकोष्ठ झुंझुनू श्रीमती अनिता जांगिड जिला महिला प्रकोष्ठ चूरू श्रीमती पूजा जांगिड, भादरा से सतवीर जांगिड, महासभा के उप प्रधान, राधेश्याम जांगिड रेनवाल, लोहरगल धाम के मंदिर अध्यक्ष सीताराम जांगिड, झूंझनुं के लादूराम जांगिड, उदयपुर वाटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश जांगिड, सांवरमल जांगिड, मनोहर लाल जांगिड और रींगस के मूलचंद जांगिड शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन सुरेश कुमार जांगिड ने बड़े ही सुन्दर ढंग से किया, जिसने सभी का मन मोह लिया।

डॉ. दया शंकर जांगिड, नवलगढ़।

☆☆☆

आश्का शर्मा
पुत्री श्री गणेश कुमार शर्मा
10वीं कक्षा में 99.06 %

डॉ. रामजीलाल जांगिड को वर्ष 2025 का भारत शिक्षा सम्मान देकर सम्मानित किया गया।

सम्पादक राम भगत शर्मा।

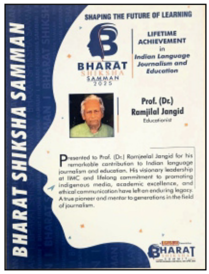

पत्रकारिता के भीष्म पितामह, पत्रकारिता और जनसंचार के संस्थापक रहे और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया शिक्षिका संघ के संस्थापक प्रोफेसर, डॉ. रामजीलाल जांगिड को, दिल्ली में आयोजित एक अभिनंदन समारोह में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मान पत्र देकर, सम्मानित किया गया। इस अभिनन्दन समारोह में, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र सहित अनेक राज्यों के शिक्षाविद, पत्रकार, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनेताओं और कलाकारों के साथ ही बड़ी संख्या में मातृशक्ति भी उपस्थित थीं।

डॉ. रामजीलाल जांगिड को दिए गए, **इस लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड के प्रशस्ति पत्र में कहा गया है कि उन्होंने अपने जीवन में महिला सशक्तिकरण और विशेषकर सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के हितों की रक्षा के लिए अहर्निश सेवा का कार्य किया है और प्रोफेसर डॉ. रामजीलाल जांगिड का जीवन एक खुली किताब के समान है और वह विश्वभर में केवल मात्र एक ऐसे पहले और अकेले भारतीय भाषाओं और पत्रकारिता के शिक्षक हैं, जिन्होंने छह भाषाओं-हिन्दी, अंग्रेजी, मराठी, गुजराती, ओडिया और उर्दू-में युवा और उदीयमान पत्रकारों को प्रशिक्षित करके लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को न केवल मजबूत किया अपितु प्रेस और पत्रकारिता की गरिमा को भी स्थापित किया और आज इन उदीयमान पत्रकारों में अनेक पत्रकार, अपनी कलम के माध्यम से लोकतंत्र के सजग प्रहरी बनकर देश की सेवा कर रहे हैं।**

पत्रकारिता के भीष्म पितामह के नाम से विख्यात, प्रोफेसर **डॉ. रामजीलाल जांगिड एक ऐसे सौभाग्यशाली और आदर्श अध्यापक के रूप में जाने जाते हैं और आज समूचे भारत में उनके लगभग दो हजार ऐसे लब्धप्रतिष्ठ शिष्य, देश के विभिन्न राज्यों और संघ क्षेत्रों के दैनिक समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, रेडियो, टेलीविजन और रंगमंचों पर महत्वपूर्ण पदों पर काम कर रहे हैं। इतना ही नहीं अनेकों छात्र विदेशी मीडिया संस्थानों, फिल्म, पत्रकारिता, शिक्षा, विज्ञापन तथा जन सम्पर्क के क्षेत्रों से जुड़े रहने के कारण भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। प्रोफेसर जांगिड ने भारत में सबसे अधिक महिला संचार कर्मियों और मीडिया शिक्षिकाओ और संचारकर्मियों को आगे बढ़ाया है, जिससे वह अपने कार्यक्षेत्र में पारंगतता हासिल कर सके।**

डॉ. रामजीलाल जांगिड **एशिया के ऐसे पहले और अकेले शिक्षक हैं, जिनके दो छात्रों को फिलिपिंस के पूर्व राष्ट्रपति के नाम से दिया जाने वाला प्रतिष्ठित मैग्सेसे अवार्ड मिला है, जो एशिया का पत्रकारिता के क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रतिष्ठित पुरस्कार है और यह पुरस्कार अंशु गुप्ता और रवीश कुमार को दिया गया है।** रामजीलाल जांगिड को इससे पहले भी दिल्ली में आयोजित किए गए, एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया था और **यह सम्मान उनको भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता और उसकी शिक्षा में उल्लेखनीय और अनुकरणीय योगदान के लिए दिया गया। महान् शिक्षाविद और विभिन्न भाषाओं पर पकड़ रखने वाले, डॉ. जांगिड ने वर्ष 1957 में महाराजा कालेज, जयपुर में बी.एस.सी. का छात्र रहते हुए, हिन्दी और अंग्रेजी में स्वतंत्र पत्रकार के रूप में अपनी एक विशेष अलग पहचान बनाई और सन् 1961 से वह आकाशवाणी जयपुर से कार्यक्रम प्रसारित करते रहे।**

डॉ. रामजीलाल जांगिड को **वर्ष 1964 में राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा 'वर्ष का**

सर्वश्रेष्ठ लेखक' घोषित कर उनको सम्मानित किया गया था और वर्ष 1968 में उन्हें राजस्थान विश्वविद्यालय ने इतिहास में पी.एच.डी. की उपाधि देकर सम्मानित किया । वह 1968 से 1989 तक दैनिक हिंदुस्तान से जुड़े रहे और पत्रकारिता के माध्यम से समाज में जागृति पैदा करने का कार्य किया और पत्रकारिता के क्षेत्र में भी अपनी एक विशेष पहचान बनाई। वर्ष 1976 में भारत में रंगीन टी.वी. प्रसारण शुरु के पहले दिन कार्यक्रम देने के लिए डॉ. रामजीलाल जांगिड को बुलाया गया और जी.टी.वी. का विधिवत रूप से प्रसारण शुरू होने के पहले ही दिन डॉ. रामजीलाल का बड़ा ही प्रेरणादायक साक्षात्कार प्रसारित किया गया, जिसकी सर्वत्र भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

डॉ. रामजीलाल की असीम प्रतिभा और दक्षता को देखते हुए ही उनको **भारत सरकार के सूचना व प्रसारण मंत्रालय के अन्तर्गत काम कर रहे, भारतीय जन संचार संस्थान ने, भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता शिक्षा का विभाग स्थापित करने के लिए दिसम्बर 1979 में एक बहुत बड़ा दायित्व सौंपा गया और इस दायित्व का भलीभांति निर्वहन करते हुए, उन्होंने 160 देशों के युवा पत्रकारों को प्रशिक्षण दिया और 'भारत की पाँच भाषाओं (हिन्दी, उर्दू, गुजराती, ओडिया और मराठी) में पत्रकारिता की शिक्षा, अलग-अलग राज्यों में जाकर युवा पत्रकारों और सम्पादकों को प्रदान की और इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी विद्वत्ता का परिचय देते हुए चार हिंदी पत्रिकाएं और एक अंग्रेजी मासिक पत्रिका निकाली और इतना ही नहीं उन्होंने वर्ष 1983 में नई दिल्ली में आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन के जन संचार सत्र की अध्यक्षता भी की थी। उन्होंने 20 संस्थाओं की स्थापना की। उनकी इन्हीं अतिविशिष्ट सेवाओं को ध्यान में रखते हुए ही 28 मार्च 2025 को डॉ. रामजीलाल जांगिड को, बालाजी फाउंडेशन द्वारा भी सम्मानित किया गया।**

इसी प्रकार से दिल्ली में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में भी, वरिष्ठ पत्रकार और देश में पत्रकारिता की अलख जगाने वाले प्रोफेसर रामजीलाल जांगिड को सम्मानित किया गया। **प्रो. जांगिड ने इस पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज कल पत्रकारिता पहले से अधिक जोखिम भरी हो गई है और वह दुधारी तलवार पर चलने के समान है।** एक स्थानीय पत्रकार को छुटभैया नेता, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस कर्मचारियों का निरन्तर दबाव बना रहता है कि उनका भ्रष्टाचार उजागर न हो सके और उनके घपले-घोटालों पर पर्दा पड़ा रहे। **मगर एक निर्भीक पत्रकार की जबाबदेही, केवल सत्य के लिए होनी चहिए और ऐसे पत्रकार को बिना डरे, सच को लोगों के सामने लाना चाहिए और पत्रकारों को डिजिटल मीडिया का भरपूर उपयोग करना चाहिए और अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए संगठित होकर, अपनी साख बनाए रखने के प्रयास करने चाहिए। डॉ. रामजीलाल जांगिड को भारत शिक्षा सम्मान, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी दिया गया है** और उनको सर्टिफिकेट आफ एक्सीलेंस प्रदान किया गया!

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, लाइफ टाईम अचीवमेंट अवॉर्ड मिलने पर महासभा परिवार की तरफ से हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि समाज की महान विभूति को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया है यह उनके पत्रकारिता के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान और उत्कृष्ट सेवाओं को ध्यान में रखते हुए ही दिया गया है। उन्होंने हजारों बच्चों के जीवन को संजीवनी देकर लोकतंत्र के चौथे आधार स्तम्भ को मजबूत करने में अंहम भूमिका निभाई है। पत्रिकारिता जगत में उनका योगदान अविस्मरणीय है। वह इसी प्रकार से समाज और पत्रकारिता जगत की सेवा करते रहें। मैं, उनकी दीर्घायु की मंगल कामना करता हूं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता के भीष्म पितामह डॉ. रामजीलाल जांगिड से मेरी पहली मुलाकात प्रसिद्ध मूर्तिकार रामवी सुतार के जन्म शताब्दी समारोह में हुई थी। उनका विनम्र स्वभाव और मृदुभाषी व्यवहार और पत्रकारिता के प्रति समर्पित व्यक्तित्व आज के युवाओं के लिए प्रेरणा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मेरी परमात्मा से प्रार्थना है कि उनको दीर्घायु प्रदान करें ताकि इस अनमोल हीरे के, योगदान से युवाओं और पत्रकारिता का भविष्य उज्ज्वल हो सके।

☆☆☆

जिला भीलवाड़ा की युवा कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न।

जिला अध्यक्ष भीलवाड़ा, महावीर सुथार।

सूर्य नमस्कार के **माध्यम से 6 बार विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले और गिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाने वाले,** ऊर्जा से भरपूर हिसार, हरियाणा के रहने वाले, संदीप आर्य जांगिड ने कहा कि केवल शिक्षा के माध्यम से ही युवाओं का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है और इस दिशा में अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा और समाज के भामाशाहों और सुथार समाज के दानवीरों द्वारा इस दिशा में सतत् प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में आशातीत सफलता हासिल करने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास की भावना होना जरुरी है, क्योंकि आत्मविश्वास ही सफलता के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है और तभी सफलता के नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं।

सूर्य नमस्कार में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले संदीप आर्य जांगिड का सम्मान किया गया।

संदीप आर्य जिला सभा भीलवाड़ा के युवा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के, कन्या छात्रावास भीलवाड़ा में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने आए हुए थे। उनको युवा प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष धर्मवीर ग्वाला, जांगिड और जिला युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रतन गुरावडिया ने पगड़ी पहनाकर और शॉल औढ़ाकर सम्मानित किया गया। समारोह का श्रीगणेश दीप प्रज्वलित करके और भगवान विश्वकर्मा की आरती और पूजन के साथ किया गया।

राजस्थान युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड ने कहा कि युवा ही, देश का उज्ज्वल भविष्य है और जीवन में आगे बढ़ने के लिए अभिभावकों द्वारा उनको बेहतर संस्कार दिए जाने की महत्ती आवश्यकता है ताकि वह इन संस्कारों को आत्मसात करने के साथ ही, अपने लक्ष्य पर फोकस कर सकें और रास्ते में आने वाली सभी कठिनाइयों को दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास से हराने का प्रयास करें।

जिला भीलवाड़ा के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रतन गुरावडिया ने विश्वास दिलाया की **मुझे और युवा कार्यकारिणी के सदस्यों को युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जो, दायित्व सौंपा गया है उस विश्वास पर हम सभी खरा उतरते हुए लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर भी सदैव ही खरा उतरने का भरसक प्रयास किया जाएगा।** जिला अध्यक्ष की अगुवाई में, समाज के युवा वर्ग द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया था, जिसमें युवाओं और समाज बंधुओ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और 300 यूनिट रक्तदान करके महापुण्य का कार्य किया है, यह रक्त हजारों लोगों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जिला सभा भीलवाड़ा के मंत्री, महावीर प्रसाद आमेरिया ने बताया समारोह की शुरूआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलन करके की और इसके साथ ही युवा प्रकोष्ठ का शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें युवा कार्यकारिणी के सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई। सामाजिक उद्बोधन में भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष महावीर सुथार, राजस्थान कर्मचारी अधिकारी महासंघ के अध्यक्ष कैलाश सुथार सहित शिक्षाविदों ने समाज में युवाओं के योगदान और संस्कारों एवं सामाजिक राजनैतिक विषयों पर अपने-अपने सारगर्भित विचार रखें ।

राजस्थान के राजनैतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष, गिरिराज जांगिड, युवा प्रकोष्ठ के संरक्षक राहुल शर्मा, ओम जांगिड, महेंद्र जांगिड, योगेश जांगिड, तहसील अध्यक्ष शाहपुरा सुरेंद्र मामोडीया, आसींद से मदन कानपुरा, अपनी कार्यकारिणी के साथ मौजूद रहे। जिला सभा की समस्त कार्यकारिणी, युवा प्रकोष्ठ के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य व जांगिड समाज के सैकड़ो समाज बंधु इस समारोह के साक्षी बने।

जन्माष्टमी के पावन अवसर पर,
सभी भक्तों को शुभ मंगल कामनाएं और बधाई

आज सारे देश में भादों की अष्टमी को जन्माष्टमी का पावन त्यौहार मनाया जा रहा है। भगवान विष्णु के आठवें अवतार के रूप में भगवान श्री कृष्ण के बाल स्वरुप का अवतरण, बाल गोपाल कन्हैया के रूप में इसी दिन मध्यरात्रि को हुआ था। भगवान श्री कृष्ण के बारे में कहा जाता है - वसुदेवसुतम देवं कंस चाणूरमर्दनम, देवकी परमानंद कृष्णं वन्दे जगतगुरुम और इसके अतिरिक्त भगवान श्री कृष्ण का एक और बड़ा ही सिद्ध मंत्र है, जो घर से निकलते समय कम से कम 11 बार इस प्रकार से बोलना चाहिए -- ॐ –". कृष्णाय वासुदेवाय हरे परमात्मने, प्रणत: क्लेशनाशाय गोविन्दाय नमो नम:। भगवान श्री कृष्ण की दिव्य लीलाओं में, उनकी बाल लीला में, माखन चोरी, पूतना राक्षसी का वध और गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगलियों पर उठाना शामिल है और इसके अतिरिक्त उनकी लीलाओं में गोपियों और राधारानी के निश्छल प्रेम की अमर गाथा भी शामिल है और इसीलिए शायद गोपियों ने उद्धव को कहना पड़ा कि हमें तो हर पेड़ पौधे और जीव जन्तु में छलिया और बाल कृष्ण की छवि ही दिखलाई देती है।

भगवान श्री कृष्ण ने मानवता का कल्याण करने के लिए, गीता में निष्काम कर्मयोग का सन्देश दिया है जो आज हजारों साल बाद भी उतना ही सार्थक और समीचीन तथा प्रेरणा का स्रोत है, जो करोड़ों लोगों की आस्था और विश्वास का प्रतीक बना हुआ है। भगवान श्री कृष्ण, एक दूरदर्शी, परिपक्व नीति कुशल और महान कर्मयोगी तथा योगेश्वर और सुदामा तथा अर्जुन के परम मित्र हैं। मैं आप सभी को और आपके परिवार को, माधुर्य सम्राट प्रभु भगवान श्री कृष्ण के प्राकट्य दिवस, जन्माष्टमी और जन्मोत्सव के पावन अवसर पर, अन्त:करण से बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। बालकृष्ण गोपाल की बांसुरी की मधुर तान, आपके जीवन में सभी खुशियां और माधुर्य की उत्कट अभिलाषा भर दें और आप पर भगवान श्री कृष्ण जी की अनुकम्पा सदैव ही इसी प्रकार से बनी रहे। विपुल धन्यवाद।

प्रधान, रामपाल शर्मा।

चुनाव अधिसूचना जिलाध्यक्ष पद - सीकर

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, जिला सभा सीकर का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है। अत: चुनाव करवाए जाने अपेक्षित है। इन जिलें के चुनाव के लिए प्रदेश सभा, राजस्थान के मुख्य चुनाव प्रभारी बसन्त कुमार जांगिड ने सीकर जिला अध्यक्ष पद के चुनाव की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए चुनाव अधिसूचना जारी की जा चुकी है। जारी अधिसूचना के अन्तर्गत सीकर जिलें का चुनाव कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा :-

क्र.सं.	जिला	सदस्यता मान्य	नामांकन तिथि	नामांकन का स्थान	मतदान तिथि
1	सीकर	12 सितम्बर 2025(शुक्रवार)	28 सितम्बर 2025(रविवार)	जिला सभा कार्यालय, मानव सिटी, सीकर	12 अक्टूबर 2025 (रविवार)

उक्त चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु कमल किशोर गोठडीवाल मोबाइल नम्बर-9414524982 को चुनाव अधिकारी जिला-सीकर हेतु नियुक्त किया जाता है।

बसंत कुमार जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी, मो0. 9680010591

टोंक जिला सभा का शपथ ग्रहण समारोह 3 अगस्त को आयोजित किया गया

जिला मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार पीपलू ।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष, घनश्याम शर्मा ने कहा कि समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने और युवाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से 2 सितंबर को बिरला आडिटोरियम में एक सेमिनार और प्रेरणा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और समाज रत्न डॉ. समित शर्मा एक मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में भाषण देंगे और समाज के युवाओं को अपने प्रेरणादायक भाषण के माध्यम से अवगत करवाने का स्तुत्य प्रयास करेंगे कि वह किस प्रकार से जीवन में, आई ए एस और आई पी एस तथा राजस्थान प्रशासनिक सेवा में सफल हो सकते हैं और इस रास्ते में आने वाली बाधाओं को किस प्रकार से पार किया जा सकता है। इसके साथ ही आर ए एस आशीष शर्मा और मोटिवेशनल उधोगपति राधे चोयल मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में युवाओं को सफलता के मूल मंत्र देंगे।

जिला सभा टोंक का शपथ ग्रहण समारोह 3 अगस्त को आयोजित किया गया

प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम शर्मा, टोंक जिला कार्यकारिणी को 4 अगस्त को आयोजित एक समारोह में जिला सभा के पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण करवाने के उपरांत उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान श्री विश्वकर्मा के चित्र पर तिलक और अक्षत लगाकर तथा माल्यार्पण करके आरती और पूजा के साथ की गई और जिला पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का शॉल, दुपट्टा और माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

घनश्याम शर्मा ने कहा कि इस सेमिनार में लगभग 1200 बच्चे भाग लेंगे और आज के इस आधुनिक डिजिटल युग में, डॉ. समित शर्मा द्वारा, इस सेमिनार में बच्चों के करियर के बारे में समुचित जानकारी दी जाएगी कि, किस प्रकार से वह प्रतियोगी परीक्षाओं में अपना कैरियर बना सकते हैं । इसके अतिरिक्त कुछ छोटी-छोटी बातें हैं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है। कई बच्चे 16 साल तक पढ़ाई करने के बाद, अगर पहले प्रयास में फेल हो जाते हैं, तो वह, घर बैठ जाते हैं, लेकिन यह कोई उचित तरीका नहीं है। डॉ. समित शर्मा, इसके बारे में विस्तार से अवगत करवाएंगे और विश्वकर्मा टुडे पत्रिका में एक कोड जारी किया गया है और प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने वाले युवा, इसके माध्यम से अप्लाई कर सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी अनुरोध किया कि वह इस मामले में उत्साह दिखालाएं । जो बच्चा 16 साल तक मेहनत करता है और एक बार असफल होने के बाद, वह उससे मुंह मोड़ लेता है, ऐसे बच्चे तीन-चार साल और मेहनत करके अपने लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं और इस लक्ष्य हासिल हासिल करने के लिए एक संकल्प लेना जरूरी है और संकल्प के आधार पर ही वह अपने जीवन में सफलता हासिल कर सकते है। राजस्थान युवा प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष धर्मवीर जांगिड ने कहा कि हुनर और कला के साथ शिक्षा समाज के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है और शिक्षा के विकास के बिना किसी भी समाज की उन्नति की परिकल्पना नहीं की जा सकती है।

नवगठित कार्यकारणी में, जिनको प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई, उनमें कार्यकारी जिलाध्यक्ष नेनूलाल ढिकोलिया, जिला प्रभारी मनोज भावता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश अलीगढ़ व शम्भुदयाल खेड़ली, कोषाध्यक्ष कमलेश पालड़ी, सह कोषाध्यक्ष कैलाश नयागांव अहमदपुरा, प्रवक्ता सियाराम कुरथल, चुनाव प्रभारी मक्खन पीपलू, महामंत्री महेंद्र चूली व रामविलास सेदरिया, शिक्षा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सत्यनारायण लावा, जिला मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार पीपलू व मुकेश अलीगढ़, मुख्य सलाहकार बद्रीलाल बिडोली व कमलेश बरवास, वरिष्ठ सलाहकार राधेश्याम हरभगतपूरा बांसड़ा, नारायण बिडोली, शंकर झिलाई, श्योजीराम रजवास, रामलाल रानोली, कजोडमल सिरोही शामिल हैं । इस अवसर पर, राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल व लखन शर्मा महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष ज्योति जांगिड, हरिशंकर जांगिड, विश्वकर्मा टुडे के संपादक नरेश शर्मा, उप प्रधान महासभा दिल्ली, राधेश्याम रेनवाल,गोपाल लाल पेड़वाल, फुलेरा तहसील सभा, अध्यक्ष गुलाब चंद हरसोलिया और शाखा सभा जोबनेर अध्यक्ष भंवरलाल चरख्या, अनेक जिलों के जिला अध्यक्ष एवं भारी संख्या में समाज बंधु एवं मातृशक्ति ने, उपस्थित होकर इस समारोह की शोभा को द्विगुणित किया।

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट (रजि०)

प्रधान कार्यालय-W-71C, अनुपम गार्डन, सैनिक फार्म, इग्नू रोड, नई दिल्ली - 1100068

कार्यक्रम स्थान- श्री जगदीश धाम कैमरी, ग्राम पोस्ट- कैमरी तहसील, नादौती
जिला करौली राजस्थान- पिन कोड नंबर-322216

दिनांक-09, नवम्बर 2025

आदरणीय,

सदस्यगण,

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट (रजि०)

सादर सूचित किया जाता है कि 09 नवंबर 2025 को ट्रस्ट की आम सभा एवं छात्रवृति वितरण समारोह आयोजित किया जा रहा है जिसकी पूर्व सूचना निर्धारित कार्यक्रमानुसार आपको भेज दी जायेगी। अतः आपसे निवेदन है कि आप अपनी जानकारी अनुसार समाज के भी आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृति हेतू अनुमोदित कर प्रोत्साहित करे। आवेदन पत्र में निम्न जानकारी आवश्यक हैः-

1. छात्र/छात्राओं का नाम : --------------------------------------
2. पिता का नाम : --------------------------------------
3. स्थायी पता : --------------------------------------
4. मोबाइल नं. : -------------5. परिवार की आय-------
6. नियमित अध्यनरत् कोर्स/कक्षा/वर्ष: --------------------------------------
7. कॉलेज /इंस्टीट्यूट को बोनाफाइड सर्टिफिकेट संलग्न करना है:---------------------
8. पिछले वर्ष की परीक्षा की सत्यापित मार्कशीट संलग्न करनी है:---------------------

फोटो

मै शपथ पूर्वक घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त समस्त जानकारियाँ पूर्ण रूप से सही है। मुझे छात्रवृति मिले, मै हर हाल में पूरी मेहनत के साथ पढ़ूंगी/पढ़ूंगा और **विश्वकर्मा** एजुकेशन ट्रस्ट के प्रति सैदव निष्टावान रहूँगी/रहूगाँ। समय आने पर ट्रस्ट की सदस्यता भी ग्रहण करूंगी/करूंगा ।

प्रार्थी के हस्ताक्षर

अनुमोदनः- प्रमाणित किया जाता है कि इस छात्र/छात्रा की आर्थिक स्थिति कमजोर है लेकिन मार्कशीट के अनुसार प्रतिभाशाली है। अतः इसे छात्रवृति प्रदान कर अनुग्रहीत करे।

1. ट्रस्टी का नाम................. सदस्यता संख्या .... फोन नं................. हस्ताक्षर.................
2. ट्रस्टी का नाम................. सदस्यता संख्या................. फोन नं................. हस्ताक्षर.................

आवश्यक सूचना

1. प्रार्थी 12वीं कक्षा से ऊपर किसी भी डिप्लोमा या डिग्री में अध्ययन होना चाहिए ।
2. प्रार्थी के पिछले वर्ष की परीक्षा में प्राप्तांक 80 प्रतिशत में कम नही होने चाहिए ।
3. प्रार्थी किसी भी कॉलेज या संस्थान का नियमित छात्र होना चाहिए ।
4. आवेदन पत्र ट्रस्ट के दो ट्रस्टियो द्वारा अनुमोदित होना अनिवार्य है।
5. चर्यानत छात्र/छात्रओं का छात्रवृति प्राप्त करने हेतु छात्रवृति वितरण समारोह में स्वयं आना होगा ।
6. आवेदन पत्र 05 अक्टूबर 2025 तक ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय-W-71C, अनुपम गार्डन, सैनिक फार्म, इग्नू रोड, नई दिल्ली-68 पर अवश्य पहुँच जाने चाहिए। इसके बाद कोई आवदन स्वीकार नही किया जायेगा ।
7. किसी भी रूप में अधूरी/गलत जानकारी देने पर आवेदन पत्र निरस्त समझा जायेगा ।

निवेदकः. विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट

श्री सुरेश चंद जांगिड
अध्यक्ष, 9811032614

श्री जगदीश प्रसाद जांगिड
महासचिव, 9810136256

श्री बंकट लाल जांगिड
कोषाध्यक्ष, 9810612825

राजस्थान प्रदेश की युवा कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह।

राजस्थान के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि जांगिड समाज के युवाओं ने अपने अथक परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर समाज का परचम लहराया है और आज का युवा शिक्षा के माध्यम से प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है और अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण सभा, प्रदेश सभा राजस्थान के युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष धर्मवीर ग्वाला भी सत्य निष्ठा और ईमानदारी से समाज के हित और विकास के लिए कार्य कर रहे हैं।

समारोह के मुख्य अतिथि और राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने यह उद्गार 5 जुलाई को जयपुर में प्रदेश सभा राजस्थान के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष धर्मवीर ग्वाला और उसकी कार्यकारिणी के विद्याधर नगर में प्रदेश सभा भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। इससे पहले भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना और आरती की गई और सभी अतिथियों को राजस्थानी परम्परा के अनुसार शाल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि कन्हैयालाल चौधरी ने नवगठित कार्यकारिणी सहित नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष धर्मवीर जांगिड को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने धर्मवीर जांगिड को समाज के प्रति निष्ठा, ईमानदारी से समाज सेवा करने के लिए अभिप्रेरित किया। उन्होंने कहा कि धर्मवीर जांगिड पिछले 15 वर्षो से मेरे विधानसभा क्षेत्र मालपुरा में कंधे से कंधा मिलाते हुए समाज सेवा के कार्यो में सतत प्रयत्नशील हैं। मंत्री ने कहा कि इनके द्वारा क्षेत्र एवं समाज के विकास के लिए जो कार्य किए जा रहे हैं, इसके लिए वह बधाई के पात्र हैं।मैं इनके सफलतम कार्यकाल की मनोकामना करता हूं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा महासभा के पूर्व दिवंगत प्रधान नेमीचन्द शर्मा की चतुर्थ पुण्यतिथि पर उपस्थित जनसमूह से दो मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित करने का अनुरोध किया। उन्होंने नेमीचंद शर्मा को अपने भाव भीने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि वह समाज के भामाशाह और देदीप्यमान सितारे की तरह थे, जिन्होंने अपने कार्यो के माध्यम से समाज में एक अमिट छाप छोड़ी और वह समाज की प्रगति के लिए पूर्ण रूप से समर्पित थे। उन्होंने अपने अल्प काल के दौरान, महासभा में जो कार्य किए उनका कोई भी सानी नहीं है। प्रधान द्वारा धर्मवीर जांगिड की समस्त कार्यकारिणी को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि वह समाज और विशेषकर युवाओं के हित के लिए समर्पित भाव से कार्य करते हुए विकास के नए आयाम स्थापित करेंगे । उन्होंने कहा कि युवा हमारे देश का भविष्य हैं तथा समाज के युवाओं को शिक्षा, खेलकूद व राजनीति के में आगे आना चाहिए।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पंवार ने प्रदेश सभा की तरफ से युवा प्रकोष्ठ को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया और इसके साथ ही उन्होंने समाजहित के कार्यो के लिए युवाओं को आगे आने का आह्वान भी किया और इसके साथ ही युवा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में राजस्थान में प्रदेश स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन करने का सुझाव भी दिया ।

नवनियुक्त युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यक्रम में पधारे हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि युवा प्रकोष्ठ समाज की शिक्षा एवं खेल की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए अहर्निश कार्य करेगा एवं युवा प्रकोष्ठ की टीम के माध्यम से सभी सरकारी रोजगारोन्मुखी व्यवसायिक योजनाओं का लाभ समाज के निचले स्तर तक लोगों को पहुंचाने का कार्य किया जाएगा और इसके साथ ही कैरियर से संबधित जानकारी देकर उन्हें आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी समाज बंधुओं, मातृशक्ति, युवाओं का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदेश प्रभारी योगेश जांगिड, प्रदेश सह महामंत्री विक्रम जांगिड, राहुल जांगिड, महेन्द्र जांगिड, विनोद जांगिड, राहुल शर्मा कार्यकारी अध्यक्ष सुनील जांगिड, मुकेश बड़वाल ने अहम भूमिका निभाई।

इस कार्यक्रम की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार लालचन्द कटारिया, महासभा के पूर्व प्रधान रविशंकर शर्मा, राजस्थान प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड, महामंत्री कैलाश शर्मा, जी एस टी के प्रेमचन्द जांगिड, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रेणु जांगिड, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कंचन जांगिड, भामाशाह सत्यनारायण जांगिड, बाबूलाल जांगिड, जिला अध्यक्ष जयपुर, गजानन्द जांगिड, हरियाणा युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष विनोद जांगिड और इसके साथ ही, इस युवा कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदेश प्रभारी योगेश जांगिड, प्रदेश सह महामंत्री विक्रम जांगिड, राहुल जांगिड, महेन्द्र जांगिड, विनोद जांगिड, राहुल शर्मा कार्यकारी अध्यक्ष सुनील जांगिड, मुकेश बड़वाल ने अहम भूमिका निभाई।

☆☆☆ युवा प्रकोष्ठ, प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान, धर्मवीर जांगिड।

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा
रानीखेड़ा रोड, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास
मुंडका, नई दिल्ली

प्रदेश सभा छत्तीसगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव मे

श्री भोलाराम शर्मा निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत प्रदेश सभा छत्तीसगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव हेतु जारी चुनाव अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम के (क्रमांक 2603/2025 दिनांक 23 जून 2025) अनुसार नामांकन प्रक्रिया श्री विश्वकर्मा मंदिर, मोहबा बाजार, हीरापुर रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़) में 16 अगस्त 2025 शनिवार को निर्धारित समय पर प्रारंभ की गई।

नामांकन पत्र प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित समय में केवल एक ही नामांकन पत्र प्रस्तुत हुआ। एक ही नामांकन पत्र प्राप्त होने के कारण **श्री भोलाराम शर्मा पिता श्री मनोहर लाल शर्मा** निवासी कुम्हारी, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ को प्रदेश सभा छत्तीसगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

प्रदेश सभा छत्तीसगढ़ के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष श्री भोलाराम शर्मा को बहुत-बहुत बधाई एवं यशस्वी कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं ....।

जिन समाज बंधुओ ने नामांकन प्रक्रिया में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया उन सभी के प्रति धन्यवाद....आभार...

सांवरमल जांगिड	**प्रवीण कुमार शर्मा**	**मक्खन लाल जांगिड**	**देवी प्रसाद जांगिड**
नोडल अधिकारी	**मुख्य चुनाव अधिकारी**	**चुनाव अधिकारी**	**चुनाव अधिकारी**

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा
रानीखेड़ा रोड, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास
मुंडका, नई दिल्ली

प्रदेश सभा उत्तराखंड के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव मे

श्री नरेंद्र कुमार शर्मा निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत प्रदेश सभा उत्तराखंड के प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव हेतु जारी चुनाव अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम के (क्रमांक 2603/2025 दिनांक 23 जून 2025) अनुसार नामांकन प्रक्रिया अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा कार्यालय, रानीखेड़ा रोड, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास, मुंडका, नई दिल्ली मे 16 अगस्त 2025 शनिवार को निर्धारित समय पर प्रारंभ की गई।

नामांकन पत्र प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित समय में केवल एक ही नामांकन पत्र प्रस्तुत हुआ। एक ही नामांकन पत्र प्राप्त होने के कारण **श्री नरेंद्र कुमार शर्मा पिता श्री राम रतन लाल शर्मा** निवासी दीप गंगा अपार्टमेंट्, हरिद्वार को प्रदेश सभा उत्तराखंड के प्रदेशाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। प्रदेश सभा उत्तराखंड के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार शर्मा को बहुत-बहुत बधाई एवं यशस्वी कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं ....।

जिन समाज बंधुओ ने नामांकन प्रक्रिया में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया उन सभी के प्रति धन्यवाद....आभार...

सांवरमल जांगिड	**प्रवीण कुमार शर्मा**	**मनोहर लाल जांगिड**	**ब्रह्मदेव शर्मा**
नोडल अधिकारी	**मुख्य चुनाव अधिकारी**	**चुनाव अधिकारी**	**चुनाव अधिकारी**

देश के वीर सपूतों को देश सेवा के जज्बे को सलाम।

भारत मां के सपूत देश के सजग प्रहरी बनकर हमारी सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं और उनके महान त्याग और बलिदान तथा उत्कट देश भक्ति की जिजीविषा ही देश के सीमाओं के सजग प्रहरी बनकर कर रहे हैं ताकि हम सुख और चैन की नींद लें सके और देश को महान राष्ट्र बनने में भरपूर सहयोग दे सकें। उन्होंने कहा कि शहीद हमारे देश की अमानत हैं और उनको मान सम्मान देना हमारा दायित्व है।

यह उद्‌गार, समारोह के मुख्य अतिथि, मुण्डावर के विधायक और अस्थल बोहर रोहतक के मठाधीश, महंत बाबा बालक नाथ योगी ने गांव जखराना में, सीमा सुरक्षा बल के शहीद जवान, नवीन जांगिड की मूर्ति और स्मारक के अनावरण और के पश्चात् उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने महासभा के प्रधान के साथ पौधारोपण भी किया और इससे पहले हवन किया गया। उन्होंने नवीन की मां श्रीमती लीलादेवी जांगिड और पत्नी श्रीमती पूजा जांगिड शॉल और पुष्प, पुष्पगुच्छ भेंट करके उनका सम्मान किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि नवीन जांगिड ने, जिस प्रकार से शत्रुओं का मुकाबला करते हुए अपने अद्वितीय साहस और अद्‌भुत शौर्य का परिचय दिया, वह अविस्मरणीय है। नवीन जांगिड ने न केवल देश का नाम गौरवान्वित किया है अपितु जांगिड समाज का नाम भी गौरवान्वित किया है और आज उनकी स्मृति में जिस प्रतिमा का अनावरण किया है, वह आने वाली पीढ़ी को इस बात की प्रेरणा देती रहेगी कि देश हित से सर्वोपरि कुछ भी नहीं और अगर देश के कुर्बानी देकर भी देश की रक्षा की जा सके तो, इससे बड़ा मानव का कोई भी धर्म नहीं है।

उन्होंने याद दिलाया कि देश को आजाद कराने के लिए किस प्रकार से देश भक्तों, वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर महान त्याग किया, जिसके परिणामस्वरूप ही देश ने 15 अगस्त 1947 को आजादी का नया सवेरा देखने का स्वर्णिम अवसर मिला । इसके साथ ही मैं तीनों भारतीय सेनाओं, सीमा सुरक्षा बल और केन्द्रीय सुरक्षा बल के वीर जवानों को भी अपने हृदय से बधाई देता हूं जो, इतनी कठिन और विकट परिस्थितियों में भी देश की सीमाओं के सजग प्रहरी बनकर हमारी रक्षा कर रहे हैं ताकि हम देश को आगे बढ़ाने के लिए अपने सपनों को मूर्त रूप दे सकें।

नवीन जांगिड के पिता मोहनलाल जांगिड ने कहा कि हमें अपने बेटे पर गर्व है, जिसने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि नवीन ने 1 फरवरी 2024 को बहरामपुर जिला मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल में अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।

नवीन की मां श्रीमती लीला देवी जांगिड ने भावुक होते हुए कहा कि, नवीन हमारा बेटा नहीं भारत मां का बेटा था और उसने भारत मां की रक्षा के लिए ही अपने प्राणों का उत्सर्ग किया। शहीद नवीन की पत्नी पूजा जांगिड पर दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा है, लेकिन वह हमारी बेटी है उसको और हमारी पोती पुनवी के पालन पोषण में, कोई भी कमी नहीं आने दी जाएगी।

इस अवसर पर प्रदेश सभा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, मिशन डेढ़ लाख के प्रभारी रामजी लाल जांगिड, महासभा के उपप्रधान उजेन्द जांगिड, कोटपूतली जिला अध्यक्ष नेकीराम जांगिड नीमराना के जिला मंत्री सत्यप्रकाश जांगिड बहरोड़ के अध्यक्ष बस्ती राम यादव, नीमराना प्रधान रोहिताश यादव, प्रकाश एवं मातृशक्ति भी उपस्थित थीं।

महासभा के उप प्रधान उजेन्द जांगिड

कैलाश चंद जांगिड (आर.के.) तीसरी बार विकास समिति दादी का फाटक जयपुर के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए।

चुनाव अधिकारी, जांगिड विकास समिति, कैलाश शर्मा।

कैलाश चंद जांगिड के मिलनसार स्वभाव और उदार प्रवृत्ति तथा समाज को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के उद्देश्य से समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उनको आगे बढ़ाने के उद्देश्य से 17 विगत वर्षों से, समाज सेवा कार्यो में सतत् कार्यरत हैं **जांगिड विकास समिति दादी का फाटक जयपुर** के अध्यक्ष पद पर कैलाश चंद जांगिड को पुनः तीसरी बार सर्वसम्मति से 29 जून को आयोजित, समिति की आमसभा में, उनको निर्विरोध अध्यक्ष बनाया गया है और इस बारे में उसके नाम की घोषणा समिति के चुनाव अधिकारी, कैलाश शर्मा सालीवाले द्वारा विधिवत तरीके से घोषणा की गई।

जांगिड विकास समिति दादी का फाटक, जयपुर का तीसरी बार पुनः कैलाश चंद जांगिड को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है

अध्यक्ष पद के लिए कैलाश चंद जांगिड का समर्थन समिति के संरक्षक, चंद्रदत्त जांगिड, दामोदर मोरीवाल व बालाजी सिल्वर आर्ट एंड क्राफ्ट के मालिक सुभाष चंद्र जांगिड द्वारा किया गया और आमसभा में उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों और महानुभावों ने अपने-अपने हाथ उठाकर इस महत्वपूर्ण निर्णय पर अपनी सहमति जताई । नवनिर्वाचित अध्यक्ष कैलाश चंद शर्मा ने छगनलाल शर्मा को महामंत्री बनाए जाने की घोषणा की और इसके साथ ही महामंत्री का माला पहनाकर स्वागत किया गया। सीकर रोड जयपुर में विश्वकर्मा मंदिर में समिति द्वारा आयोजित इस आम सभा की बैठक में, समिति के सलाहकार मनोज कुमार एडवोकेट को राजस्थान सरकार द्वारा अपर लोक अभियोजक बनाए जाने एवं लोकपाल जांगिड को कर विभाग में कर अधिकारी पद पर प्रमोशन होने पर उनको दुपट्टा व साफा पहनाकर सम्मानित किया गया।

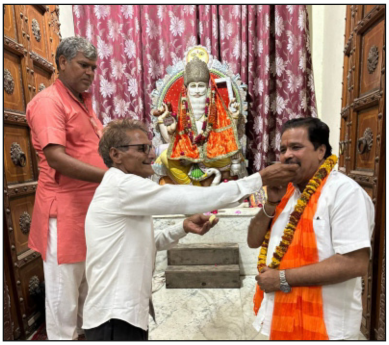

इस अवसर पर समिति के संरक्षक कैलाश चंद शर्मा, पूर्व अध्यक्ष चंद्रदत्त जांगिड और दामोदर मोरीवाल, भामाशाह सुभाष जांगिड, श्याम सुंदर एडवोकेट और सत्यनारायण जाला सहित समाज के गणमान्य एवं समाज-सेवियों ने समर्पण भाव से आमसभा में भाग लेकर इस कार्यक्रम की गरिमा को चार-चांद लगा दिए और इसे पूर्ण रूप से सफल बनाया। राजस्थान प्रदेश सभा के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पंवार और महामंत्री कैलाश शर्मा एवं समिति संरक्षक चंद्रदत्त जांगिड ने कैलाश चंद जांगिड को तीसरी बार पुनः निर्विरोध अध्यक्ष बनाए जाने पर हार्दिक बधाई दी है। अन्त में, महामंत्री छगनलाल शर्मा ने आमसभा में उपस्थित सभी महानुभावों का आभार व्यक्त किया और भगवान विश्वकर्मा की आरती के साथ ही आमसभा का विसर्जन हुआ।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कैलाश चंद्र जांगिड को तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई देते हुए कहा कि, यह उनकी लोकप्रियता को इंगित करता है और मुझे विश्वास है कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार से शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाने का कार्य करते हुए ज्ञान की ज्योति को प्रज्ज्वलित करते हुए, समाज उत्थान के कार्यों में सदैव ही तत्पर रहेंगे। मैं इस समिति के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

☆☆☆

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

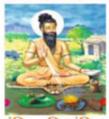

अंगिराऽसि जांगिड

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2653/2025 **दिनांक 30/07/2025**

प्रेषित,

महासभा कार्यकारिणी के समस्त सम्माननीय
पदाधिकारी एवं समस्त प्रदेशाध्यक्ष गण,
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा -दिल्ली

विषय:- महासभा अंतर्गत कार्यरत समस्त ईकाइयों में विभिन्न प्रकोष्ठों के गठन बाबत दिशा निर्देश।

महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि महासभा के संज्ञान मे आया है की अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत कार्यरत अधिकांश ईकाईयो द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर विभिन्न प्रकोष्ठों का गठन किया जाता है तथा स्वविवेक से ही मनोनयन पत्र पर हस्ताक्षर करके वितरित कर दिए जाते है, जो की नियमानुसार सही नही है। अत: महासभा अंतर्गत कार्यरत समस्त ईकाइयों में विभिन्न प्रकोष्ठों के गठन के सम्बन्ध में निम्नलिखित दिशा निर्देश जारी किये जाते है।

(1) **महासभा :-** महासभा में प्रत्येक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष / प्रभारीयो का मनोनयन **"महासभा प्रधान"** द्वारा किया जायेगा। मनोनीत अध्यक्षों एवं प्रभारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ भी महासभा प्रधान द्वारा ही कराई जाकर स्वयं के हस्ताक्षर से ही मनोनयन पत्र जारी किये जायेंगें। महासभा का कोई भी प्रकोष्ठ अध्यक्ष अपने प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी महासभा के अंतर्गत कार्यरत समस्त प्रदेशों से बना सकता है।

(2) **प्रदेश सभा :-** समस्त प्रदेश सभाओं में प्रत्येक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष / प्रभारीयो का मनोनयन प्रदेशाध्यक्ष द्वारा किया जायेगा। मनोनीत अध्यक्ष एवं प्रभारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ **प्रदेशाध्यक्ष या महासभा के उच्च पदाधिकारी** द्वारा ही कराई जाएगी। मनोनयन पत्र प्रदेशाध्यक्ष स्वयं के हस्ताक्षर से ही जारी करेंगे। प्रदेश सभा का कोई भी प्रकोष्ठ अध्यक्ष अपने प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी अपने प्रदेश के अंतर्गत कार्यरत समस्त जिला सभाओं से बना सकता है।

(3) **जिला सभा :-** समस्त जिला सभाओं में प्रत्येक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष / प्रभारीयो का मनोनयन जिलाध्यक्ष द्वारा किया जायेगा। मनोनीत अध्यक्ष एवं प्रभारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ **जिलाध्यक्ष या उनसे उच्च पदाधिकारी** द्वारा कराई ही जाएगी। मनोनयन पत्र जिलाध्यक्ष स्वयं के हस्ताक्षर से जारी करेंगे। जिला सभा का कोई भी प्रकोष्ठ अध्यक्ष अपने प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी अपने जिले के अंतर्गत कार्यरत समस्त तहसील सभाओं से बना सकता है।

(4) **तहसील / ब्लाक एवं शाखा सभा :-** समस्त तहसील / ब्लाक एवं शाखा सभाओं में प्रत्येक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष / प्रभारीयो का मनोनयन तहसील / ब्लाक एवं शाखा सभा के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा। मनोनीत अध्यक्ष एवं प्रभारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ **तहसील / ब्लाक एवं शाखा सभा के अध्यक्ष या उनसे उच्च पदाधिकारी** द्वारा ही कराई जाएगी। मनोनयन पत्र तहसील / ब्लाक एवं शाखा सभा के अध्यक्ष स्वयं के हस्ताक्षर से जारी करेंगे।

(5) किसी भी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष द्वारा **अपनी ईकाई से निचली ईकाई** में सम्बन्धित प्रकोष्ठ का गठन या प्रकोष्ठ अध्यक्ष की नियुक्ति उस ईकाई के अध्यक्ष की **सहमति / अनुमोदन** से ही किया जा सकेगा। अन्यथा नही किया जा सकेगा तथा मनोनयन पत्र पर सम्बन्धित **ईकाई अध्यक्ष के ही हस्ताक्षर** होंगें।

अतः महासभा कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों / प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों को निर्देशित किया जाता है कि उक्त दिशा निर्देशों की पालना अपने प्रदेश के समस्त जिलाध्यक्ष /तहसील / ब्लाक एवं शाखा सभाओं करवाना सुनिश्चित करने का कष्ट करें तथा किसी भी इकाई में उपरोक्त दिशा-निर्देशों एवं नियमों के विरुद्ध गठित ऐसे प्रकोष्ठों को महासभा द्वारा तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया जाएगा।

महामंत्री–महासभा

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

अंगिराऽसि जांगिड

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड	प्रवीण कुमार शर्मा
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष	मुख्य चुनाव अधिकारी
9844026161	9414003411	9810988553	9300905141

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2670/2025 **दिनांक 16/08/2025**

प्रतिष्ठा में,

सम्माननीय समस्त प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी,
एवं महासभा कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी,
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा-दिल्ली

विषय :- महासभा पदाधिकारियों के लक्ष्य, उतरदायित्व एवं जिम्मेदारियां निर्धारण करने बाबत

सन्दर्भ :- महासभा का पत्रांक-अ.भा.जां.ब्रा.म.-1891/2023 दिनांक 27/03/2023 एवं स्मरण पत्रांक :- अ.भा.जां. ब्रा.म.:– 1973/2023 दिनांक 17/06/2023

महोदय ,

उपरोक्त विषय एवं संदर्भित पत्र के सम्बन्ध में लेख है कि अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को पूर्व कार्यकाल में समय समय पर विभिन्न लक्ष्य, उतरदायित्व एवं जिम्मेदारियां सोंपी गयी थी जिनका उल्लेख विभिन्न मीटिंगों के दौरान एवं महासभा की जांगिड ब्राह्मण मासिक पत्रिका में भी कई बार प्रकाशन किया जा चुका हैं। परन्तु उन लक्ष्यों, उतरदायित्व एवं जिम्मेदारीयों का अपेक्षित पालन नहीं हुआ। महासभा प्रधान श्री रामपाल शर्मा ने महासभा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों हेतु पुनः निम्नलिखित लक्ष्य, उतरदायित्व एवं जिम्मेदारियां निर्धारित की है, जो निम्नानुसार हैं: -

1. महासभा की सदस्यता संख्या बढ़ाने एवं **मिशन 1.50 लाख के लक्ष्य** को प्राप्त करने के उद्देश्य से कार्यकारिणी के प्रत्येक पदाधिकारी को अपने पद के अनुसार प्रतिवर्ष **उप प्रधान द्वारा 50, संगठन मंत्री द्वारा 35 और प्रचार मंत्री द्वारा 25 नये सदस्य** बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।
2. महासभा अंतर्गत कार्यरत प्रत्येक प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, उच्च स्तरीय कमेटी, कोर कमेटी, अनुशासनात्मक कमेटी के सदस्यों को महासभा का **प्लैटिनम सदस्य बनने** के साथ ही **एक - एक अतिरिक्त प्लैटिनम सदस्य** बनाने का लक्ष्य निश्चित किया हैं।
3. महासभा की आर्थिक स्थिति सुद्रड करने के लिए महासभा के मुख्य पदाधिकारियों को अधिकाधिक **स्वर्ण, रजत सदस्य एवं विशेष संपोषक सदस्य** बनाने के साथ ही महासभा की मासिक पत्रिका में विज्ञापन देने हेतु समाज के भामाशाहों / उद्योगपतियों को प्रेरित करने के साथ **एक – एक वार्षिक विज्ञापन लाने** का लक्ष्य निर्धारित किया है।
4. महासभा के समस्त प्लेटिनम सदस्यों से भी विनम्र आग्रह है कि वह भी अपने साथ एक – एक प्लेटिनम सदस्य और बनाए।

अत: एक बार पुनः समस्त प्रदेशाध्यक्षों, प्रदेश प्रभारियों एवं महासभा कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारीयों को निर्देशित किया जाता हैं कि महासभा की सदस्य संख्या बढ़ाने के लिए निष्ठा से प्रयास करें। प्रत्येक पदाधिकारी नये सदस्य बनाने के लक्ष्यों की प्रगति रिपोर्ट महासभा की मेल पर त्रैमासिक मीटिंग से पूर्व प्रेषित करने का कष्ट करें। समस्त पदाधिकारी से निवेदन है कि महासभा द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सकारात्मक सोच तथा लगन के साथ कार्य करते हुए महासभा रूपी संगठन को मजबूत करने के साथ ही समाज उत्थान के लिए आर्थिक रूप से सक्षम बनाने में भरपूर सहयोग प्रदान करें। धन्यवाद I

प्रतिलिपि :- **श्री रामजीलाल जांगिड,**
प्रभारी – सदस्यता मिशन डेढ़ लाख को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री – महासभा

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

अंगिराऽसि जांगिड

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड	प्रवीण कुमार शर्मा
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष	मुख्य चुनाव अधिकारी
9844026161	9414003411	9810988553	9300905141

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2672/2025 **दिनांक 16/08/2025**

प्रतिष्ठा में,

सम्माननीय समस्त प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी,
महासभा के सम्माननीय पदाधिकारी,
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा - दिल्ली

विषय **:- महासभा के अंतर्गत कार्यरत इकाइयों के लिए सोनीपत मीटिंग में लिए गये निर्णयों बाबत दिशा निर्देश I**

सन्दर्भ :- **महासभा का पूर्व पत्रांक नम्बर :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2246/2024 दिनांक 16/01/2024 के सम्बन्ध में**

महोदय,

उपरोक्त विषय एवं संदर्भित पत्र के सम्बन्ध में लेख है कि **सोनीपत में दिनांक 04/11/2023** को सम्पन्न प्रदेशाध्यक्षों की त्रैमासिक मीटिंग में उपस्थित सभी प्रदेश अध्यक्षों, प्रदेश प्रभारियों एवं महासभा पदाधिकारियों ने महासभा के पदाधिकारियों के प्रोटोकाल एवं प्रदेश सभा / जिला सभा / तहसील व शाखा सभा में आयोजित होने वाली त्रैमासिक मीटिंगों या अन्य समारोहों के सम्बन्ध में निम्न निर्णय लिये गये थे :-

1. प्रदेश सभा / जिला सभा / तहसील व शाखा सभा में आयोजित होने वाले किसी भी कार्यक्रम में **समारोह अध्यक्ष, मुख्य अतिथि, अति विशिष्ट अतिथि** के बाद **महासभा / प्रदेश सभा / जिला सभा** के पदाधिकारियों को निम्न प्रोटोकाल के अनुसार मंचासीन करवाया जाये जैसे मुख्य संरक्षक – प्रधान – पूर्व प्रधान – कार्यकारी प्रधान – महामंत्री – कोषाध्यक्ष – मुख्य सलाहकार / चुनाव अधिकारी – अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय / महिला / युवा प्रकोष्ठ – वरिष्ठ उपप्रधान / उपाध्यक्ष – प्रदेश प्रभारी आदि तथा किसी भी कार्यक्रम के **बेनर, निमन्त्रण कार्ड प्रिंट करवाते** समय भी उक्त प्रोटोकाल का ध्यान रखा जाये।
2. किसी भी इकाई के समारोह में यदि उस इकाई से उच्चतर ईकाई के पदाधिकारी उपस्थित हो तो जहाँ तक सम्भव हो उनको मंचासीन करवाना चाहिए और यदि मंच सम्भव ना हो सके तो उनका यथा योग्य एवं यथा स्थान उचित सम्मान किया जाना चाहिए।
3. प्रदेश सभा की **त्रैमासिक मीटिंग / प्रदेश सभा के किसी भी समारोह** को निर्धारित करने से **पूर्व महासभा को मेल** के जरिये लिखित में सूचित किया जाना अति आवश्यक है।
4. मेजबान प्रदेश द्वारा महासभा की त्रैमासिक मीटिंग के साथ प्रदेश सभा का **शपथ ग्रहण समारोह या प्रदेश सभा की त्रैमासिक मीटिंग**, महासभा से **लिखित में स्वीकृति** लेने के पश्चात ही आयोजित की जाये।
5. प्रदेश सभाओं द्वारा सम्पन्न करवाए जाने वाले जिला सभाओं चुनाव की अधिसूचना महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी के साथ समन्वय करके ही जारी करनी चाहिए तथा अधिसूचना में सदस्य बनने के लिए ज्यादा से ज्यादा समय देते हुए **सदस्य बनने की कट आफ डेट माह की आखरी तारीख या माह की 15 तारीख रखते हुए,** चुनाव अधिसूचना को मासिक पत्रिका में प्रकाशित करवाने हेतु 15 तारीख तक महासभा को भेजा जाना सुनिश्चित किया जाये।

अत: समस्त प्रदेशाध्यक्षों को निर्देशित किया जाता है कि महासभा के अधीन कार्यरत समस्त प्रदेशों एवं उनकी इकाइयों में उक्त निर्देशों को अविलम्ब लागू करते हुये इनकी पालना सुनिश्चित की जानी चाहिए।

धन्यवाद।

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री – महासभा

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

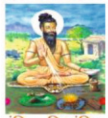

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड	प्रवीण कुमार शर्मा
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष	मुख्य चुनाव अधिकारी
9844026161	9414003411	9810988553	9300905141

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2673/2025 **दिनांक 16/08/2025**

प्रतिष्ठा में,

सम्माननीय समस्त प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी,
महासभा के सम्माननीय पदाधिकारी,
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा -दिल्ली

विषय :- **महासभा के अंतर्गत कार्यरत इकाईयों के नाम एवं पदाधिकारियों के पदनाम सम्बन्धित दिशा निर्देश।**

संदर्भ:- महासभा अंतर्गत कार्यरत इकाईयों के नाम एवं कार्यकारिणी पदाधिकारी के पदनाम स्वेच्छा से रखे जाने बाबत महासभा द्वारा लिया गया संज्ञान।

महोदय,

उपरोक्त संदर्भित विषयांतर्गत लेख है कि महासभा अंतर्गत कार्यरत इकाईयों के नाम एवं कार्यकारिणी के पदाधिकारी के पदनाम अपनी स्वेच्छा से रखे जा रहे हैं। जिससे अनेक बार भ्रांतियां हो जाती हैं और पदाधिकारी के प्रति प्रोटोकॉल का पालन नहीं हो पाता है। यह बात महासभा के संज्ञान में आई है। अतः महासभा द्वारा इकाईयों के नाम एवं कार्यकारिणी के पदाधिकारी के पदनाम संबंधित दिशा- निर्देश निम्न प्रकार से जारी किए जा रहे हैं जो सभी इकाईयों द्वारा अनिवार्य रूप से पालनीय होगे।

1. महासभा की प्रत्येक ईकाई के बोर्ड, लेटर हेड एवं समारोह के बेनर का नाम निम्न प्रारूप में होना चाहिए :-

महासभा रजिस्ट्रेशन नम्बर S-27/1919

महासभा लोगो **अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा** **महर्षि अंगिरा ऋषि फोटो**

प्रदेश सभा / जिला सभा / तहसील सभा / शाखा सभा .....स्थान का नाम ....

पूरा पता .... मोबाइल नम्बर .... मेल आईडी .... (**नोट - जांगिड शब्द को सही रूप में लिखा जाना आवश्यक है**)

2. महासभा संविधान के अनुसार प्रत्येक इकाई के पदाधिकारियों के पद नाम निम्न लिखित होंगें :-

	शाखा सभा	**तहसील/ब्लाक सभा**	**जिला सभा**	**प्रदेश सभा**
	(न्यनतम 9 सदस्य)	**(न्यनतम 11 सदस्य)**	**(न्यनतम 15 सदस्य)**	**(न्यनतम 21 सदस्य)**
1.	शाखा अध्यक्ष	तहसील अध्यक्ष	जिला अध्यक्ष	प्रदेश अध्यक्ष
2.	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	वरिष्ठ उपाध्यक्ष / उपाध्यक्ष
3.	शाखा मंत्री	तहसील मंत्री	जिला मंत्री	प्रदेश मंत्री
4.	कोषाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष
5.	....		जिला चुनाव प्रभारी	मुख्य चुनाव प्रभारी

6. प्रकोष्ठों के मुखिया का नाम - **अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ / युवा प्रकोष्ठ ...राज्य, जिला, तहसील, शाखा** का नाम आदि होंगें।

साथ ही समस्त पदाधिकारियों को यह भी निर्देशित किया जाता है कि अपनी स्वेच्छा से पदनाम रखने पर महासाभा संविधान के तहत कारवाई की जा सकती है, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी उसी सभा एवं उसी पदाधिकारी की होगी, जिसने स्वेच्छा से पदनाम रखे हैं।

नोट :- प्रत्येक इकाई का अध्यक्ष ही शाखा / तहसील / जिला / प्रदेश अध्यक्ष के नाम से सम्बोधित किया जायेगा अन्य कोई नही तथा किसी भी इकाई में विभिन्न प्रकोष्ठों का गठन एवं संरक्षक, संगठन मंत्री, प्रचार मंत्री एवं सलाहकारों का मनोनयन अपनी अपनी आवश्यकतानुसार तथा प्रदेश सभा में यदि आवश्यक हो तो कार्यकारी अध्यक्ष भी मनोनीत किया जा सकता है।

(सांवर मल जांगिड)
महामंत्री–महासभा

महासभा प्रधान का उडीसा एवं हिमाचल प्रदेश में प्रदेश सभाओं के गठन का निर्णय।

==============================

उत्कृष्ट समाज सेवा की प्रतिमूर्ति महासभा के प्रधान श्री रामपाल शर्मा, देश के विभिन्न राज्यों में प्रदेश सभाओं का गठन करने जा रहे है । महासभा के प्रधान की सकारात्मक सोच और दूरदृष्टि के परिणाम स्वरूप ही, महासभा की सदस्य संख्या में निरंतर इजाफा हो रहा है।

अब महासभा प्रधान द्वारा महासभा रूपी इस परिवार का विस्तार करने के लिए उड़ीसा एवं हिमाचल प्रदेश में प्रदेश सभाओं का गठन करने का निर्णय लिया गया है । इन प्रदेशों में समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ताओं का सहयोग अपेक्षित है ताकि महासभा के इस संकल्प को सभी के सहयोग से पूरा किया जा सके ।

इसके साथ ही पंजाब, बिहार और पश्चिम बंगाल में प्रदेश सभाओं का अब तक का कार्य संतोषजनक नहीं रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन तीनो प्रदेशों की प्रदेश सभाओं के सदस्यों की संख्या का विस्तार करके नये सिरे से प्रदेशाध्यक्षों के चुनाव करवाने का निर्णय लिया गया है ।

महासभा के 118 वर्षो के लम्बे इतिहास में महासभा की सदस्यों संख्या बढ़कर अब, एक 1 लाख 18 हजार तक जा पहुंची है। इस सदस्य संख्या में और अधिक विस्तार करने के लिए ही अपने पूर्ववर्ती कार्यकाल के दौरान महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने महासभा सदस्यता मिशन डेढ़ लाख शुरू किया था जिसका लक्ष्य हासिल करने के लिए महासभा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को भी एक निश्चित जिम्मेदारी प्रदान की गई है ।

इस समय देश के 14 राज्यों में महासभा की प्रदेश सभाएं प्रदेश इकाईयों के रूप में समाज की सेवा कर रही है। देश में कुल 28 राज्य और 8 केन्द्र शासित प्रदेश हैं और धीरे-धीरे देश के सभी राज्यों में महासभा का विस्तार किया जाएगा और यह शुरूआत इन उपरोक्त राज्यों से की जा रही है और आशा है देश के विभिन्न राज्यों में प्रदेश सभा के गठन के साथ ही महासभा रुपी परिवार के सदस्यों की संख्या भी बढ़ना स्वाभाविक है ।

उड़ीसा, हिमाचल प्रदेश एवं पंजाब, बिहार और पश्चिम बंगाल में निवास करने वाले समाज की सेवा-भावना से ओत-प्रोत महानुभावों से विनम्र अनुरोध है कि आप समाज के लोगों को महासभा रुपी परिवार के साथ जोड़ने का प्रयास करें ताकि इन प्रदेशों में प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति शीघ्र ही की जा सके। यह कार्य उक्त प्रदेशों रहने वाले आप समाज बंधुओं के सहयोग और समर्थन के बिना पूरा नहीं हो सकता है।

इसीलिए आप भी इस महासभा रुपी परिवार से जुड़िए और अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को भी इस अभियान में शामिल करने का प्रयास करें । आप महासभा के सदस्य आनलाइन बन सकते है । आईए, हम सभी एक साथ मिलकर इस महायज्ञ में अपनी आहुति डालने और महासभा की स्थापना करने वाले, उन महापुरूषों के सपनों को साकार करने का संकल्प लें और इस महासभा रुपी परिवार का संख्या बढ़ाने में अपना भरपूर सहयोग करें।

प्रवीण कुमार शर्मा
मुख्य चुनाव अधिकारी,
महासभा- दिल्ली

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास, मुंडका, नई दिल्ली – 110041

दूरभाष : 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

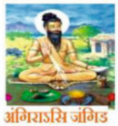

अंगिराऽसि जांगिड

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2644/2025 **दिनांक 25/07/2025**

*** इंदौर में आयोजित त्रैमासिक मीटिंग का सार ***

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली कार्यकारिणी की द्वितीय त्रैमासिक मीटिंग का आयोजन मालवा के प्रसिद्ध औधोगिक क्षेत्र एवं माँ अहिल्या की नगरी इंदौर की पावन धरा पर प्रदेश सभा मध्यप्रदेश एवं श्री जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत, तौप खाना, इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 22 जून, 2025, रविवार, को प्रात: 9.30 बजे से रविन्द्र नाट्य गृह, आर. एन. टी. मार्ग, रीगल सर्किल, इंदौर (मध्यप्रदेश) में किया गया I त्रैमासिक मीटिंग महासभा उच्च स्तरीय कमेटी के अध्यक्ष श्री कैलाश चंद बरनेला के मुख्य आतिथ्य और महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

सर्व प्रथम महासभा प्रधान एवं अनेक विशिष्ट अतिथियों द्वारा "रविन्द्र नाट्य गृह " के परिसर में झण्डारोहण किया गया और तत्पश्चात समारोह का श्रीगणेश दीप प्रज्ज्वलित, भगवान विश्वकर्मा जी की श्रद्धाभाव से पूजा -अर्चना एवं आरती के साथ हुआ। उसके बाद विगत मीटिंग से अब तक की अवधि में सद्गति को प्राप्त हुये समाज के विभिन्न भामाशाहों, पदाधिकारियों एवं महासभा सदस्यों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखने के उपरांत राष्ट्रीय गान के साथ विधिवत बैठक की शुरुआत की।

महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड ने कार्यकारिणी की त्रैमासिक बैठक में निर्धारित ऐजेण्डे पर सकारात्मक विचार विमर्श करने से पहले उपस्थित समस्त मंचासीन मुख्य अतिथियों, जिनमें समस्त प्रदेश अध्यक्षों, कार्यकारिणी के पदाधिकारीयों, कोर कमेटी, उच्च स्तरीय कमेटी, निर्वाचन कमेटी और अनुशासन समिति के सदस्यों सहित मातृशक्ति एवं युवा शक्ति, मिडिया प्रभारियों, समाज के भामाशाहों एवं प्रबुद्ध समाज बन्धुओं का माँ अहिल्या की नगरी एवं मालवा के प्रसिद्ध औधोगिक क्षेत्र, समाज के भामाशाहों एवं उद्योगपतियों के लिए विख्यात इंदौर शहर की पावन धरा को नमन करते हुए पधारे हुए सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया।

समस्त आगंतुक अतिथियों के स्वागत- सत्कार के बाद महामंत्री ने कार्यकारिणी की द्वितीय त्रैमासिक मीटिंग के लिए निर्धारित एजेण्डे को बिन्दु वार प्रस्तुत करते हुए सदन में विचार विमर्श एवं अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया:

एजेण्डा नं 1- उतराखंड, छतीसगढ़, गुजरात एवं कर्नाटक में प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव करवाने हेतु अनुमोदन:-
महामंत्री ने प्रथम एजेंडा बिंदु का उल्लेख करते हुए कहा कि महासभा के अधीन कार्यरत उतराखंड एवं छतीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्षों का कार्यकाल 03/09/2025 को तथा गुजरात एवं कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्षों का कार्यकाल 15/10/2025 को समाप्त होने जा रहा है तथा उक्त अवधियों से पूर्व उक्त प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव होना अति आवश्यक है I इस संदर्भ में उन्होंने सदन को यह भी अवगत करवाया की गत दिवस दिनांक 21/06/2025 को सांयकाल प्रदेश अध्यक्षों, प्रदेश प्रभारियों एवं महासभा पदाधिकारियों की मीटिंग में सर्वसम्मती से यह निर्णय लिया गया की आगामी सभी प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी एवं महासभा संविधान के अनुसार तथा सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया का पालन करते हुए करवाने के लिए महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी श्री प्रवीण शर्मा नीमच को अधिकृत कर दिया जाये I

जिस पर सभागृह में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने अपने दोनों हाथ उठाकर करतल ध्वनि के साथ **महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी श्री प्रवीण शर्मा नीमच** को **महासभा के आगामी समस्त प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से करवाने के लिए अधिकृत करने के प्रस्ताव का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया।**

एजेंडा नम्बर 2 महासभा के नवनिर्मित भवन को संचालित करने हेतु संचालन कमेटी का गठन करने पर चर्चा:- इस एजेंडा बिंदु पर प्रकाश डालते हुए महासभा महामंत्री ने बताया की मुंडका दिल्ली में महासभा के चार मंजिले नवनिर्मित भवन का लोकार्पण समारोह दिनांक 07/09/2024 को हो चुका है परन्तु उक्त विशाल एवं भव्य भवन का कुशल एवं सफल संचालन कैसे किया जाये इस बिंदु पर विचार करने के लिए दिल्ली के लोकार्पण समारोह में विचार एवं सुझाव आमंत्रित किये थे। जिनको ध्यान में रखते हुए बेंगलुरू में प्रदेश अध्यक्षों की मीटिंग में महासभा के मुख्य सलाहकार श्री श्रीगोपाल चोयल अजमेर द्वारा तैयार किया हुआ प्रस्ताव विचार किया गया परन्तु समयाभाव के कारण उक्त प्रस्ताव पर कार्यकारिणी मीटिंग में कोई निर्णय नही हो सका था, इस कारण से उक्त मुद्दे को पुन: इस मीटिंग के एजेंडा में शामिल किया गया I

उक्त विशाल एवं भव्य महासभा भवन का कुशल एवं सफल संचालंन करने के लिए एक प्रबन्धकीय संचालन कमेटी का गठन करने की सख्त आवश्यकता है। तथा इस विषय पर और अधिक चर्चा के लिये कल दिनांक 21/06/2025 को सायंकाल **प्रदेश अध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों एवं महासभा पदाधिकारियों की मीटिंग** में भी इस एजेंडा बिंदु पर काफी चर्चा करने के उपरांत मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने सर्वसम्मती से यह प्रस्ताव पारित किया गया की महासभा के भवन को संचलित करने हेतु **महासभा प्रधान एवं महासभा के कार्यकारी प्रधान को अधिकृत** कर दिया जाये कि वे अपने स्व: विवेक से अविलम्ब महासभा के नव-निर्मित भवन के संचालन हेतु कुशल एवं अनुभवी पदाधिकारियों की एक कमेटी का गठन करें I

उक्त मुद्दे पर यदि सम्पूर्ण सदन सहमत हो तो कल दिनांक 21/06/2025 को सांयकाल प्रदेश अध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों एवं महासभा पदाधिकारियों की मीटिंग में लिए गये **निर्णयानुसार महासभा के प्रधान एवं महासभा के कार्यकारी प्रधान को अधिकृत** कर दिया जाये I मैं सदन में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करने हेतु निवेदन करता हूँ I जिसका मीटिंग में **उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने हाथ खड़े करके उक्त निर्णय का स्वागत करते हुए एवं सर्वसम्मति से अनुमोदन** किया I

एजेंडा नम्बर 3 राम जन्म भूमि अयोध्या में श्री विश्वकर्मा मन्दिर एवं धर्मशाला का निर्माण करने हेतु भूमि क्रय करने हेतु कमेटी का गठन करने पर चर्चा:- महामंत्री ने बताया कि **दिनांक 11/02/2024 को हैदराबाद** में सम्पन्न महासभा कार्यकारिणी की त्रैमासिक मीटिंग में एक प्रस्ताव या एजेंडा बिंदु था की **राम जन्म भूमि-अयोध्या नगरी में जांगिड सुथार समाज का भव्य विश्वकर्मा मन्दिर के साथ ही भव्य धर्मशाला** भवन का निर्माण किया जाना चाहिए I इस एजेंडे बिंदु पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों एवं भामाशाहों ने एक साथ खड़े होकर तालियों की गडगडाहट के साथ जय श्रीराम का जय घोष करते हुये सर्व सम्मत्ति से उक्त प्रस्ताव का जोश एवं उल्लास के साथ पूर्ण समर्थन किया था I

महासभा कार्यकारिणी द्वारा लिए गये उक्त निर्णय के मद्देनजर ही महासभा प्रधान, मुख्य सलाहकार, महामंत्री, मध्यप्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महराष्ट्र श्री रोहिताश जी जांगिड ने **दिनांक 17/12/2024 को** श्री विश्वकर्मा मंदिर और धर्मशाला के निर्माण के लिए भूमि खरीदने की कार्यवाही हेतु अयोध्या का दौरा किया था। जिसके काफी अच्छे परिणाम भी आये है जैसा कि यह विदित है कि बिना किसी कमेटी के कोई भी प्रधान अकेला कोई निर्णय नही ले सकता। इसलिए अयोध्या में मन्दिर एवं धर्मशाला निर्माण हेतु भूमि क्रय करने के लिए एक कमेटी का गठन करना अति आवश्यक है। इसके लिए महामंत्री ने अयोध्या में भूमि क्रय मामले पर विस्तार से प्रकाश डालने हेतु श्री रोहिताश जांगिड (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र) को आमंत्रित किया जिन्होंने उक्त मुद्दे पर विस्तार से सदन को अवगत करवाया I

जबकि महासभा के पूर्व प्रधान श्री रविशंकर शर्मा जयपुर ने सुझाव दिया की महासभा का कार्य सिर्फ समाज सेवा एवं समाज उत्थान के कार्य करना है इसलिए महासभा को अयोध्या में मन्दिर या धर्मशाला अपने नाम से ना बनाकर एक अलग से ट्रस्ट की स्थापना करके उसके अधीन बनानी चाहिए। महासभा अनुशासन कमेटी एवं कोर कमेटी सदस्य श्री सुरेन्द्र वत्स दिल्ली ने कहा की महासभा को अपनी नियमित आय करने के लिए हरिद्वार एवं खाटू श्याम जी की तर्ज पर अयोध्या में मन्दिर या धर्मशाला बनानी चाहिए।

अयोध्या में विश्वकर्मा मन्दिर एवं धर्मशाला का निर्माण के लिए भूमि क्रय हेतु पूर्व मीटिंगों में लिए गये निर्णय का पूरे सदन ने पूर्ण समर्थन किया तथा सर्व सम्मत्ति से महासभा प्रधान एवं कार्यकारी प्रधान को यह जिम्मेदारी दी गई कि वे दोनों अपने अनुभव एवं स्व: विवेक से उचित एवं आवश्यक निर्णय लेकर एक भूमि क्रय कमेटी गठित करके अयोध्या में भूमि क्रय करने का कार्य अविलम्ब शुरू करवाए I इस प्रकार बहुमत के आधार पर लिए गये उक्त निर्णय का स्वागत करते हुए "जय श्रीराम"का जय घोष करते हुये अयोध्या में विश्वकर्मा मन्दिर एवं धर्मशाला का अविलम्ब निर्माण करने के लिए भूमि क्रय करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

एजेंडा बिंदु 4 राष्ट्रीय जनगणना कार्यक्रम के तहत जातीय जनगणना करवाने पर चर्चा:-

महामंत्री ने बताया कि यह एजेंडा बिंदु आज के परिपेक्ष्य में बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है क्योंकि भारत सरकार ने पिछले दिनों ही एक अध्यादेश पास किया है जिसके तहत अगले साल 2026 में भारत की अगली राष्ट्रीय जनगणना के साथ ही साथ जातीय जनगणना भी करवाने का निर्णय किया है I

हमारे समाज के लोग अलग अलग राज्यों में भिन्न भिन्न जातियों **जैसे जांगिड, शर्मा, बढ़ई, खाती, विश्वकर्मा, सुथार, तिरखान, पांचाल, रामगढिया, मालवीय, जांगड़ा, धीमान आदि नामो से जाने** जाते है जिससे हमारी कुल जनसंख्या का आंकलन नही हो पाता है और हमारी जाती राजनैतिक स्तर पर एवं संख्याबल स्तर पर पिछड़ती जा रही है। हमारे समाज के लोग **सरकारी, सामाजिक, लाभप्रद योजनाओं तथा समाज उत्थान की विभिन्न स्कीमों से भी वंचित** रह जाते है अत: इस विषय पर हम सबको मिलकर यह मंथन करके निश्चित करना होगा की अगली राष्ट्रीय जनगणना कार्य के दौरान हमारे समज के लोग जाति की जगह क्या लिखे जिससे सरकार को हमारी **जाति का संख्या बल नजर** आये और विभिन्न सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ समाज के लोगों को मिल सकें I

इस बिंदु पर विचार प्रकट करते हुए राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा ने सिर्फ जांगिड लिखने का सुझाव दिया।इसी तरह प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, उतराखंड, मध्यप्रदेश, छतीसगढ़, प्रदेश प्रभारी छतीसगढ़, दिल्ली ने भी सिर्फ जांगिड लिखने का सुझाव दिया। गत दिवस प्रदेश अध्यक्षो / प्रदेश प्रभारियों की मीटिंग में भी सभी ने उक्त विषय पर अपने-अपने विचार रखे और समग्र रूप से जांगिड लिखने का निश्चित हुआ था I साथ ही यह भी निश्चित किया गया की महासभा को प्रत्येक प्रदेश अध्यक्ष को पत्र लिखकर पूछना चाहिए की प्रत्येक राज्य में हमारी जाति सरकारी रिकोर्ड में किन नाम से दर्ज है। उसके उपरांत महासभा द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार को पत्र लिख कर अवगत कराया जाए की जांगिड, शर्मा, बढ़ई, खाती, विश्वकर्मा, सुथार, तिरखान, पांचाल, रामगढिया, मालवीय, जांगड़ा, धीमान आदि जांगिड जाति ही है जो विभिन राज्यों में अलग अलग नामो से जानी जाती है। इस कार्य के लिए प्रदेश अध्यक्षो को ये जिमेदारी दी गई की वे उक्त के बाबत अपने अपने प्रदेश की सूची से अवगत कराये I उक्त निर्णय का सम्पूर्ण सदन ने स्वागत करते हुए अपने अपने हाथ खड़े करके सामूहिक रूपसे अनुमोदन किया I

एजेंडा नम्बर 5 अन्य कोई विषय प्रधान जी की अनुमति से :-

1. महासभा के 500/- रूपये वाले बिना पत्रिका के संरक्षक सदस्यों को महासभा की किसी भी ईकाई के चुनाव में भाग लेने का अधिकार देने संबंधी।

महासभा महामंत्री ने महासभा प्रधान की अनुमति से कल **दिनांक 21/06/2025** को सम्पन्न प्रदेश अध्यक्षों / प्रदेश प्रभारियों एवं महासभा पदाधिकारियों की मीटिंग में लिए गये निर्णय के बारे में अवगत करवाते हुए कहा कि महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने महासभा पदाधिकारियों एवं समाज के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए **एक ऐतिहासिक निर्णय लिया जिसमें महासभा के पत्रिका रहित 500 रुपए वाले संरक्षक सदस्य भी अब चुनाव में भाग लेने के लिए प्रत्याशी हो सकते हैं। तथा यह निर्णय आज के बाद होने वाले सभी चुनाव में लागू कर दिया जाए।**

महामंत्री द्वारा प्रधान जी के इस निर्णय की सदन में घोषणा के साथ ही सदन मे उपस्थित समस्त प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी एवं महासभा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने हाथ खड़े करके उक्त निर्णय का स्वागत करते हुए अनुमोदन किया एवं महासभा प्रधान जी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया I

महा मंत्री ने कहा कि यद्यपि अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली और उसके अंतर्गत सभी इकाइयों के चुनाव महासभा कार्यकारिणी द्वारा पारित **"चुनाव निर्देशिका 2024"** के नियम एवं दिशा निर्देशानुसार हो रहे हैं*। महासभा संविधान एवं "चुनाव निर्देशिका-2024 " में महासभा के पत्रिका रहित 500 रुपए के सदस्यों को चुनाव में प्रत्याशी होने की पात्रता नहीं हैं फिर भी महासभा एवं अंतर्गत किसी भी इकाई के चुनाव में महासभा के पत्रिका रहित 500 रुपए वाले संरक्षक सदस्य को भी चुनाव लड़ने की पात्रता प्रदान की गई हैं। लेकिन चुनाव लड़ने की यह पात्रता इस शर्त के साथ दी गई है की पत्रिका रहित 500 रूपये वाले सदस्य यदि चुनाव जीत जाते है तो उन्हे **एक माह के भीतर 1600 रुपए रुपए महासभा में जमा करवाकर 2100/- रुपए** का पत्रिका वाला सदस्य बनना अनिवार्य होगा **अन्यथा उनका निर्वाचन इस अवधि के पश्चात स्वतः ही निरस्त** माना जाएगा।

2. महासभा में बनाये जाने वाले सदस्यों की सदस्यता राशी को सभी प्रदेश अध्यक्षों को 200/- रूपये प्रति सदस्य के हिसाब से वापस करने बाबत घोषणा :-

इसके साथ ही महासभा महामंत्री ने महासभा प्रधान की अनुमति से कल **दिनांक 21/06/2025** को सम्पन्न प्रदेश अध्यक्षों / प्रदेश प्रभारियों एवं महासभा पदाधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न मीटिंग में उक्त विषय पर लिए गए निर्णय के बारे में अवगत करवाते हुए कहा कि महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने विभिन्न प्रदेश अध्यक्षों द्वारा काफी समय से लम्बित निवेदन एवं उनकी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए *एक और* **ऐतिहासिक निर्णय लिया की महासभा में बनने वाले नये सदस्यों से प्राप्त राशी का 200/- रूपये प्रति सदस्य के हिसाब माह जनवरी – 2025 से सभी प्रदेश सभाओं को भुगतान किया जायेगा I** सम्पूर्ण सदन ने उक्त निर्णय का स्वागत करते हुए **करतल ध्वनी के साथ अनुमोदन किया।**

महासभा महामंत्री संवरमल जागिड ने महासभा त्रैमासिक मीटिंग एवं प्रादेशिक सभा के शपथ ग्रहण समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से पधारे हुए विशिष्ट अतिथियों एवं इस त्रैमासिक बैठक की शोभा को चार चांद लगाने वालों में विशेष रूप से प्रधान रामपाल शर्मा, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा, महासभा के कार्यकारी प्रधान लादू राम जांगिड, मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल, श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर भगवतानंद गिरी महाराज, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा, महासभा के कोषाध्यक्ष अनिल कुमार जांगिड, महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक मधु शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सविता शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष स्मिता जांगिड जयपुर, महामंत्री मीनू शर्मा अजमेर, कोर कमेटी के सदस्य और जांगिड रत्न से सम्मांनित मोहनलाल दायमा, शंकर लाल लदोया और प्रदेश अध्यक्षों में, प्रभू दयाल बरनेला, घनश्याम शर्मा, खुशी राम जांगिड, नानूराम जांगिड, अशोक शर्मा, कैलाश चंद शर्मा, जगत राम भदरेचा, भंवरलाल सुथार, सिया राम जांगिड, रमेश चन्द्र शर्मा और सतीश जांगिड, मध्य प्रदेश प्रभारी रतन लाल लाडवा, दिल्ली प्रभारी मदनलाल शर्मा, उतर प्रदेश प्रभारी, मुकेश शर्मा हरियाणा प्रभारी अजय जांगिड, महाराष्ट्र प्रभारी चम्पा लाल जांगिड, छतीसगढ़ प्रभारी धर्म चंद शर्मा, शिरोमणि हरिद्वार के चेयरमैन लीलूराम शर्मा, मिशन डेढ़ लाख प्रभारी रामजी लाल जांगिड, श्री विश्वकर्मा मंदिर सभा पहाड़गंज के प्रधान गंगादीन जांगिड, दिल्ली प्रदेशसभा के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल, कोर कमेटी के सदस्य विद्यासागर जांगिड गुडगाँव, सांवर मल जांगिड गोवा, सुरेन्द्र वत्स दिल्ली, बजरंग लाल जांगिड दुर्ग, ओम प्रकाश शर्मा दिल्ली, पी. डी. शर्मा देवास, श्री प्रदीप शर्मा मंडेवाला इंदौर, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गुजरात महावीर प्रसाद जांगिड, द्वारका प्रसाद शर्मा, महाराष्ट्र के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रोहिताश जांगिड ओरंगाबाद, लक्ष्मी नारायण शर्मा नासिक, अनुशासन समिति के सदस्य देवेन्द्र शर्मा एवं ओम प्रकाश जांगिड जयपुर, प्रसिद्ध भामाशाह एवं जिला अध्यक्ष सूरत के एकलिंग जांगिड, ओडियो के फाऊंडर संस्थापक 96 वर्षीय रामेश्वर लाल शर्मा, सीकर जिला सभा के अध्यक्ष हरिनारायण जांगिड, कार्यकारी अध्यक्ष बाबूलाल जांगिड और महामंत्री राधेश्याम मांडण के मार्गदशन में 70 सदस्यों की टीम, जोधपुर से उच्च स्तरीय समिति के सदस्य पुखराज जांगिड और उसकी 20 सदस्यों की कर्मठ टीम, जिला अध्यक्ष चुरू नीरज जांगिड एवं उनकी टीम इसके साथ ही पत्रकार विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा, दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरिराम जांगिड जयपुर और महासभा के मीडिया प्रभारी जयपुर से महेश जांगिड, इंदौर के हेमंत पडवा,देवास की साक्षी शर्मा सहित देश के कौने कौने से आए महासभा के समस्त पदाधिकारियों, भामाशाहों, प्लैटिनम सदस्यों, महासभा की समस्त कमेटियों के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित युवा शक्ति एवं सभा कक्ष में उपस्थित आदरणीय प्रबुद्ध समाज बंधुओं का समारोह को सफल बनाने के लिए दिल की असीम गहराइयों से धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

अन्त में, महामंत्री सांवरमल जांगिड ने इंदौर में शानदार आयोजन और उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए प्रदेश सभा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला और उनकी ऊर्जा से भरपूर टीम, युवा प्रकोष्ठ और महिला प्रकोष्ठ टीम के साथ महासभा के स्तम्भ और हमारे पथ प्रदर्शक पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, श्री जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत, तोप खाना, इंदौर के अध्यक्ष अशोक रोड़वाल, प्रदेश प्रभारी रतन लाल लाडवा, प्रदेश महामंत्री अनिल शर्मा, प्रदेश युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष कपिल शर्मा, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष माया शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष रतन लाल जांगिड, एवं इंदौर के समस्त कार्यकर्ताओं की टीम के अथक प्रयासों से महासभा की त्रैमासिक बैठक को भव्यता प्रदान करते हुये आगंतुक समाज बन्धुओं की शानदार मेहमान नवाजी के लिए, लाने ले जाने ,ठहरने एवं भोजन प्रसादी की बहुत ही सुंदर एवं सुव्यस्थित एवं शानदार आयोजन करने के साथ साथ भरपूर सहयोग और समर्थन देने की अनूठी मिशाल कायम करने के लिए महासभा दिल्ली की और से कोटि- कोटि आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

साथ ही उन्होने भगवान श्री विश्वकर्मा जी से समाज के सामाजिक उत्थान एवं विकास तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगल कामनाये की तथा उम्मीद जताई कि आगुंतक मेहमान महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के साथ साथ देश में सफाई व्यवस्था में नम्बर एक शहर इंदौर की मधुर विस्मृतियों को अपने हृदय में संजोकर साथ ले जाएंगे। उन्होंने सभी मेहमानों और प्रदेश सभा मध्य प्रदेश का पुनः हार्दिक आभार और कृतज्ञता सहित, विपुल धन्यवाद दिया।

महासभा की त्रैमासिक मीटिंग का मंच संचालन बड़े ही बेहतरीन ढंग एवं कुशलतापूर्वक तरीके से करने के लिए महासभा के **मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा, राजस्थान प्रदेश महामंत्री कैलाश शर्मा, इंदौर से जाने माने मंच संचालक हेमंत पडवा,** मंच संचालन करने वाली **पत्रकार देवास की साक्षी शर्मा, का भी महामंत्री ने महासभा दिल्ली** की और से कोटि कोटि आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आप सभी ने त्रैमासिक मीटिंग एजेंडे के सभी प्रस्तावों पर समुचित निर्णय करवाने में मेरा सक्रिय साथ दिया एवं समारोह की गरिमा एवं क्रमबद्धता को बनाए रखा।

प्रतिलिपि :-
समस्त प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश प्रभारियों, महासभा पदाधिकारीगणों,
महासभा की विभिन्न कमेटियों एवं समितियों के सदस्यों तथा प्रबुद्ध
समाज बन्धुओं को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री – महासभा

महासभा की आगामी त्रैमासिक मीटिंग की सूचना

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आगामी त्रैमासिक बैठक प्रदेशसभा छत्तीसगढ़, के तत्वाधान में समस्त जांगिड ब्राह्मण समाज बंधुओं के सौजन्य से दिनांक 28 सितम्बर 2025 रविवार को प्रात: 9:30 बजे, स्थान- सालासर बालाजी धाम, छोकरा नाला के आगे, अग्रसेन धाम के पास,रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित की जायेगी।

सांवरमल जांगिड
महामंत्री, महासभा

वर चाहिए

Wanted a suitable match for healthy & pleasant personality J.B. girl, D.O.B.- 06/03/1996, Birth Time: 01:15 PM, Ht.- 5'1", Birth Place: Bikaner, residence in Jodhpur Rajasthan, Education- B.Tech(Electronics & Communiation) **Shasan: Motiyar, Kalunia, Mandan, Jadwal**, **Contact-** Mr. Naresh Motiyar,(Xen RRVPNL)- 9214406908

वधु चाहिए

1. Wanted a suitable match for a Jangid Brahmin boy, D.O.B. 05.11.1992, Height 5'9", Birth place- Meerut (UP), Education- B.Tech, MBA,Job-Private, Gotra : Kaloniya, Ransiwal, Vashisth, Present Address- Lucknow, (UP), Contact- 6394740576, 9454969269

2. Wanted a suitable bride for our son Kshitiz Sharma, born on 26 Aug 1992 (5.06 PM) at Bombay, height 5'7", fair complexion, standard build, pure vegetarian, non smoking, non drinker, B.Tech (Instrumentation & Controls, VIT Pune), self employed from home (Lucknow) at NSE/BSE. Family Details-Siblings: one unmarried younger brother, Father: Retired Central Government Officer (MoD), Mother: Homemaker. **Gotra** Mother: Aghmarshan, Nani: Bhardwaj, Father :Gautam, Dadi: Vats Contact-9403285301 (Mother), 9403285310 (Father)

3. Wanted a suitable bride for our son Shardul Sharma, born on 04 Jan 1994 (09.55 AM) at Bombay, height 5'8", fair complexion, standard build, pure vegetarian, non smoking, non drinker, Dip in Civil Engg (DY Patil Institute, Pune), International/Fair Play Arbiter at Delhi Chess Association and proprietor of M/s VKS INFRA (Registered with MES). Family Details -Siblings: one unmarried elder brother, Father Retired Central Government Officer (MoD), Mother: Homemaker, **Gotra** Mother: Aghmarshan, Nani Bhardwaj, Father: Gautam, Dadi: Vats, Contact-9403285301 (Mother), 9403285310 (Father) ☆☆☆

मुकेश कुमार सुथार(9001674623) सुपुत्र रमेश चंद सुथार 10 अगस्त को झालावाड़ जिलाध्यक्ष निर्विरोध रूप से निर्वाचित हुए और उनको पद और गोपनीयता की शपथ चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश बरड़वा ने दिलाई।

बसन्त कुमार जांगिड,
मुख्य चुनाव
प्रभारी राजस्थान

भंवरलाल शर्मा (आसदेव) (9898458550) सुपुत्र घेवरचन्द जी 10 अगस्त को पाली जिलाध्यक्ष निर्विरोध रूप से निर्वाचित हुए और उनको पद और गोपनीयता की शपथ चुनाव अधिकारी महेश कुमार जोपालिया ने दिलाई।

बसन्त कुमार जांगिड
मुख्य चुनाव
प्रभारी राजस्थान

चेतन प्रकाश शर्मा (9414931765) सुपुत्र श्री नाथूलाल जी शर्मा 17 अगस्त को दौसा जिलाध्यक्ष 159 मतों से विजयी घोषित हुए। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष दौसा श्री चेतन प्रकाश शर्मा को चुनाव अधिकारी कमल किशोर गोठडीवाल ब्यावर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

बसन्त कुमार जांगिड
मुख्य चुनाव
प्रभारी राजस्थान

जगदीश प्रसाद सुपुत्र श्री रामचन्द्र जांगिड 20 जुलाई 2025 को सूरत के जिलाध्यक्ष के पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

रामभगत शर्मा,
सम्पादक

सभी जिलाध्यक्षों को महासभा की तरफ से हार्दिक बधाई....

महासभा के मुण्डका भवन दिल्ली में, 15 अगस्त को प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा और महासभा के कोर कमेटी के सदस्य गंगादीन जांगिड द्वारा और प्रदेश सभाओं तथा समाज की महान विभूतियों द्वारा भी तिरंगा झण्डा फहराया गया।

महासभा के पूर्व प्रधान रविशंकर शर्मा 15 अगस्त को जयपुर में झण्डा रोहण करते हुए

जांगिड भवन बंगलौर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

डॉ. डी एन शर्मा निदेशक एम्स बिलासपुर 15 अगस्त को तिरंगा झण्डा फहराते हुए।

राष्ट्रीय फैशन टेक्नोलॉजी मुम्बई के निदेशक खुश हाल जांगिड ने 79 वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

महासभा के प्रधान, विनम्रता और सदाशयता की प्रतिमूर्ति और समाज सेवा की अद्वितीय मिसाल, जन-जन के लोकप्रिय, हंसमुख स्वभाव के धनी और हर दिल के अजीज, रामपाल शर्मा का जन्म दिवस भी बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

HYUNDAI
25
YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL
SHARMA
(CHOYAL)

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road
Call : 9099978327

Satellite
Call : 9099978334

Parimal Garden
Call : 9099978328

Naroda
Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MG
MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Posted at:L.P.C. DELHI
R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26 of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

- Audi Automobiles, Pithampur
- Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
- B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
- Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 August 2025
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)